अधिकतम :29° C
न्यूनतम: 25° C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

लखनऊ, गुरुवार 26 जून 2025 लखनऊ संस्करण: वर्ष 16 अंक 235 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com आषाढ़ कृष्ण पक्ष 15 विक्रमी सम्वत् 2082 29 ज़िलहिज्जा 1446 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

मोदी राज में अब किसान आत्महत्या नहीं करता: योगी पेज 2

पंत ने हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग खेल टाइम्स

अगर इमरजेंसी नहीं लगी होती तो... संपादकीय

भारत के साथ बातचीत को बेताब शहबाज शरीफ पेज 12

अंतरिक्ष पहुंचकर एस्ट्रोनॉट शुभांशु बोले 'व्हाट ए राइड'

भारतीय एस्ट्रोनॉट शुक्ला एक्सिओम मिशन-4 के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर पहुंचे

फ्लोरिडा, वार्ता

भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन 4 के तहत 25 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए। उनका ये मिशन पहले 6 बार तकनीकी दिक्कतों के कारण टल चुका था। उनके साथ तीन अन्य एस्ट्रोनॉट भी स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए। अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद शुभांशु ने कहा कि व्हाट ए राइड।

मेरे कंधे पर लगा तिरंगा बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। वहीं लॉन्चिंग सफल होने पर शुभांशु के माता-पिता, आशा शुक्ला और शंभु दयाल शुक्ला भावुक हो गए। उन्होंने बेटे की सफलता पर ताली बजाकर खुशी जताई। मिशन भारतीय समयानुसार दोपहर करीब 12.00 बजे फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया। स्पेसएक्स के फॉल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में सभी एस्ट्रोनॉट ने उड़ान भरी। ये स्पेसक्राफ्ट करीब 28.5 घंटे के बाद 26 जून को शाम 4:30 बजे आईएसएस से जुड़ेगा। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में सवार सभी एस्ट्रोनॉट। 28.5 घंटे के बाद 26 जून को शाम 4: 30 बजे आईएसएस पहुंचेंगे। लॉन्च के करीब 10 मिनट बाद ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट फॉल्कन-9 रॉकेट से अलग हो गया। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। इससे 41 साल पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी।

मोदी ने एक्सिओम-4 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्रियों के एक्सिओम-4 अंतरिक्ष मिशन के बुधवार को सफल प्रक्षेपण का स्वागत किया है। श्री मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को भी शुभकामनाएं दीं। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बनने की राह पर हैं। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि हम भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्रियों के अंतरिक्ष मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत करते हैं।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु को योगी ने दीं शुभकामनाएं

लखनऊ। उप्र के मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ में जन्मे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंतरिक्ष में मानव मिशन एक्सिओम मिशन 4 में मिशन पायलट बनने और ऐतिहासिक उड़ान भरने के लिए हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने इस बड़ी उपलब्धि को भारत की वैज्ञानिक क्षमता और वैश्विक भागीदारी की अद्भुत मिसाल बताया। योगी ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि यह भारत के लिए गौरव का क्षण है।

1975 की इमरजेंसी में हुई थी लोकतंत्र की हत्या: मोदी

इमरजेंसी के 50 साल- पीएम सहित पूरी कैबिनेट ने रखा मौन

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट बैठक में आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर एक प्रस्ताव पास किया गया। इसके बाद आपातकाल के पीड़ितों को श्रद्धांजलि के रूप में दो मिनट का मौन रखा गया। कैबिनेट बैठक में तीन बड़े फैसले लिए गए।

पहला- पुणे मेट्रो विस्तार के लिए 3626 करोड़ रुपये पारित। दूसरा- झरिया (झारखंड) अंडरग्राउंड फायर के लिए 5940 करोड़ रुपये का संशोधित मास्टर प्लान मंजूर। तीसरा- आगरा में 111 करोड़ रुपये की लागत से अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र स्थापित किया जाएगा। इससे पहले बुधवार सुबह पीएम मोदी ने आपातकाल को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि इस दिन कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैद कर लिया था। प्रेस की स्वतंत्रता खत्म कर दी थी। दरअसल 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा की थी। यह 21 मार्च 1977 यानी 21 महीने तक लागू रहा था। भाजपा इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाती है। इमरजेंसी को लेकर मोदी ने लिखा कि यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना, जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। यह हमारा कर्तव्य है। यह उनका सामूहिक संघर्ष ही था, जिसके चलते तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करना पड़ा और नए चुनाव कराने पड़े, जिसमें वे बुरी तरह हार गए। हम आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हैं। पूरे भारत से अलग-अलग विचारधाराओं के लोग आए, उन्होंने एक उद्देश्य से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया। पीएम ने कहा कि इमरजेंसी के वक्त मैं आरएसएस का युवा प्रचारक था पीएम ने अपनी पोस्ट में द इमरजेंसी डायरीज नाम की बुक का भी जिक्र किया। पीएम ने लिखा, जब आपातकाल लगाया गया था, तब मैं आरएसएस का युवा प्रचारक था। आपातकाल विरोधी आंदोलन मेरे लिए सीखने का एक अनुभव था। इसने हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने की अहमियत को दिखाया। साथ ही, मुझे राजनीतिक स्पेक्ट्रम के सभी लोगों से बहुत कुछ सीखने को मिला। मुझे खुशी है कि ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन ने उन अनुभवों में से कुछ को एक किताब के रूप में संकलित किया है, जिसकी प्रस्तावना एचडी देवेगौड़ा ने लिखी है, जो खुद आपातकाल विरोधी आंदोलन के एक दिग्गज थे।

मोदी ने लिखा- कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैद किया, इमरजेंसी लोकतांत्रिक इतिहास का काला अध्याय, कैबिनेट बैठक में लिए गए तीन बड़े फैसले

महाराष्ट्र विस चुनाव में गड़बड़ी वाली याचिका खारिज

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में गड़बड़ी को लेकर दायर याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि याचिका की सुनवाई में कोर्ट का समय बर्बाद हुआ है। हालांकि याचिकाकर्ता पर कोई जुर्माना नहीं लगाया गया है। जस्टिस जीएस कुलकर्णी और आरिफ डाक्टर की बेंच ने कहा कि इस याचिका में कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसे में हम इसे खारिज करते हैं। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि चुनाव में 6 बजे के बाद 75 लाख से ज्यादा वोट पड़े। साथ में चुनाव प्रक्रिया को अवैध घोषित करने की मांग की थी।

एसएससी घोटाला: ईडी ने 636 करोड़ की संपत्ति की जब्त

कोलकाता। ईडी ने 2016 के पश्चिम बंगाल केंद्रीय विद्यालय सेवा आयोग (ग्रुप सी एवं डी स्टाफ) भर्ती घोटाले में गिरफ्तार बिचौलिए प्रसन्ना कुमार रॉय की 27.19 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति जब्त की है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रसन्ना कुमार रॉय की तीन चाय बागान कंपनियों सैमसिंग ऑर्गेनिक टी प्राइवेट लिमिटेड, यांगटोंग ऑर्गेनिक टी प्राइवेट लिमिटेड और बामनडांगा टी एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर बनी बंगलों, फैक्ट्रियों, मशीनों और गाड़ियों जैसी संपत्तियां जब्त की गई हैं। ईडी ने सहायक शिक्षक और प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटालों में अब तक कुल 636.88 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है।

CBSE 10वीं की परीक्षा 2026 से दो बार होगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सीबीएसई (सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन) 10वीं के स्टूडेंट 2026 से साल में 2 बार एग्जाम देंगे। एग्जामिनेशन कंट्रोलर संयम भारद्वाज ने बुधवार को यह जानकारी दी है।

नए परीक्षा पैटर्न के मुताबिक, पहली परीक्षा सभी छात्रों के लिए जरूरी होगी और दूसरी ऑप्शनल। पहली परीक्षा फरवरी और दूसरी मई में होगी। नतीजे अप्रैल और जून में जारी किए जाएंगे। इसके साथ ही सप्लीमेंट्री एग्जाम खत्म कर दिए गए हैं। 12वीं बोर्ड पर अभी यह फैसला लागू नहीं होगा। दूसरी परीक्षा यानी ऑप्शनल एग्जाम में छात्रों को साइंस, मैथमेटिक्स, सोशल साइंस और लैंग्वेजेस में से किन्हीं 3 सब्जेक्ट में अपनी परफॉर्मेंस सुधारने की इजाजत दी जाएगी। विंटर बाउंड स्कूलों (सर्दियों में बंद रहने वाले स्कूल) के छात्रों को दोनों परीक्षाओं में से किसी में भी बैठने की इजाजत होगी। अगर कोई छात्र पहली परीक्षा में 3 या अधिक सब्जेक्ट्स में शामिल नहीं हुआ है, तो उसे दूसरी परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

- पहली परीक्षा कम्पल्सरी, दूसरी ऑप्शनल, अप्रैल-जून में जारी होंगे नतीजे, सप्लीमेंट्री खत्म

ईरान ने 'रश्त' में ड्रोन को मार गिराया

तेहरान। ईरान के वायु रक्षा बलों ने मंगलवार देर रात उत्तरी शहर रश्त में कई माइक्रो एरियल व्हीकल्स (एमएवी) का पता लगाया और उन्हें मार गिराया। अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'मेहर' ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। गिलान प्रांत के सुरक्षा और कानून प्रवर्तन के डिप्टी-गवर्नर अली बाघेरी के अनुसार रश्त पर एमएवी द्वारा हमला किया गया था। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि मानवरहित विमान इजरायल का था या नहीं। गौरतलब है कि 13 जून को इजरायल ने ईरान के विभिन्न क्षेत्रों पर बड़े हवाई हमले किए। जिनमें परमाणु और सैन्य स्थल शामिल हैं। हमले में कई वरिष्ठ कमांडर, परमाणु वैज्ञानिक और नागरिक मारे गए।

हल्द्वानी में कार नहर में गिरी, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

हिमाचल: धर्मशाला में 20 मजदूर बाढ़ में बहे, दो शव बरामद

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में धर्मशाला में बुधवार को तेज बारिश हुई। खनियारा इलाके के सोकणी दा कोट में इंदिरा प्रियदर्शनी हाइड्रल प्रोजेक्ट में काम करने वाले 15-20 मजदूर मनुणी खड्ड (नदी) में बह गए।

अब तक दो मजदूरों के शव मिले हैं। मनुणी नदी आम दिनों में सूखी ही रहती है, लेकिन तेज बारिश के कारण नदी में अचानक से बाढ़ आ गई। मजदूर नदी किनारे बने शेड में रह रहे थे। इसलिए बाढ़ की चपेट में आ गए। कुल्लू जिले में भी तीन जगह सैंज घाटी के जीवा नाला, गढ़सा घाटी के शिलागढ़ और बंजार के होरनगढ़ में बादल फटा। जीवा नाला में बाप-बेटी समेत तीन लोग बह गए। वहीं उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में धारचुला-लिपुलेख रोड पर लैंडस्लाइड हुआ। इसके कारण आदिकैलाश रोड बंद हो गया। दोनों तरफ वाहन फंसे हुए हैं। बुधवार सुबह हल्द्वानी में एक कार नहर में गिर गई। कार सवार सात लोगों में से चार की मौत हो गई। इनमें तीन दिन का बच्चा भी शामिल है। जम्मू में मंगलवार रात हुई भारी बारिश के चलते तवी नदी उफान पर है। इसमें एक शख्स फंस गया। एसडीआरएफ के लोगों ने सीढ़ी के सहारे उसका रेस्क्यू किया। गुजरात के सूरत का अधिकांश हिस्सा बाढ़ की चपेट में है। कई सोसाइटी में पानी भर गया। लोगों को ट्रैक्टर के जरिये रेस्क्यू किया गया। परवत पाटिया इलाके में 5 फीट से ज्यादा पानी भरा हुआ -शेष पृष्ठ दो पर

- पिथौरागढ़ में लिपुलेख रोड पर लैंडस्लाइड से आदिकैलाश का रास्ता बंद
- कुल्लू में तीन जगह बादल फटा, पिता-पुत्री समेत तीन लोग लापता

जमानत आदेश की अवमानना पर पांच लाख जुर्माना

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उत्तर प्रदेश जेल प्राधिकरण को फटकार लगाई और जमानत के बावजूद आरोपी की रिहाई न होने पर नाराजगी जाहिर की। आरोपी को बीती 29 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया गया था।

आरोपी के खिलाफ धर्मांतरण विरोधी कानून के तहत मामला दर्ज किया गया था। जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वे आरोपी को हर्जाने के तौर पर पांच लाख रुपये दें। आरोपी को बीती 24 जून को गाजियाबाद की जेल से रिहा कर दिया गया। उप्र जेल प्रशासन के निदेशक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में पेश हुए। पीठ ने नाराज होते हुए पूछा कि आपके अधिकारियों की संवेदनशीलता पर आपका क्या कहना है? पीठ ने कहा कि अधिकारियों को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले नागरिक अधिकारों की अहमियत के बारे में संवेदनशील बनाया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आजादी बेहद ही कीमती और अहम अधिकार है, जिसकी गारंटी हमारा संविधान देता है। उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से पेश हुए वकील ने कहा कि आरोपी को मंगलवार को जेल से रिहा कर दिया गया और इस बात की जांच की जा रही है कि आरोपी की रिहाई में देरी क्यों हुई। इस पर अदालत ने कहा कि इसकी जांच गाजियाबाद के मुख्य जिला और सत्र न्यायाधीश द्वारा की जानी चाहिए और सुप्रीम कोर्ट ने जांच के बाद रिपोर्ट पेश करने को भी कहा। आरोपी ने दावा किया कि उसे धर्मांतरण विरोधी कानून की एक उपधारा के चलते रिहा नहीं किया गया क्योंकि जमानत आदेश में इसका जिक्र नहीं था।

- सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी, उत्तर प्रदेश जेल प्राधिकरण को लगाई फटकार

नया डिजिटल प्लेटफॉर्म ई-सीनेट बना मददगार

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बुधवार को जानकारी दी कि हाल ही में हुए विधानसभा उपचुनावों के लिए डिजिटल तकनीक की मदद से आयोग ने 72 घंटे यानी तीन दिन के अंदर चुनावी आंकड़ों के इंडेक्स कार्ड जारी कर दिए हैं।

यह काम आयोग ने अपने नए डिजिटल प्लेटफार्म ई-सीनेट के जरिये किया है। बता दें कि इंडेक्स कार्ड चुनाव के बाद तैयार होने वाली एक गैर-कानूनी (नॉन-स्टैच्यूटरी) रिपोर्ट होती है, जो वोटिंग से जुड़े आंकड़ों को समझने में मदद करती है। इस रिपोर्ट के जरिये उम्मीदवारों, मतदाताओं, मतदान प्रतिशत, वोट शेयर, लिंग के हिसाब से वोटिंग पैटर्न, क्षेत्रीय मतभेद और राजनीतिक पार्टियों के प्रदर्शन जैसे कई अहम पहलुओं की जानकारी मिलती है। चुनाव आयोग ने बताया कि उसने यह नया डिजिटल सिस्टम 19 जून को केरल, गुजरात, पंजाब और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में पहली बार लागू किया था। इन चुनावों के नतीजे 23 जून को घोषित किए गए थे। बता दें कि ई-सीनेट नाम के इस सिस्टम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह मतदान के दौरान होने वाले लगभग वोटर टर्नआउट यानी मतदान प्रतिशत के आंकड़ों को तेजी से अपडेट कर पाता है। इससे चुनाव की प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ती है और आंकड़ों को समय पर समझना आसान हो जाता है। इस नई तकनीक के जरिये इंडेक्स कार्ड के अधिकांश आंकड़े अपने आप भर जाते हैं, क्योंकि ई-सीनेट सिस्टम सीधे डेटा एकत्र करता है।

- चुनाव आयोग ने तीन दिनों में जारी किए उपचुनाव के आंकड़े

संक्षिप्त समाचार

60,244 पुलिसकर्मियों में कितने हैं पीडीए: अखिलेश

फर्रुखाबाद। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इस वर्ष उत्तर प्रदेश में संपन्न हुई यूपी पुलिस की भर्ती पर सवाल उठाए हैं। सपा चीफ ने 60 हजार 244 पुलिस भर्ती को लेकर कहा कि इसमें कितने पीडीए हैं? कन्नौज सांसद ने फर्रुखाबाद में पूछा कि भाजपा सरकार सूची जारी कर बताए कि पुलिस भर्ती में कितने पीडीए हैं? इससे पहले उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम मायावती ने योगी सरकार में हाल ही हुई कांस्टेबल भर्ती पर सवाल उठाते हुए कहा था कि यह एक रूटीन कार्य था। इसमें कुछ नया नहीं था, लेकिन सरकार की ओर से इसका जोरदार प्रचार किया गया। मायावती ने लिखा था, 'यूपी में अभी हाल ही में हुई सिपाही भर्ती को लेकर ऐसा प्रचारित किया गया, जैसे यह कोई नई बात हो, जबकि पुलिस में ऐसी भर्ती रूटीन कार्य है। ताकि बैकलॉग की बुराई पुलिस विभाग में भी न आए, लेकिन इस भर्ती में सर्वसमाज को सही हक मिला या नहीं व उनकी ट्रेनिंग का क्या?

श्रीनगर में ड्रग तस्कर की एक करोड़ की संपत्ति जब्त

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बुधवार को श्रीनगर में एक कथित ड्रग तस्कर की करीब एक करोड़ रुपए मूल्य का दो मंजिला घर और उसके आसपास की जमीन को जब्त किया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी करनाबल के तकनवारी निवासी परवेज अहमद भट है। उसके खिलाफ 2024 में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस) की धाराओं के तहत संगम थाने में प्राथमिकी दर्ज है। वह फिलहाल पीआईटी-एनडीपीएस अधि. नियम के तहत हिरासत में है।

योगी सरकार ने एनडीडीबी के साथ किया समझौता

मोदी राज में अब किसान नहीं करता आत्महत्या

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ कहा: पिछली सरकारों के दौरान नहीं हो पाया किसानों का विकास, अब बढ़ेगी दुग्ध उत्पादकों की आय

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकारों की अकर्मण्यता के कारण कृषि के क्षेत्र में जो विकास हो सकता था वो नहीं हो पाया। इससे हमारे किसान लाभ से वंचित रह गए।

योजनाएं आपस में धन के बंदरबांट के लिए बनती थीं और हमारे किसानों को कोई लाभ नहीं मिल पाता था। 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने के बाद देश में समग्र विकास की जो अवधारणा विकसित हुई है। उससे देश का हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को लखनऊ में गोरखपुर, कानपुर एवं कन्नौज के डेयरी प्लांट्स तथा अंबेडकरनगर की पशु आहार निर्माणशाला के संचालन के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड एवं उत्तर प्रदेश कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन के मध्य एमओयू कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समग्र विकास के परिणाम स्वरूप अब किसानों के जीवन में परिवर्तन आ रहा है। अब अन्नदाता किसान खुशहाल है। आत्महत्या नहीं करता है। आज उसे कृषि क्षेत्र से जुड़े अन्य सेक्टरों में बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहन भी मिलता है। तकनीक भी मिलती है और सरकार हर प्रकार से उसे सहयोग करने के लिए तत्पर भी रहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुधन संपदा और दुग्ध उत्पादन की विशाल क्षमता को यदि नियोजित और वैज्ञानिक तरीके से विक. सित किया जाए, तो उत्तर प्रदेश न केवल देश का अग्रणी दुग्ध उत्पादक राज्य बन सकता है, बल्कि वैश्विक डेयरी मानचित्र पर भी अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकता है। योगी की उपस्थिति में राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन (पीसीडीएफ) द्वारा संचालित तीन डेयरी प्लांट (कानपुर, गोरखपुर और कन्नौज) तथा अम्बेडकरनगर स्थित एक पशुआहार निर्माणशाला के संचालन हेतु राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने, पशुधन आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने और उपभोक्ताओं को गुणवत्ता युक्त उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। एनडीडीबी जैसे दक्ष एवं अनुभवी संस्थान को संचालन सौंपे जाने से इन इकाइयों में तकनीकी कुशलता, व्यावसायिक पारदर्शिता और किसानों को प्रत्यक्ष लाभ सुनिश्चित होगा।

संविधान में धर्मनिरपेक्ष एवं समाजवादी शब्द जोड़ना भारत की आत्मा पर कुठाराघात: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में संशोधन करके धर्म निरपेक्ष और समाजवादी शब्द जोड़ना भारत की आत्मा पर कुठाराघात था। कांग्रेस को आपातकाल के लिए दलितों, वंचितों एवं पूरे देशवा. सियों से माफी मांगनी चाहिए। आपातकाल की 50वीं बरसी, संविधान हत्या दिवस पर लोकभवन में आयोजित भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय विषयक संगोष्ठी का शुभारम्भ किया।बाबा साहब अंबेडकर ने अपनी लेखनी के माध्यम से जिन दलितों एवं वंचितों को अधिकार दिलाया था, कांग्रेस ने उनकी आवाज को दबाने का कार्य किया। योगी ने इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को कैशलेस उपचार की सुविधा की घोषणा की। सपा हो या आरजेडी दोनों ने संविधान हत्या दिवस पर न तो कोई बयान और न ही सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट किया।

भाजपा की कठपुतली बनकर काम कर रहा चुनाव आयोग

नई दिल्ली, वार्ता

■ सवालों का जवाब नहीं दे पाता चुनाव आयोग

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि चुनाव आयोग विपक्ष की बात नहीं सुनता है और चुनाव को लेकर उससे जो सवाल पूछे जाते हैं उनका जवाब नहीं दिया जाता। चुनाव आयोग सिर्फ सरकार के इशारे पर उसकी कठपुतली बनकर काम कर रहा है।

खड़गे ने बुधवार को यहां कांग्रेस के नए मुख्यालय इंदिरा भवन में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली की बात आंकड़ों के साथ कह रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग मानने को तैयार नहीं है। चुनाव आयोग भाजपा की कठपुतली बन गया है और उसके इशारे पर काम करता है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के दौरान हमने सीटें जीतीं, लेकिन पांच महीने बाद ही विधानसभा चुनावों में आंकड़े बदल गए। पांच साल में जब वोटर लिस्ट बदलती है, तो दो-तीन प्रतिशत की वृद्धि होती है, लेकिन यहां पांच महीने में ही आठ प्रतिशत का उछाल देखा गया। मैंने कई चुनाव लड़े और लोगों को लड़वाए, पर ऐसा मैंने कभी नहीं देखा। हम लगातार इस मामले को उठा रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग कोई भी बात सुनने को तैयार नहीं है, क्योंकि सब जगह सरकार का नियंत्रण है। हर जगह आरएसएस के लोगों को बैठा रखा है और वहां दूसरों के लिए कोई जगह नहीं है।

कांग्रेस की नीयत अब भी तानाशाही वाली:बीजेपी

नई दिल्ली, वार्ता

भारतीय जनता पार्टी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में आपातकाल लगाए जाने के 50 वर्ष पूरे होने पर कहा कि कांग्रेस की नीयत अब भी तानाशाही वाली है और कांग्रेस शासित राज्यों में विरोध का क्रूर दमन, धार्मिक तुष्टीकरण और सत्ता का अहंकार खुलेआम दिख रहा है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने बुधवार को सुबह एक बयान में कहा कि 25 जून, 1975 की आधी रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 'आंतरिक अशांति' का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोप दिया था और देश के संविधान की हत्या कर दी थी। 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है, उसकी नीयत आज भी वैसी ही तानाशाही वाली है। नड्डा ने कहा कि 1975 में अदालत ने इंदिरा गांधी को चुनाव में आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी ठहराया और उन्हें 6 वर्षों तक किसी भी निर्वाचित पद पर रहने से अयोग्य करार दिया। रातों-रात प्रेस की बिजली काटी गई, सारे विपक्ष को जेल में डाल दिया गया, प्रेस से आजादी छीन ली गई, अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग कर लोकतंत्र को रौंदा गया।

आपातकाल पाप क्षमा याचना करे कांग्रेस: शिवराज

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि आपातक. ाल कांग्रेस का पाप है और उसे इसके लिए उसे क्षमा याचना करनी चाहिए। चौहान ने बुधवार को यहां आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर कहा कि एक व्यक्ति की सनक ने तय कर दिया कि पूरे देश में नसबंदी करो और उसके लिए लक्ष्य तक तय कर दिए गए। जिन लोगों ने लोकतंत्र की हत्या के खिलाफ आवाज उठाई और संविधान की रक्षा की, उन्हें जेलों में डाल दिया गया।

बीजेपी की गोद में बैठ गई कांग्रेस: केजरी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी बीजेपी की गोद में बैठ गई है।

विस उपचुनाव में दो आप प्रत्याशियों की जीत से गदगद केजरीवाल ने राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आप प्रत्याशी संजीव अरोड़ा और गोपाल इटालिया ने क्रमश: अपनी सीटों पर जीत दर्ज की। इस जीत पर पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता को बधाई दी और आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई। केजरीवाल ने कहा कि एक समय कहा जाता था कि राजनी. ति अच्छे लोगों के नहीं है, लेकिन आम आदमी पार्टी ने इस धारणा को तोड़ा।

थरूर की नई पोस्ट से कांग्रेस में हलचल

नई दिल्ली, वार्ता

■ किसी से इजाजत मत मांगो, ये पंख तुम्हारे हैं: थरूर

कांग्रेस के सीनियर नेता और सांसद शशि थरूर की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने पार्टी के अंदर सियासी घमासान तेज कर दिया है। 25 जून को उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि किसी से इजाजत मत मांगो, ये पंख तुम्हारे हैं, चाहे आसमां किसी का भी क्यों न हो। इस पोस्ट के साथ एक चिड़िया की तस्वीर साझा की गई, जो कई सवाल खड़े कर रही है, जैसे कि क्या कांग्रेस के अंदर थरूर किसी प्रकार की कैद में हैं? क्या थरूर पार्टी छोड़ने की तैयारी में हैं?

शशि थरूर ने अपने एक्स अकाउंट पर यह पोस्ट की, जिसमें उन्होंने एक प्रेरणादायक संदेश के साथ एक छोटी सी चिड़िया की तस्वीर भी साझा की। पोस्ट के बाद से सोशल मीडिया पर चर्चा जोरों पर है। कई लोग इसे कांग्रेस छोड़ने की ओर इशारा मान रहे हैं। खासकर तब, जब हाल के दिनों में थरूर की भाजपा नेताओं से मुलाकातें और प्रधानमंत्री के साथ उनकी नजदीकियां चर्चा में रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान थरूर का भाजपा के साथ सहयोग और पीएम की तारीफ करना भी लोगों के मन में शक पैदा कर रहा है। कुछ लोगों का मानना है कि यह पोस्ट उनकी आजादी और नई पारी की शुरुआत का संकेत हो सकता है। दूसरी ओर कांग्रेस के समर्थक इसे एक प्रेरणादायक संदेश मानकर थरूर का बचाव कर रहे हैं कि वो उनकी अन्य पोस्ट के समान ही साधारण सी है।

कुछ लोगों के लिए मोदी फर्स्ट: खड़गे

नई दिल्ली। खड़गे ने दिल्ली में बुधवार को शशि थरूर को लेकर कहा कि मैं अंग्रेजी नहीं पढ़ सकता, लेकिन थरूर की लैंग्वेज बहुत अच्छी है। इसलिए हमने उन्हें पार्टी की वर्किंग कमेटी का मेंबर बनाया है। मैं यह कहना चाहता हूं कि पूरे विपक्ष ने मिलकर कहा कि हम आर्मी के साथ हैं। हमारे लिए देश पहले है, लेकिन कुछ लोगों के लिए मोदी फर्स्ट हैं।

सेंसेक्स 82755.51
निफ्टी 25244.75

सोना रु. 97,157
प्रति 10 ग्राम (24 केरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 105200
प्रति किलो

चौतरफा लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में तेजी

मुंबई, वार्ता

इजरायल और ईरान के बीच युद्ध विराम समझौते होने से एशियाई बाजारों में जारी तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार ने लगातार दूसरे दिन लंबी छलांग लगाई।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 700.40 अंक अर्थात 0. 85 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी के साथ 82755.51 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 200.40 अंक यानी 0.80 प्रतिशत उछलकर 25244. 75 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.63 प्रतिशत मजबूत होकर 46,106.45 और स्मॉलकैप 1.59 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 53,897.25 अंक हो गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4162 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2821 में लिवाली जबकि 1207 में बिकवाली वहीं 134 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 2990 कंपनियों के शेयरो में से 2135 में तेजी जबकि 776 में गिरावट रही वहीं 79 में टिकाव रहा। बीएसई में तेल एवं गैस और कैपिटल गुड्स की 0.54 प्रतिशत तक की गिरवट को छोड़कर अन्य 19 समूहों में तेजी का रुख रहा।

इससे कमोडिटीज 0.99, सीडी 1.26, ऊर्जा 0.27, एफएमसीजी 0.85, वित्तीय सेवाएं 0.48, हेल्थकेयर 1.11, इंडस्ट्रियल्स 0.24, आईटी 1.68, दूरसंचार 1.42, यूटिलिटीज 0.95, ऑटो 1.00, बैंकिंग 0. 11, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.26, धातु 0.37, पावर 0.54, रियल्टी 0.58, टेक 1.69, सर्विसेज 0.86 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 1.69 प्रतिशत उछल गए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.01 और जर्मनी का डैक्स 0.43 प्रतिशत लुढ़क गया। वहीं, जापान का निक्केई 0.39, हांगकांग का हैंगसेंग 1.23 और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.04 प्रतिशत चढ़ गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 394 अंक की तेजी के साथ 82,448.80 अंक पर खुला, लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद 82,339.57 अंक के निचले स्तर तक उतर गया। वहीं, लिवाली होने से दोपहर बाद यह 82,815.91 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

अंत में पिछले दिवस के 82,055.11 अंक के मुकाबले 0.85 प्रतिशत की छलांग लगाकर 82755.51 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी भी 106 अंक की बढ़त लेकर 25,150.35 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 25,125.05 अंक के निचले, जबकि 25,266.80 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा।अंत में पिछले सत्र के 25,044.35 अंक की तुलना में 0.80 प्रतिशत मजबूत होकर 25244.75 अंक पर बंद हुआ।

सोना 106 गिरकर 97,157 पर आया

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में बुधवार को गिरावट देखी गई । इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 106 गिरकर 97,157 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोना 97,263 पर था। वहीं चांदी की कीमत 767 कम होकर 1,05,200 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,05,967 पर थी। नई दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,100 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,850 रही, जबकि मुंबई में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,950 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,550 थी। वहीं कोल. काता में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,950 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,700, जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,950 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,700 थी।

सरसों तेल महंगा, अन्य जिंसों के भाव स्थिर

नई दिल्ली, वार्ता

विदेशी बाजारों में जारी गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर मांग निकलने से बुधवार को दिल्ली थोक जिस बाजार में सरसों तेल महंगा हो गया, जबकि अन्य सभी जिसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा 26 रिंगिट फिसलकर 3937 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.40 सेंट की गिरावट के साथ 51.77 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में सरसों तेल में 184 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। दाल-दलहन: दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा।

इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज: अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे:- दाल-दलहन: चना 5600-5700, दाल चना 6600-6700, मसूर काली 7900-8000, मूंग दाल 9450-9550, उड़द दाल 9500-9600, अरहर दाल 8400-8500 रुपए प्रति क्विंटल रहे। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपए और चावल 3650-3750 रुपए प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़: चीनी एस. 4280-4380, चीनी एम. 4200-4300, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4400-4500 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए। खाद्य तेल: सरसों तेल 17033 रुपए, मूंगफली तेल 17948 रुपए, सूरजमुखी तेल 16116 रुपए, सोया रिफाइंड 14102 रुपए, पाम ऑयल 13333 रुपए और वनस्पति तेल 14666 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा है।

पीएलआई में 21534 करोड़ रुपये वितरित

नई दिल्ली। सरकार ने उत्पादन से सम्बद्ध प्रोत्सहन योजनाओं (पीएलआई) के अंतर्गत 12 क्षेत्रों के लिए कुल मिला कर 21,534 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि वितरित की है। यह जानकारी इन योजनाओं की समीक्षा के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में बुधवार को हुई एक बैठक में दी गई।

पीआईएल के तहत स्थानीय विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए चयनित इन 12 क्षेत्रों इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण , आईटी हार्डवेयर, बल्क ड्रग्स, चिकित्सा उपकरण, फार्मास्यू टिकल्स, दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, व्हाइट गुड्स, ऑटोमोबाइल और ऑटो घटक, विशेष इस्पात, कपड़ा और ड्रोन और ड्रोन के कल-पुर्जे और प्रणालियां शामिल हैं। समीक्षा बैठक में गोयल ने कहा कि भारत उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रह है, जिनमें देश को अन्य देशों की तुलना में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्राप्त है। उन्होंने अधिकारियों ने विभिन्न हितधारकों के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान करने की जरूरत पर बल दिया, ताकि निर्यात बढ़ाया जा सके।

यूपी करेगा देश में सर्वाधिक 35 करोड़ पौधारोपण: सक्सेना

■ वन एवं वन्य जीव विभाग ने सभी तैयारियां लगभग पूरी की

लखनऊ। मानसून के दौरान उत्तर प्रदेश में वन महोत्सव के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है।एक से सात जुलाई तक होने वाले इस आयोजन में पूरे प्रदेश में रिकार्ड 35 करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा, जो पूरे देश में सर्वाधिक है। अधिकृत सूत्रों ने बुधवार को बताया कि इस संबंध में वन एवं वन्यजीव विभाग ने सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं।

विभिन्न विभागों के समन्वयन से निर्धारित लक्ष्य 52.33 करोड़ पौधों की सैपलिंग का एकत्रीकरण किया जा चुका है। साथ ही 72,912 हेक्टेयर भूमि पर पौधरोपण के लिए अग्रिम मृदा कार्य भी संपन्न हो चुका है। प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री अरुण कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में मेरठ और गोरखपुर मण्डल के अलावा सभी मण्डलों की समीक्षा बैठक संपन्न हो चुकी है। जल्द ही पौधरोपण की तिथि तय होते ही प्रदेशव्यापी स्तर पर वन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी यूपी ने पूरे देश में सर्वाधिक 35 करोड़ पौधों के रोपण का लक्ष्य तय किया गया है। वन महोत्सव आयोजन के नोडल अधिकारी विभाग के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक दीपक कुमार ने बताया कि वन महोत्सव को लेकर विभाग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

वन विभाग ने विभिन्न विभागों के समन्वयन से निर्धारित लक्ष्य के मुताबिक 52.33 करोड़ पौधों की सैपलिंग जिला एवं मण्डल स्तरों पर स्थित विभाग के मुख्यालयों में एकत्रित कर ली है। जिसके तहत लगभग 47.2 करोड़ पौधों की सैपलिंग वन विभाग ने स्वंय, जबकि लगभग 1. 55 करोड़ उद्यान विभाग, 0.33 करोड़ रेशम विभाग और 3.17 करोड़ निजी संस्थाओं के सहयोग से एकत्र कर ली है। जिसमें से 18.60 करोड़ पौध सागौन, शीशम आदि की, जबकि 10.79 करोड़ आम, अमरूद जैसे फलदार वृक्ष और 5.75 करोड़ सहजन,नीम आदि औषधीय पेड़, 5.62 करोड़ सिरस, अमलतास जैसे सौन्दर्यीकरण के पौधे और 0.29 करोड़ पौधे पीपल, बरगद आदि के विशाल वृक्षों की सैपलिंग तैयार की जा चुकी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हल्द्वानी में... है। यहां बीमार बुजुर्ग को स्ट्रेचर पर लिटाकर पानी से निकालकर एम्बुलेंस तक ले जाया गया। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी तेज बारिश का अलर्ट है। केरल के वायनाड के बुधवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। चूरलमाला में बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। पिछले साल मुडक्कई, चूरलमाला, अटामाला समेत दूसरे इलाकों में लैंडस्लाइड में 369 लोगों की मौत हुई थी। पहाड़ों पर नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हुआ है। इससे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड और लद्दाख में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। मध्य भारत के मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पूर्वी गुजरात और राजस्थान के कई हिस्सों में भी भारी बारिश के संकेत हैं। अगले 24 घंटों में पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में भी तेज बारिश हो सकती है। उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में 26 जून से मानसून सक्रिय होने के साथ बारिश तेज होने की संभावना है। जयपुर में मंगलवार सुबह 8 से शाम 5 बजे तक 3 इंच से ज्यादा (77.8एमएम) बारिश हुई। मध्य प्रदेश के ऊपर से ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। मौसम विभाग के मुताबिक, ट्रफ गुजरने के साथ ही साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी एक्टिव है। प्रदेश में अगले 4 दिन तेज बारिश की संभावना है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
खून की कमी, कमजोरी, जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहे फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

भाजपा शासन में अघोषित आपातकाल, संविधान और लोकतंत्र पर हमले तेज: अखिलेश यादव

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के शासनकाल में देश अघोषित आपातकाल की स्थिति से गुजर रहा है, जहां लोकतंत्र और संविधान की भावना को लगातार कुचला जा रहा है। पत्रकारों की अभिव्यक्ति पर अंकुश है, विपक्ष के नेताओं पर झूठे मुकदमे थोपे जा रहे हैं और आम जनता की आवाज़ को दबाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोग इमरजेंसी के दिन याद कर रहे हैं, लेकिन वर्तमान समय में जो स्थितियां हैं, वे किसी घोषित आपातकाल से कम नहीं हैं।

फर्रुखाबाद में वरिष्ठ समाजवादी नेता और पूर्व सांसद छोटे सिंह यादव की त्रयोदशी व शांति पाठ कार्यक्रम में सम्मिलित होने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार लोकतंत्र का गला घोंट रही है। संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा, जाति-धर्म के नाम पर समाज में विभाजन, गरीबों की जमीनों पर कब्जा, और आमजन को वोट देने से रोकना कृ यह सब उस डिवाइड एंड रूल की नीति का हिस्सा है, जो भाजपा ने अंग्रेजों से विरासत में पाई है। उन्होंने कहा कि यह सरकार नफरत की राजनीति को बढ़ावा देकर समाज में खतरनाक दरार पैदा कर रही है। भाजपा की विचारधारा देशज नहीं, बल्कि औपनिवेशिक सोच की उपज है। अखिलेश यादव ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार की जो स्थिति आज है, वैसी आपातकाल

में भी नहीं थी। इटावा की घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भागवत कथा वाचकों के साथ अपमानजनक व्यवहार, उनके बाल काटना और पेशाब डालना, अत्यंत अमानवीय है। उन्होंने ऐसे वर्चस्ववादी और शोषणकारी मानसिकता वाले लोगों के प्रति जीरो टालरेंस की आवश्यकता बताई और इसके लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि ट्रांसफर-पोस्टिंग से लेकर हर सरकारी योजना में लूट मची है। जल जीवन मिशन योजना की टंकियां भ्रष्टाचार के भार से हर महीने ढह रही हैं। अवैध खनन चरम पर है और स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि एक विधायक ने अवैध खनन रोकने पर एसडीएम को पीट दिया। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार के समय भर्तियों में पारदर्शिता थी, जबकि आज आरक्षण में पीडीए समुदाय के साथ अन्याय हो रहा है और पुलिस भर्ती में भारी गड़बड़ी हुई है। उन्होंने मांग की कि पूरी सूची सार्वजनिक की जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने कहा कि भाजपा के विपरीत समाजवादी पार्टी सत्ता में आने पर आउटसोर्सिंग प्रणाली को खत्म कर युवाओं को पक्की नौकरी देगी। समाजवादी सरकार के दौरान पुलिस विभाग में बड़ी संख्या में प्रमोशन हुए थे, जिसे भाजपा सरकार ने रोक दिया है। समाजवादी पार्टी युवाओं के सम्मान और रोजगार की गारंटी देने वाली पार्टी है। पूर्व सांसद छोटे सिंह यादव को श्रद्धांजलि देते हुए अखिलेश यादव ने उन्हें एक समर्पित समाजवादी चिंतक बताया, जिन्होंने पूरा जीवन जमीनी संघर्ष और संगठन निर्माण में बिताया। उन्होंने कहा कि छोटे सिंह यादव जैसे नेता की कमी हमेशा खलेगी, लेकिन उन्हें याद रखना और उनके सिद्धांतों को आगे बढ़ाना समाजवादी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है।

बाइक को फॉर्च्यूनर ने मारी टक्कर, युवक की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

अमेठी। अमेठी कस्बा स्थित गैस एजेंसी से काम करके बाइक से घर वापस जा रहा युवक को फारच्यूनर ने पीछे टक्कर मार दी, जिसकी सी एच सी में इलाज के दौरान मौत हो गई।

मंगलवार शाम 10.30 बजे महसों निवासी त्रिभुवन यादव तहसील अमेठी स्थित गैस एजेंसी से काम खत्म करने के बाद बाइक से घर जा रहे थे, अमेठी प्रतापगढ़ मार्ग पर बाईपास से पेट्रोल पंप से थोड़ा दूर पीछे से आ रही फारच्यूनर ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया, ग्रामीणों ने परिजनों को सूचना देते हुए घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमेठी भेजा, जहां चिकित्सक ने मृत्यु घोषित कर दिया। चालक फारच्यूनर लेकर फरार हो गया। मृतक की पत्नी बड़का ने कोतवाली अमेठी में तहरीर दी है। मृतक के घर शोक की लहर फैल गई है। मृतक के एक बेटी व दो बेटे का रोकर बुरा हाल है।

वन महोत्सव के लिए सभी तैयारियां पूरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में उत्तर प्रदेश एक बार फिर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में देश को राह दिखाने जा रहा है। आगामी एक से सात जुलाई तक आयोजित होने वाले वन महोत्सव में प्रदेश में रिकार्ड पैंतीस करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा, जो किसी भी राज्य द्वारा किया गया अब तक का सर्वाधिक वृक्षारोपण होगा।

वन एवं वन्यजीव विभाग द्वारा विभिन्न विभागों के समन्वय से अब तक बावन करोड़ से अधिक पौधों की सैपलिंग तैयार की जा चुकी है, जो जिला और मण्डल स्तरों पर उपलब्ध है। इनमें से सैंतालिस करोड़ पौधे वन विभाग ने स्वयं तैयार किए हैं, जबकि उद्यान, रेशम और निजी संस्थानों ने शेष सैपलिंग उपलब्ध कराई है। इनमें सागौन, शीशम, पीपल, आम, अमरूद, अमलतास, नीम, सहजन और अन्य विविध प्रजातियों के पौधे शामिल हैं। राज्यभर में लगभग बहत्तर हजार हेक्टेयर भूमि पर पौधरोपण के लिए पूर्व-तैयारी का कार्य पहले ही पूर्ण कर लिया गया है। इसके अंतर्गत आठ हजार चार सौ उनचालीस स्थलों पर अग्रिम मृदा कार्य पूरा किया जा चुका है। वन महोत्सव की सफलता सुनिश्चित करने हेतु वन एवं पर्यावरण मंत्री अरुण कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में मण्डलीय समीक्षा बैठकों का क्रम जारी है। अब तक चित्रकूट, झांसी, मिर्जापुर, प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, अयोध्या और देवीपाटन मण्डलों की बैठकें सम्पन्न हो चुकी हैं, जबकि मेरठ और गोरखपुर में मंत्री स्तर पर समीक्षा जल्द की जाएगी। वन महोत्सव आयोजन के नोडल अधिकारी एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक दीपक कुमार के अनुसार, विभाग ने न केवल पौधों की आपूर्ति बल्कि उनकी उपयुक्तता, विविधता और संरक्षण को ध्यान में रखते हुए व्यापक योजना बनाई है। समाजिक संस्थाओं, एनजीओ, स्कूल- कॉलेज और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से इसे एक व्यापक जन आंदोलन का स्वरूप देने की तैयारी है।

बाल आश्रय गृहों में सुविधाओं का विस्तार

अपनापन और आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ता उप्र

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिला और बाल कल्याण की दिशा में व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। प्रदेश सरकार न केवल बाल आश्रयगृहों और महिला संरक्षण संस्थाओं में रह रहे बच्चों और महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देने का कार्य कर रही है, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और पुनर्वास की ठोस व्यवस्था भी सुनिश्चित कर रही है।

वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में प्रदेश की आश्रय संस्थाओं को भोजन, सामग्री, उपकरण और सेवाओं के लिए दस करोड़ सड़सठ लाख रुपये से अधिक की राशि उपलब्ध कराई गई है। बाल देखरेख संस्थाओं में निवासरत संवासियों को प्रति व्यक्ति प्रति माह चार हजार रुपये भोजन हेतु तथा तीन हजार रुपये वस्त्र, शिक्षा और स्वास्थ्य की आवश्यकताओं हेतु दिए जा रहे हैं।

■ 561 बच्चों का डीपीएस, रेयान और स्टडी हाल जैसे स्कूलों में नामांकन, त्योहारों में अधिकारी बनेंगे अभिभावक

वहीं, महिला संरक्षण गृहों में यह राशि क्रमशः चार हजार सात सौ और आठ सौ रुपये है। सरकार की इस संवेदनशील पहल के अंतर्गत अब तक डीपीएस, रेयान इंटरनेशनल और स्टडी हाल जैसे प्रतिष्ठित स्कूलों में पाँच सौ इकसठ बच्चों का दाखिला सुनिश्चित किया जा चुका है। इसके साथ ही सभी संस्थाओं में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ मेडिकल प्रोफाइलिंग कराई जा रही है ताकि प्रत्येक संवासी की व्यक्तिगत आवश्यकताओं को समय रहते पूरा किया जा सके। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए जीवन कौशल, खेल, कला और पर्सनल हाईजीन से जुड़ी गतिविधियों को भी गति दी गई है। शासन ने यह भी निर्देश दिया है कि जनपद के अधिकारी एवं उनके परिजन व्यक्तिगत अवसरों जैसे जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ अथवा त्योहारों पर इन बच्चों व महिलाओं के बीच समय बिताएं, ताकि उन्हें सामाजिक अपनापन और आत्मविश्वास मिल सके। संस्थागत स्तर पर शिक्षा, कौशल विकास, करियर काउंसलिंग, स्वास्थ्य सेवा और कला-संस्कृति के अवसर सुनिश्चित करने हेतु स्वयंसेवी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और तकनीकी संस्थानों के सहयोग से साझा रणनीति पर काम किया जा रहा है। प्रयागराज, हरदोई, गाज़ीपुर, मेरठ, मऊ और इटावा में दो करोड़ उन्नीस लाख रुपये की लागत से लघु निर्माण कार्य भी प्रारंभ किए गए हैं, जिससे अधोसंरचना में सुधार हो सके। महिला कल्याण विभाग अब अपनी समस्त योजनाओं को संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और सहभागिता के त्रिसूत्रीय सिद्धांत पर आगे बढ़ा रहा है, ताकि प्रदेश का हर संवासी गरिमापूर्ण और आत्मनिर्भर जीवन की ओर बढ़ सके।

विकासखंड तिलोई के अंतर्गत आशापुर में विकास कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा

तिलोई (अमेठी)। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास को लेकर सतत प्रयासरत है, लेकिन विकासखंड तिलोई के अंतर्गत ग्राम पंचायत आशापुर रुरु में जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली सरकार की मंशा पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रही है। गांव में कराए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए एक ग्रामीण ने उच्चाधिकारियों से शिकायत की है।ग्रामवासी मंसूर अहमद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जिलाधिकारी अमेठी तथा मुख्य विकास अधिकारी को आनलाइन शिकायत भेजते हुए ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मोहम्मद इमरान उर्फ डब्लू पुत्र मोहई पर सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया है।शिकायत में बताया गया कि वर्ष 2025 के आरंभ में आशापुर रुरु में इंटरलाकिंग सड़क, पक्की नालियां और सीमेंट पट्टियों का निर्माण कराया गया था। मात्र कुछ ही महीनों में यह सभी निर्माण कार्य ध्वस्त हो गए हैं। नालियों की पट्टियां गिर चुकी हैं, इंटरलाकिंग पूरी तरह उखड़ गई है और वर्षा का पानी सड़क पर बह रहा है।

लोकतंत्र सेनानियों और उनके आश्रितों को किया गया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

अमेठी। शासन द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में आज दिनांक 25 जून 2025 को कलेक्ट्रेट सभागार में आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आपातकाल दिवस मनाया गया। जिसमें लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों व उनके आश्रितों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मा. जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, जिलाधिकारी संजय चौहान, मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, अपर जिलाधिकारी न्यायिक अनिल चतुर्वेदी सहित अन्य संबंधित अधिकारी और लोकतंत्र सेनानी व उनके आश्रित उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आपातकाल पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया इसके अलावा सामूहिक हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया जिसमें लोकतंत्र की रक्षा और संविधान के प्रति निष्ठा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मा. जिला पंचायत अध्यक्ष, जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी ने लोकतंत्र सेनानियों व उनके आश्रितों क्रमशः जगदीश, निरहू, रणजीत सिंह, राम मूरत, सुखदेव, लल्लन, कृष्ण दत्त, रामकिशोर, जगदीश प्रसाद, कलावती, चंद्रकला व फूलकली को माला पहनकर वह अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मा. जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का एक ऐसा अध्याय है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता, उस दौर में जिन लोगों ने अपने प्राणों की बाजी लगाकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की वे वास्तव में हमारे समाज के प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें इस बात का संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम लोकतंत्र की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहे। जिलाधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आपातकाल के दौरान जिन लोगों ने अपनी आजादी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की कीमत पर देश को लोकतांत्रिक रास्ते पर बनाए रखा उनका योगदान अतुलनीय है उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के साहस और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

उर्वरकों की जमाखोरी और कालाबाजारी न करें: उपकृषि निदेशक

किसानों को निर्धारित दर पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराए जाने को उप कृषि निदेशक की अध्यक्षता में बैठक हुई आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

अमेठी। किसानों को निर्धारित दर पर गुणवत्ता युक्त उर्वरक उपलब्ध कराए जाने के लिए उप कृषि निदेशक सत्येन्द्र कुमार की अध्यक्षता में जिला कृषि अधिकारी कार्यालय में बैठक आयोजित हुई।

बैठक में सहकारिता विभाग, इफको, जनपद प्रतिनिधि उर्वरक विनर्माता कंपनी एवं जनपद के समस्त थोक उर्वरक विक्रेता उपस्थित रहे। बैठक में उप कृषि निदेशक ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया कि किसानों को निर्धारित दर पर गुणवत्ता युक्त उर्वरक उपलब्ध कराई जाए, उर्वरकों की जमाखोरी अथवा कालाबाजारी ना की जाए और ना ही निर्धारित दर से अधिक दरों पर बिक्री किया जाए अन्यथा की स्थिति में संबंधित उर्वरक विक्रेता के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि कृषकों को उनकी जोत/कृषित भूमि के आधार पर ही बोई गई फसल की संस्तुतियों के अनुरूप उर्वरकों की बिक्री की जाए जिससे समस्त कृषकों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक उपलब्ध हो सके। उर्वरकों की बिक्री/वितरण कृषक के आधार कार्ड पर पीओएस मशीन में बायोमेट्रिक लेने के उपरांत ही किया जाए तथा कृषक को कैश मेमो/पीओएस मशीन से निकलने वाली पर्ची अवश्य दी जाए। उन्होंने कहा कि 10 बोरी से अधिक उर्वरक क्रय करने वाले कृषकों की उपलब्ध भूमि एवं फसल की बुवाई अपने स्तर से सुनिश्चित करने के पश्चात ही उर्वरक का विक्रय किया जाए, थोक उर्वरक द्वारा उन्हीं फुटकर विक्रेताओं को उर्वरक की आपूर्ति

की जाए जिनका वह फार्म ओ जारी किए हैं। वितरण पंजिका में बिक्री का अंकन किया जाए जिससे कृषकों का विवरण, पता, मोबाइल नंबर, कृषित भूमि, बोई गई फसल व क्रय की गई उर्वरक, उर्वरक का मूल्य आदि अंकित किया जाए तथा प्रत्येक दिन की बिक्री को स्टाक पंजिका में अंकित कर अवशेष प्रमाणित किया जाए। बैठक में जिला कृषि अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, अपर जिला कृषि अधिकारी, क्षेत्रीय अधिकारी इफको, मुख्य प्रबंधक पीसीएल, क्षेत्रीय विपणन अधिकारी, तथा थोक व फुटकर उर्वरक विक्रेता उपस्थित रहे।

नहरों मे नहीं है पानी, कैसे हो किसानी

जगदीशपुर अमेठी। धान की रोपाई का उपयुक्त समय होने के बाद भी सूखी पडी नहरों मे पानी नदारद है जिससे किसानो की किसानी बाधित व लेट होती जा रही है जिम्मेदार अधिकारीगण बेखबर हैं। विकास खंड के अंतर्गत रजबहा हैदरगढ से निकली सरेसर नहर जिसमे से निकली सिरयारी, मददूपुर उमरवल, देवकली, कटेहटी आदि माइनरों मे पानी ना आने से सूखी पडी हैं जिसमे झाड झंखाल व घास फूस का अंबार लगा हुआ है किसानो का दुर्भाग्य है कि ना तो बरसात हो रही है ना ही नहर मे अब तक पानी छोडा गया है मजबूर होकर किसान कोई निजी टयूबवेल तो कोई सरकारी नलकूपो पर निर्भर है किसान ,विनोद कुमार, शिवाकांत,मंगरू, ढेलई,कल्लू, मंगरे आदि ग्रामीणो ने बताया कि आए दिन हो रही विद्युत कटौती के चलते खेतो मे पानी पर्याप्त मात्रा मे नही पहुंच पाता जिससे धान की रोपाई करना टेढी खीर बनता जा रहा है नहर विभाग के जिम्मेदार अधिकारीगण कुंभकर्णी नींद मे सो रहे हैं किसान परेशान होकर नहरो मे पानी आने के इंतजार मे टकटकी लगाए बैठे हैं ।इस सम्बन्ध मे उप जिलाधिकारी मुसाफिर खाना ने बताया कि नहर विभाग के जिम्मेदार अधिकारीगणो को नहर मे पानी छोडने के लिए निर्देशित किया गया है ।

सरकारी सहकारिता में निजीकरण की आंधी, किसानों की पीठ में छुरा भोंकने की तैयारी: सुनील

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। लोकदल के अध्यक्ष सुनील सिंह ने राज्य सरकार की सहकारी नीति पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि सरकार अब सार्वजनिक संसाधनों को भी कार्पोरेट हितों के हवाले करने पर आमादा है। हाल के निर्णय और प्रस्तावित योजनाएं इस बात की पुष्टि करते हैं कि सहकारी समितियों को धीरे-धीरे निजी हाथों में सौंपने की गुप्त तैयारी चल रही है। सरकार का यह रुख न केवल किसानों के हितों के विरुद्ध है, बल्कि यह सहकारिता आंदोलन की आत्मा पर भी आघात है।

सुनील सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार की कथनी और करनी में भारी अंतर है। एक ओर तो वह सहकारिता को ग्रामीण विकास की रीढ़ बताकर खुद को किसान हितैषी साबित करने का प्रयास करती है, वहीं दूसरी ओर समितियों के निजीकरण की प्रक्रिया को चुपचाप आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को सशक्त करने के बजाय उन्हें बाजार के हवाले कर देना चाहती है। इस नीति के पीछे साफ तौर पर कार्पोरेट शक्तियों को लाभ पहुंचाने की मंशा है, जो देश के अन्नदाता को एक बार फिर गुलामी की ओर धकेलने जैसा है। लोकदल अध्यक्ष ने यह भी कहा कि सहकारी समितियां दशकों से ग्रामीण भारत की आर्थिक रीढ़ रही हैं। खाद-बीज वितरण, कृषि ऋण, खरीद-बिक्री की सुविधा और सामूहिक निर्णय की परंपरा ने किसानों को स्वावलंबन का रास्ता दिखाया है। लेकिन अब यह व्यवस्था सरकारी नीतियों की चपेट में आकर खतरे में है। निजी हाथों में सौंपे जाने के बाद न तो समितियों की पारदर्शिता बचेगी, न ही उनके मूल उद्देश्य। यह व्यवस्था केवल मुनाफे के आधार पर चलेगी, जो छोटे किसानों को पूरी तरह से व्यवस्था से बाहर कर देगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि सरकार द्वारा सहकारिता के नाम पर जिन योजनाओं को प्रचारित किया जा रहा है, उनमें न तो किसानों की राय ली जा रही है, न ही ग्रामसभा या समिति स्तर पर कोई खुला विमर्श हो रहा है। इससे यह साफ होता है कि नीति निर्माण का पूरा ढांचा अब ऊपर से थोपे जाने वाली नौकरशाही सोच से संचालित हो रहा है। उन्होंने मांग की कि सभी सहकारी संस्थाओं को उनके मूल सिद्धांत कृ सामूहिक स्वामित्व, स्थानीय नेतृत्व और लाभ का समान वितरण कृ के अनुरूप संचालित किया जाए, और निजीकरण की प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से रोका जाए। सुनील सिंह ने चेताया कि किसानों की पीठ में छुरा भोंकने की इस साजिश को देश का अन्नदाता कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि लोकदल इस नीतिगत धोखे के खिलाफ पूरे प्रदेश में जनजागरण अभियान चलाएगा, और किसानों, मजदूरों व सहकारी संस्थाओं के हित में निर्णायक संघर्ष करेगा। अगर सरकार ने अपना रुख नहीं बदला, तो यह जनविरोधी नीति एक बड़े आंदोलन का कारण बनेगी।

बदमाश गिरफ्तार

सीतापुर। कमलापुर थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कमलापुर थाना क्षेत्र के रेलवे क्रासिंग तालाब तिराहे पर छापेमारी की। यहां पर पुलिस ने कमलापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पट्टी महोली निवासी आकाश उर्फ लल्लू पुत्र महेश शुक्ला को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से 12,990/- रुपये नकद, एक आला नकब लोहे की राड बरामद हुए की है।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 21, स्टेशन रोड, शाह टावर लखनऊ-226001 (उप्र) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎ 0522-4041004
मुख्यालय:
फोन-0131-2970013
RNI No. UPHIN/2009/31463
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

यूपी के 62 जिलों में आधुनिक कृषि यंत्रों से अपनी आमदनी बढ़ाएंगे किसान

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की खेती अब परंपरा के साथ तकनीक का सहारा लेकर नई करवट ले रही है। योगी सरकार ने प्रदेशभर में किसानों को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित कर उन्हें आत्मनिर्भर और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों से जोड़ने की दिशा में ठोस पहल की है।

इसी क्रम में प्रदेश के बासठ जिलों में चार सौ पचास अत्याधुनिक कंबाइन हार्वेस्टर किसानों को उपलब्ध कराए गए हैं। इन यंत्रों के जरिए एक साथ कटाई, थ्रेशिंग और फसल की सफाई संभव हो सकेगी, जिससे न केवल किसानों की मेहनत कम होगी बल्कि समय की भी बड़ी बचत होगी। यही नहीं, फसलों को होने वाली क्षति भी काफी हद तक रोकी जा सकेगी। यह कदम खेती के क्षेत्र में तकनीकी क्रांति की शुरुआत माना जा रहा है, जो उत्तर प्रदेश जैसे विशाल कृषि-प्रधान राज्य में किसानों की उत्पादकता और आय दोनों बढ़ाने की दिशा में कारगर साबित हो सकता है। मशीनों की मदद से एक ही समय में बहुपरत कार्य संपन्न करने की क्षमता से किसानों को बेहतर गुणवत्ता की उपज और उचित मूल्य प्राप्त करने में सहूलियत मिलेगी। योगी सरकार की यह योजना न केवल खेती को सरल बनाएगी, बल्कि किसानों को आत्मनिर्भर कृषक की संज्ञा भी देगी। प्रदेश में लागू आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना और कृषि अधोसंरचना को सुदृढ़ करने वाले एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के माध्यम से किसानों को वित्तीय सहायता के साथ-साथ तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों के किसान परिवारों में एक नई चेतना जगा रही है, जिससे वे खेती को पारंपरिक श्रम आधारित कार्य के बजाय एक प्रगतिशील वैज्ञानिक उपक्रम के रूप में अपनाने लगे हैं। इस प्रक्रिया में तकनीकी जानकारी, प्रशिक्षण, संचालन और मशीनों की देखरेख से जुड़े ज्ञान को भी किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। इस बदलाव की एक विशेष बात यह रही है कि महिलाओं ने भी कृषि तकनीक के मोर्चे पर कमान संभाल ली है। राज्य के पंद्रह जिलों में छब्बीस महिलाओं ने कंबाइन हार्वेस्टर जैसे जटिल और शक्तिशाली कृषि यंत्रों को सफलतापूर्वक संचालित कर न केवल अपनी दक्षता का प्रमाण दिया है, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि तकनीक आधारित खेती में महिलाओं की भूमिका सीमित नहीं, बल्कि निर्णायक हो सकती है। इन महिलाओं को आत्मनिर्भर कृषक योजना, समन्वित कृषि विकास और एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड जैसी योजनाओं से सशक्त किया गया है। सिद्धार्थनगर, अमेठी, बस्ती, चित्रकूट, गोरखपुर, झांसी, कन्नौज, कानपुर नगर, कानपुर देहात, महाराजगंज, पीलीभीत, रामपुर, संत कबीर नगर, शाहजहांपुर और उन्नाव जैसे जिलों में महिला किसानों की भागीदारी ने इस अभियान को सामाजिक दृष्टि से भी प्रेरक बना दिया है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य किसानों की आय को दोगुना करने का है, और इस दिशा में तकनीक को आधार बनाकर योजनाएं तैयार की गई हैं। कंबाइन हार्वेस्टर वितरण का यह आंकड़ा बताता है कि बरेली को सर्वाधिक छियालीस मशीनें दी गईं, जबकि महाराजगंज और फतेहपुर को इकतीस-इकतीस, रामपुर को सत्ताईस, पीलीभीत को उन्नीस और हरदोई व उन्नाव को सोलह-सोलह मशीनें प्राप्त हुईं। इसके अतिरिक्त लखनऊ, अयोध्या, सीतापुर, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, बाराबंकी, रायबरेली जैसे जिलों में भी किसानों को आधुनिक मशीनों से लैस कर कृषि को सुविधाजनक बनाया गया है। योगी सरकार की यह पहल न केवल खेतों में मेहनत करने वाले किसान के जीवन को आसान बना रही है, बल्कि कृषि को एक सशक्त, आधुनिक और आत्मनिर्भर क्षेत्र के रूप में विकसित करने की दिशा में भी प्रदेश को अग्रणी बना रही है। ऐसी योजनाएं उत्तर प्रदेश को तकनीक आधारित खेती के नए केंद्र के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखती हैं, जिससे आने वाले समय में खेती किसानी फिर से युवाओं का आकर्षण बन सकती है।

छेड़खानी और धमकी के आरोपी को पांच वर्ष का कठोर कारावास

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बालिका के साथ हुए क्राइम के मामले में आज विशेष न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी पर सात हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यह फैसला चित्रकूट की विशेष न्यायाधीश पाक्सो/अपर सत्र न्यायाधीश रेनु मिश्रा की अदालत ने सुनाया। इस प्रकरण में पीड़िता के परिजनों ने वर्ष 2019 में मऊ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप था कि आरोपी पंचू, निवासी कस्बा मऊ, ने पीड़िता के साथ घर में सोते समय छेड़खानी की और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। मामले की विवेचना तत्कालीन उपनिरीक्षक गुलाब चन्द्र मौर्या ने की थी। आरोपी को कुछ ही दिनों बाद गिरफ्तार कर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया था। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देश पर चलाए जा रहे आपरेशन कन्विक्शन और मिशन शक्ति अभियान के तहत इस मामले में गहन पैरवी कराई गई। पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक मऊ दुर्गविजय सिंह, आरक्षी धनेश मिश्रा, मानिटरिंग सेल की टीम और विशेष लोक अभियोजक तेजप्रताप सिंह द्वारा की गई प्रभावी दलीलों के फलस्वरूप न्यायालय ने अभियुक्त को कठोर दंड दिया।

बैटरी फटने मे झुलसे ऑटो चालक की दिल्ली में मौत

घटना से घर में मचा कोहराम

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। इन्वर्टर पर बैटरा फटने से लगी आग में झुलसे ऑटो चालक ने दिल्ली में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना से घर में कोहराम मच गया। पीएम के बाद शव को सुपुर्दे खाक कर दिया गया है। मृतक ने अपने पीछे तीन छोटे-छोटे बच्चे व पत्नी को छोड़ा है।

जानकारी के मुताबिक बीते शुक्रवार की सुबह घटना शहर के मोहल्ला दरबारे (मुरादाबादी गेट)कलां में हुई थी। यहां पेशे से ऑटो चालक शाहजेब का परिवार रहता है। हादसे के वक्त उसकी पत्नी सोनी बच्चों को लेकर मायके गई हुई थी। घर में शाहजेब के छोटे भाई शहजाद के अलावा उसकी पत्नी, बेटा साहिल व अल्तमश तथा ससुर मंसूर थे। सुबह में करीब छह बजे अचानक वायरिंग में हुए शॉर्ट सर्किट के बाद इन्वर्टर में आग लग गई थी। लपटों की चपेट में आकर बैटरी फट गई थी। पर्दों में लगी आग ने देखते ही देखते पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया था। वहीं, बैटरी फटने के कारण तेज धमाका होने से आस-पास घरों में भी हड़कंप मच गया था। आग बुझाने के प्रयास में शाहजेब, शहजाद व मंसूर बुरी तरह झुलस गए थे। स्थानीय लोगों ने पानी की बौछार कर बमुश्किल आग पर काबू पाया था। अग्निकांड में हजारों रुपये की कीमत का सामान जलकर राख का ढेर बन गया था। लोगों ने शाहजेब, शहजाद व मंसूर को जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। हालत गंभीर होने पर तीन दिन पहले परिजन 25 वर्षीय शाहजेब को बेहतर उपचार के लिए दिल्ली ले गए थे। वहां सफदरगंज अस्पताल के बर्न सेंटर में उपचार चल रहा था जहां मंगलवार सुबह शाहजेब की मौत हो गई। खबर मिलते ही यहां परिजनों व रिश्तेदारों के बीच को. हराम मच गया। मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा तीन छोटे बच्चे हैं। ऑटो रिक्शा चलाने से होने वाली कमाई से ही परिवार का खर्चा चल रहा था। पोस्टमार्टम के बाद शाम में घर पहुंचे शव को सुपुर्दे खाक कर दिया गया है।

अमावस्या पर गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। बुधवार को आषाढ़ अमावस्या के अवसर पर ब्रजघाट एवं तिगरी गंगा घाट पर श्रद्धालुओं ने पुण्य कमाने को आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के दौरान हर-हर महादेव व हर-हर गंगे के जयकारों से गंगाघाट गुंजायमान रहे। स्नान एवं पूजा पाठ उपरांत ब्राह्मणों एवं भिक्षुओं को दान पुण्य भी किया। बुधवार को भोर से ही श्रद्धालु अपने निजी एवं अन्य साधनों से

■ तिगरी व ब्रजघाट दोनों ही स्थानों पर रही भीड़

ब्रजघाट व तिगरी गंगाघाट पहुंचना शुरू हो गए। सुबह आठ बजे तक महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं की खासी भीड़ जुट गई। श्रद्धालुओं ने गंगा मैया को नमन करते पतित पावनी गंगा की जलधारा में डुबकी लगाई। स्नान के दौरान श्रद्धालुओं ने सूर्यदेव को अर्ध्य भी दिया। स्नानोपरांत घाट पर बैठे ब्राह्मणों से भगवान सत्यनारायण की कथा एवं पूजा पाठ करा गंगा मैया को फूल प्रसाद, दीप, धूप आदि अर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की। ब्राह्मणों एवं भिक्षुओं को दान दक्षिणा स्वरूप आटा, चावल, दाल, मिठाई, कपड़ा, पैसा आदि का दान कर पुण्य लाभ कमाया। भोर से शुरू हुआ स्नान का दौर दोपहर बाद तक जारी रहा। दोनों ही स्थानों पर पुलिस के साथ साथ नगर पालिका के कर्मचारी सहित अन्य विभागों के कर्मचारी भी ड्यूटी करते नजर आए।

ब्रजघाट पुल व हाइवे पर जाम के हालात

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। अमावस्या स्नान के अवसर पर श्रद्धालुओं के भारी संख्या में ब्रजघाट पहुंचने के कारण यातायात का दबाब बढ़ गया और ब्रजघाट पुल सहित हाइवे पर दोनों दिशाओं में वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम में फंसे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया। जाम में एक दो एंबुलैंस भी फंसी नजर आईं। जाम में फंसे लोगों के चेहरे पर यात्रा में देरी होने की तकलीफ साफ ही दिखाई दे रही थी। बता दें कि खासकर अमावस्या और पूर्णिमा के अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने के कारण यातायात का दबाब बढ़ने से हाइवे पर जाम के हालात बन ही जाते हैं। जाम से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

रोजगारपरक शिक्षा देना ही उद्देश्य

गुरु जम्भेश्वर कुलपति की प्रेसवार्ता

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय मुरादाबाद के कुलपति प्रोफेसर सचिन माहेश्वरी ने कहा कि विश्वविद्यालय युवाओं को रोजगारपरक, समाज उपयोगी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी के साथ परम्परागत कोर्सो के नए पाठ्यक्रम भी तैयार किये जा रहे हैं। जेएस हिन्दू पीजी कालेज में पत्रकार वार्ता के दौरान प्रोफेसर सचिन माहेश्वरी ने कहा कि विकसित भारत बनाने में पीएम नरेन्द्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल लगातार प्रयासरत् है। उन्होने कहा कि उनके विश्वविद्यालय द्वारा रोजगारपरक शिक्षा प्रदान की जा रही है। 25 जुलाई को विश्वविद्यालय में विजन के संबंध में विद्यार्थियों को जानकारी उपलब्ध करायी जायेगी। समर्थ पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण में प्रदेश के अंदर विश्वविद्यालय की भूमि अग्रणीय है। 63 हजार पंजीकरण के साथ 75 प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर लिया गया हैं छात्रहित को देखते हुए डिजिलटल लाइब्रेरी की सदस्यता पर जोर दिया जा रहा है। जबकि शिक्षकों से भी ऑनलाइन डिजिटल सामग्री तैयार कराने पर विचार हो रहा है। भवन निर्माण के संबंध में बताते कहा कि प्रतिदिन इसकी मॉनिटरिंग की जा रही है जल्द ही कार्य पूरा करा दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना ही इस विश्व. विद्यालय का मकसद है। इसके लिए हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं। इस दौरान प्राचार्य डा. वीर विरेन्द्र सिंह भी मौजूद रहे।

भाजपाईयों ने इमरजेंसी को काला दिवस बताया

50 वर्ष पूरे होने पर चला हस्ताक्षर अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा आपातकाल को काला दिवस के रूप में मनाते हुए कांग्रेस को घेरा और देश के महान लोकतंत्र सेनानियों को नमन करते हुए हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम चलाया।

बुधवार को कांग्रेस द्वारा लगाये गये आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर हाई कमान के निर्देश पर भाजपा कार्य कर्ताओं द्वारा काला दिवस मनाया गया। इस दौरान नगर के विकासखंड कार्यालय के सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में विधायक महेंद्र सिंह खड्गवंशी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिकाध्यक्ष राजपाल सैनी मौजूद रहे। आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर एक हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम भी चलाया गया। जिस पर सभी ने अपने हस्ताक्षर किये। चेयरमैन राजपाल सैनी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा 25 जून 1975 के आपातकाल को याद करते हुए इसे भारतीय लोकतंत्र का श्काला दिवसश् करार दिया। उन्होंने कहा कि उस दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लागू की थी। जो सभी विपक्षी नेताओं के लिए दुर्भाग्यपूर्ण था। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख ममता गुर्जर, एसडीम पुष्कर नाथ चौधरी, खंड विकास अधिकारी अश्वनी कुमार, अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह, मयंक अग्रवाल, कल्याण सिंह, देवेंद्र खड्गवंशी, संजय शर्मा, हेमराज सैनी, भोज राम, भोला सिंह, देवकीनंदन पाल, अरविंद शर्मा सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जिला सहकारी बैंक के गठन की मांग

शाह टाइम्स ब्यूरो, अमरोहा। भाकियू शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ.दिवाकर सिंह के नेतृत्व में किसानों ने अमरोहा सांसद चौ.कंवर सिंह तंवर के फार्म हाउस पर भेंट करके जिला सहकारी बैंक मुरादाबाद का

■ भाकियू शंकर ने सौंपा सांसद को मांग पत्र

विभाजन करके जिला सहकारी बैंक अमरोहा का गठन करने की मांग की। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जिला सहकारी बैंक का गठन होने से जनपद के किसानों को लाभ पहुंचेगा। इसके साथ ही विकास खण्ड जोया में रजबपुर से काफूरपुर रेलवे स्टेशन तक, चोटीपुरा रोड से फरीदपुर तक , हाइवे से नारंगपुर सरकड़ी से भवालपुर रोड का चौड़ीकरण, पीपली कलां से अक्खा नगला तक सड़क निर्माण व जीर्णोद्धार कराने की मांग की। वहीं धनोरा ब्लॉक में ग्राम पंचायत रसूलपुर भंवर में भी सीसी रोड की मांग की गई ताकि बारिश में किसानों को जलभराव से निजात मिल सके। इसके अलावा नहर के साइड में बिजनौर तक पक्की सड़क की मांग भी सांसद से रखी गई। सांसद ने किसानों को समस्या के समाधान का भरोसा दिया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष चौ. नेमपाल सिंह, चौ.धर्मवीर सिंह, विक्रम पंवार, सत्यवीर सिंह, मोनू चौधरी, जगत चौहान, शेर सिंह राणा, हरि सिंह सैनी, महिपाल सिंह, राजवीर सिंह आदि किसान मौजूद रहे।

संचारी रोगों को लेकर पालिका ने किया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। पालिका सभागार में बुधवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचारी रोगों की रोकथाम व जनजागरूकता को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता सफाई प्रभारी विशाल शर्मा ने की। उन्होंने बताया कि विशेष संच. ारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के तहत आमजन को बीमा. रियों से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर लोगों को रोगों से बचाव के उपाय समझा रही है।

विशाल शर्मा ने कहा कि सभी सभासद अपने-अपने वार्ड में नागरिकों को स्वच्छता एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करें। उन्होंने बताया कि साफ-सफाई और एंटी लार्वा के प्रयोग से मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। स्वास्थ्य विभाग के डॉ. अमित कुमार व शीबा परवीन ने कर्मचारियों को निर्देशित किया कि नाले-नालियों की नियमित सफाई के साथ-साथ एंटी लार्वा दवाओं का छिड़काव अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही संक्रामक रोगों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। दस्तक अभियान के दौरान बुखार के मरीजों की पहचान कर उनका इलाज भी किया जा रहा है। बैठक में वरिष्ठ लिपिक उमेश कुमार, लेखा लिपिक सोनू पिवाल, लिपिक आरती शर्मा, कृष्ण कुमार, रामेन्द्र यादव, पंकज कुमार सहित सभासद राजू बादशाह, राजेन्द्र सिंह, निशान्त, महेन्द्र सिंह, राजकुमार, मनोज कुमार, लज्जावती, किशनों देवी और गायत्री देवी आदि मौजूद रहे।

एडीजी ने किया कांवड़ मार्ग का निरीक्षण

कांवड़ियों की सुरक्षा में न रहे कोई चूक, सुविधाएं रहें पर्याप्त

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। कांवड़ यात्रा के सफल एवं सुरक्षित आयोजन के उद्देश्य से बुधवार को अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन रमित शर्मा द्वारा जनपद अमरोहा का भ्रमण कर कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण करते हुए अधीनस्थों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उनके साथ पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद भी उपस्थित रहे।

बुधवार को निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुरादाबाद से लेकर ब्रजघाट (अमरोहा) तक प्रस्तावित कांवड़ मार्ग का व्यापक जायजा लिया। रूट डायवर्जन, यातायात नियंत्रण, कानून व्यवस्था, पुलिस प्रबंधन एवं जनसुविधा संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। उन्होंने संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, मेडिकल सुविधा, शुद्ध पेयजल, अस्थाई शौचालय एवं विश्राम स्थलों की स्थापना हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। अपर पुलिस महानिदेशक ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, सुगम आवागमन एवं आमजन को न्यूनतम असुविधा सुनिश्चित करना प्राथमिकता होगी। यात्रा के दौरान भीड़ नियंत्रण, सीसीटीवी निगरानी, ड्रोन से निगरानी, महिला सुरक्षा और रूट पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती पर उन्होंने दिशा निर्देश दिए। एसपी ने बताया कि सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण कर ली जाएंगी। जिला प्रशासन व पुलिस विभाग समन्वय के साथ कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु पूर्णत तत्पर है। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी धनौरा श्वेताभ भास्कर, प्रभारी थाना गजरौला अखिलेश प्रधान, प्रभारी यातायात अनुज मलिक एवं स्थानीय पुलिस बल मौजूद रहा।

दीपक हत्याकांड में दोस्तों से पूछताछ

तीन दिन पहले मिला था शव

शाह टाइम्स संवाददाता

रजबपुर। क्षेत्र के गांव शहबाजपुर कलां के जंगल में सोमवार सुबह गन्ने के खेत में युवक का रक्तरंजित शव पड़ा मिला था। सिर में गोली मारकर उसकी हत्या की गई थी, घास भी खून से सनी थी। मृतक अर्द्धनग्न हालत में था, सिर्फ अंडरवियर पहन रखा था। अगले दिन मृतक की शिनाख्त नौगावां सादात थाना क्षेत्र के गांव गालिबबाड़ा निवासी दीपक के रूप में हुई थी। पुलिस ने पिता सतेंद्र की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पूछताछ के दौरान परिजनों ने बताया कि दीपक सोमवार रात में करीब तीन बजे नौकरी के लिए देहरादून जाने की बात कहते हुए बाइक पर सवार होकर निकला था। वह शराब पीने का आदि था। जाने से पहले उसने खर्चे के लिए तीन हजार रुपये भी लिए थे। जबकि, घटनास्थल से मृतक का मोबा. इल, बाइक व कपड़ों का बैग गायब था। हत्याकांड के खुलासे के लिए एसपी ने चार टीम गठित की थीं। तीसरे दिन भी पुलिस को दीपक की हत्या से जुड़ा कोई सिरा नहीं मिला है। हालांकि, पुलिस मोबाइल नंबर की सीडीआर के आधार पर उसके दोस्तों और परिचितों से पूछताछ कर रही है। ऐसे में मृतक का सामान बरामद कर हत्याकांड का खुलासा करना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। थानाध्यक्ष कोमल तोमर ने बताया कि मामले में गहनता के साथ हर एंगल पर जांच की जा रही है। हत्याकांड का जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा।

■ मंडी धनौरा। नगर पालिका में संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर बैठक में बोलते वक्ता।

भाकियू ने एसडीओ व जेई का किया घेराव

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। भारतीय किसान यूनियन ने बिजली की बढ़ती हुई समस्याओं को देखते हुए एसडीओ एवं जेई का घेराव कर समस्याओं का जल्द समाधान करने का आश्वासन लिया।

बुधवार को भारतीय किसान यूनियन ने एसडीएम कार्यालय के बाहर धरना देते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। ब्लॉक अध्यक्ष काले सिंह ने कहा कि बिजली की समस्याएं लगातार बढ़ रही है। किसानों को शेड्यूल के मुताबिक बिजली नही दी जा रही है जिससे उनकी फसले मुरझा गई है। एसडीओ एवं जेई भी किसानों के धरने में पहुंच गये। इस दौरान किसान यूनियन कार्यकर्ताओं ने एसडीओ एवं जेई का घेराव कर लिया। बिजली अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि उनकी जो भी समस्याएं हैं उनका जल्द समाधान किया जायेगा। उन्होंने कहा जहां जहां जर्जर तार हैं उनको बदलवाया जाये। यूनियन कार्यकर्ताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द बिजली समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वह आंदोलन करने को बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड संशोधन कार्ड के नाम पर अवैध उगाही की जा रही है उस पर रोक लगाई जाये। कुछ बैंक भी किसानों को परेशान करने का काम कर रहे हैं। बाद में किसानों ने एसडीएम पुष्कर नाथ चौधरी को ज्ञापन भी सौंप दिया। इस अवसर पर महावीर सिंह चौहान, सीता आर्य, गंगाराम आर्य, संजीव बालियान, नरेश कुमार, महेंद्र सिंह. कुलद. ीप, राजेंद्र आदि मौजूद थे।

शेड्यूल के हिसाब से बिजली देने की मांग

चार दिन से लापता किशोरी का सुराग नहीं

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। कस्बे के एक मोहल्ले से चार दिन पहले लापता हुई 17 वर्षीय किशोरी का अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है। परि. जनों की ओर से दी गई तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

किशोरी के पिता ने पुलिस को बताया कि बीते रविवार सुबह उनकी बेटी किसी काम का हवाला देकर घर से निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। परि. जनों ने पहले अपने स्तर पर उसे आसपास, रिश्तेदारों और परिचितों के यहां तलाश किया, मगर कोई जानकारी नहीं मिल सकी। आखिरकार परिजन मंगलवार को थाना पहुंचे और बेटी की सकुशल बरामदगी की मांग करते हुए गुमशुदगी दर्ज कराई। थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि किशोरी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और तलाश के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। जल्द ही उसका सुराग लगाने के लिए हर संभावित स्थानों पर छानबीन की जा रही है।

उधार मांगने पर महिला पर चाकू से हमला

शाह टाइम्स संवाददाता

रहरा। थाना क्षेत्र के गांव रुपानागल निवासी सावित्री पत्नी महिपाल सिंह ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि कि गांव निवासी युवक ने कुछ महीने पहले उधार करके 15 हजार रुपये लिए थे और लेते समय कहा था कि जब आपको जरूरत पड़ेगी तो मैं वापस कर दूंगा लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी युवक ने पैसे वापस नहीं दिए व महिला ने युवक के खेत में खड़ी मेंथा की फसल को मजदूरी पर काटा था। मजदूरी की रकम युवक से वापस मांगने उसके घर मंगलवार की शाम 4: बजे गई थी और पैसे मांगने पर युवक ने अपने परिवार के लोगों के साथ गाली गलौज करनी शुरू कर दी गाली गलौज का विरोध किया तो युवक ने चाकू से हमला कर दिया तथा अपनी जान बचाते हुए भागी तो ईंट पत्थरों से मारकर घायल कर दिया ।

दुकान में घुसकर मारपीट, दो पर रिपोर्ट

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। नगर के मोहल्ला शिवपुरी में एक कपड़े की दुकान में घुसकर दुकानदार से मारपीट करने और तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिवपुरी निवासी दुकानदार टिंकू ने बताया कि सोमवार की शाम वह अपनी दुकान पर बैठा था, तभी मोहल्ले के ही मोनू और तानिष नामक युवक वहां पहुंचे और अचानक दुकान में घुसकर उसके साथ मारपीट करने लगे। पीड़ित के अनुसार, दोनों ने दुकान में जमकर तोड़फोड़ की और सामान को नुकसान पहुंचाया। जाते-जाते आरोपी उसे जान से मारने की धमकी भी देकर फरार हो गए। थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है, और जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी

कानपुर में फोर लेन आरओबी का जल्द शुरू होगा निर्माण

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। बलरामपुर जिले में स्थित देवीपाटन मंदिर के समीप 2 लेन तथा कानपुर में 4 लेन युक्त रेल ओवरहेड ब्रिज (आरओबी) का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही, कानपुर से उन्नाव (शुक्लागंज) की कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए गंगा नदी पर संपर्क मार्गों से युक्त नए फोरलेन ब्रिज के निर्माण की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होने जा रही है।

इन तीनों ही परियोजनाओं को पूरा करने का खाका उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड ने तैयार कर लिया है। इन तीनों परियोजनाओं से जुड़े निर्माण कार्यों को पूरा करने के लिए 2 वर्ष की समयावधि तय की गई है तथा इन्हें इंजीनियलरग, प्रोक्योरमेंट व कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मोड में पूरा किए जाने की तैयारी है। उ-प्र राज्य सेतु निगम लिमिटेड द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार देवीपाटन मंदिर के समीप तुलसीपुर-गोंडा रेल सेक्शन पर 57 करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर लगभग 629 मीटर लंबे रेल ओवरहेड ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। वहीं, 151 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से कानपुर में फोरलेन आरओबी का निर्माण होगा। इसके साथ ही जीटी रोड पर फोरलेन फ्लाइओवर तथा घंटाघर के समीप 2 लेन का फ्लाइओवर बनेगा। जबकि, गंगा नदी पर 163 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से नया फोरलेन ब्रिज बनेगा। यह दोनों तरफ से ही संपर्क मार्ग से युक्त होगा और पुराने क्षतिग्रस्त पुल से 50 मीटर दूरी पर (अपस्ट्रीम दिशा में) स्थित होगा। इस प्रकार, इन तीनों ही कार्यों को पूरा करने के लिए 372 करोड़ से अधिक रुपए खर्च किए जाएंगे। कार्ययोजना में जिन परियोजनाओं की पूरा किए जाने का खाका तैयार किया गया है उसके जरिए विशेष तौर पर कानपुर में कनेक्टिविटी बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रक्रिया के अंतर्गत फोरलेन आरओबी का निर्माण कानपुर सेंट्रल-रावतपुर-अनवरगंज रेल सेक्शन पर होगा। इससे कनेक्टिविटी में व्यापक सुधार में मदद मिलेगी। वहीं, जीटी रोड पर फोरलेन फ्लाईओवर तथा घंटाघर रोड पर टू लेन फ्लाईओवर का निर्माण भी शहरी कनेक्टिविटी के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। घंटाघर रोड पर टू लेन फ्लाईओवर का निर्माण लेवल क्रॉसिंग-2 (जरीब चौकी के समीप) होगा। इसके साथ ही, गंगा नदी में पुराने कानपुर-शुक्लागंज के क्षतिग्रस्त पुल के समीप ही नए फोरलेन पुल के निर्माण की योजना है। यह पुराने क्षतिग्रस्त पुल से 50 मीटर बाएं ओर (अपस्ट्रीम) दिशा में बनेगा। इससे कानपुर और शुक्लागंज की रोड कनेक्टिविटी में व्यापक सुधार होगा जिससे ट्रैफिक जाम जैसी समस्याओं से निजात मिलेगी। कानपुर से जुड़ी इन सभी परियोजनाओं को कुल 315 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से पूरा किया जाएगा। इन्हें भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए पूर्ण किया जाएगा। बलरामपुर जिले के तुलसीपुर स्थित देवीपाटन मंदिर के समीप लगभग 629 मीटर लंबे आरओबी पुल के निर्माण की तैयारी है। इस सेतु का निर्माण क्रॉसिंग नंबर 123ए के निकट तुलसीपुर- गोंडा-तुलसीपुर रेल खंड पर किया जाएगा। यह सेतु टू लेन होगा और इसका निर्माण पूरा होने से धाम की कनेक्टिविटी में व्यापक सुधार होगा, जिसका लाभ साधारण नागरिकों समेत यहां आने वाले श्रद्धालुओं को भी मिलेगा।

चोरी की तीन मोटरसाइकिल के साथ दो शातिर गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। रेउसा थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के ग्राम बभनावा में छापेमारी की। यहां पर पुलिस ने तंबौर थाना क्षेत्र के ग्राम नरियन टोला निवासी शिबू पुत्र इदरीश और तंबौर थाना क्षेत्र के ग्राम छरेहटा सोहरिया निवासी मुफीद पुत्र जमील को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि दोनों शातिर वाहन चोर हैं, पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस का कहना है कि बरामद मोटर में एक बाइक पिछले साल अक्टूबर के महिने में पशु बाजार रेउसा से चोरी की थी। दूसरी मोटरसाइकिल को करीब 2 वर्ष पूर्व रेउसा ब्लाक से चोरी किया था। तीसरी बाइक को पिछले साल ठठेरी टोला कस्बा लहरपुर से चोरी किया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है।

गेहूं की बोरियों में मिट्टी-नमक की मिलावट, पांच गांवों में वितरण रोका

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमेठी। जनपद के जगदीशपुर और मुसाफिरखाना क्षेत्र के कई गांवों में सरकारी राशन वितरण के दौरान गेहूं की बोरियों में मिटी और नमक की मिलावट का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

यह घोटाला सबसे पहले जगदीशपुर ब्लाक के जलालपुर तिवारी गांव में उजागर हुआ, जहां कोटेदार द्वारा लाए गए गेहूं में भारी मात्रा में मिलावट पाई गई।स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि कोटेदार द्वारा लाई गई 50 किलो गेहूं की बोरियों में केवल 40 किलो मिट्टी और नमक भरा था, जबकि शुद्ध गेहूं मात्र 10 किलो ही था। ग्रामीणों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसमें साफ दिख रहा है कि लोग गेहूं छानते समय उससे मिटी और सफेद नमक अलग कर रहे हैं।घटना की सूचना मिलते ही ग्राम प्रधान राहुल शर्मा ने तत्काल मौके पर पहुंचकर राशन वितरण रोकने का निर्देश दिया और सप्लाई विभाग के अधिकारियों को सूचित किया। लेकिन घटना के 24 घंटे बीतने के बाद भी कोई जांच टीम मौके पर नहीं पहुंची, जिससे लोगों में गहरा आक्रोश है।अब यह मामला दरपीपुर, ठेंगहा, तारापुर और बनबीरपुर सहित आसपास के गांवों तक पहुंच चुका है, जहां ग्रामीणों ने भी गेहूं की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए वितरण को रोक दिया है। मुसाफिरखाना क्षेत्र के अन्नपूर्णा भवन, जलेश्वर तिवारी की दुकान पर भी ऐसी ही शिकायत सामने आई है।प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। न तो कोटेदारों पर एफआईआर दर्ज हुई है और न ही आपूर्ति विभाग की ओर से कोई बयान सामने आया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।खाद्यान्न घोटाले की इस घटना ने न केवल सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि यह भी उजागर कर दिया है कि गरीबों के हक का राशन किस तरह से लूटा जा रहा है।

वन विभाग के जमीनी विवाद में फंसा यमुना का फोर लेन पुल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में नेशनल हाईवे में जाम व दुर्घटनाओं से बचाने के लिए शहर के बाईपास से सेतु निगम द्वारा यमुना नदी पर बनाया जा रहा फोर लेन पुल, लोनिवि व वन विभाग के जमीनी विवाद में फंस कर रह गया है।

यमुना नदी के पुल निर्माण में वन भूमि के विवाद के चलते पुल में छत नही बन पा रही है। लिहाजा लोगो के उम्मीदे इसी विवाद में दफन होकर रह गई है। सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक दिलीप कुमार ने बताया कि वर्ष 2020 में स्थानीय यमुना व बेतवा नदी में बाईपास को लेकर तीन सौ करोड रुपये की लागत से पुलों का निर्माण शुरु हुआ था, जिसमे रेट रिवाइज के बाद पुल के निर्माण में तेजी आयी है।

बेतवा नदी के पुल में छत डालने का काम तेजी से शुरु हो गया है। मगर यमुना नदी के पुल में छत नही पड़ पा रही है क्योंकि वन विभाग ने पांच सौ मीटर भूमि पर रोड बनाने से मना कर दिया जिससे छत डालने का लांचर वहां तक नही पहुंच पा रहा है। लिहाजा छत डालने काा काम ठप हो गया। यही नही भूमि विवाद का मामला कमिश्नर कोर्ट मे चल रहा है। मगर मामले की पैरवी न तो लोनिवि कर रहा है नही बन विभाग कर रहा है, जिससे पुल बनाने का काम रुका हुआ है। इधर वन विभाग के प्रभागीय वनाधिकारी(डीएफओ) एके श्रीवास्तव का कहना है कि वन भूमि में एक इंच जगह नही दी जा सकती है। जिस समय पुल बनाने के लिए भूमि का अधिग्रहण किया गया था । उस समय वन विभाग से रिपोर्ट लेनी चाहिये था मगर सेतु निगम ने ऐसा नही किया इधर लोनिवि के अधिशासी अभियता डीपी वर्मा का कहना है कि पुलों के मध्य रोड निर्माण कराने की जिम्मेदारी विभाग को दी गई थी मगर रोड निर्माण में वनविभाग बाधा बना हुआ है। लो. निवि का कहना है कि कमिश्नर कोर्ट में जो विवाद चल रहा है उसमे लोनिवि से कोई लेना देना नही है इसकी पैरवी का काम बन विभाग व सेतु निगम को है जबकि डीएफओ का कहना है कि लोनि. वि की जिम्मेदारी है कि वह पैरवी कर मामले को निस्तारण कराये सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक दिलीप कुमार ने बताया कि सेतु निगम कार्यदायी संस्था है जमीन के विवाद से कोई लेना देना नही है।

जमीनी विवाद में खूनी संघर्ष, छह लोग गंभीर रूप से घायल

शाह टाइम्स ब्यूरो

कौशांबी। उत्तर प्रदेश में कौशांबी जिले के कोखराज थाना क्षेत्र के घटइयापर माजरा बम्हरौली गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया जिसमें 06 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूत्रों के अनुसार के अनुसार घटइयापर गांव के कल्लू की पत्नी फूल कली को 35 साल पहले वृक्षारोपण का पटा मिला था जिसमें कल्लू के कई फलदार वृक्ष लगेहुए हैं। विपक्षी अर्जुन ने लेखपाल को मिलाकर जमीन की नाप कराया जिसमें कल्लू के पेड़वाली जमीन लेखपाल ने अर्जुन के पक्ष में नाप दी। इसी बात लेकर दोनों पक्षों में तना तनी चल रही थी। आज अर्जुन अपने परिवार के विजय, रामबाबू और प्रेम के साथ लाठी डंडा लेकर कल्लू पटेल के दरवाजे पर चढ़ गए। दोनों पक्षों में विवाद होने लगा बात बढ़ गई। दोनों पक्ष के लोगों ने एक दूसरे को जमकर मारा-पीटा जिसमें कल्लू का बेटा हरिश्चंद्र , केशन, कल्लू की पत्नी फूल कली, अशोक की पत्नी सहित पांच लोग घायल हो गए। दूसरे पक्ष का विजय गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने दोनों पक्षों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। सभी घायलों को उपचार लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिराथू में भर्ती कराया गया है।

एक नजर

जेपी को श्रद्धांजलि: आपातकाल विरोधी आंदोलन के अग्रदूत को किया नमन

लखनऊ। आपातकाल की बरसी पर राष्ट्रीय लोकदल उत्तर प्रदेश कार्यालय में आज लोकतंत्र रक्षक लोकनायक जयप्रकाश नारायण को ससम्मान स्मरण किया गया। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। यह अवसर न केवल श्रद्धा का, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराने का भी था। प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा कि जयप्रकाश नारायण केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि लो. कतंत्र की आत्मा और जनआंदोलन के शिखर पुरुष थे। जब सत्ता निरंकुश हुई, तब उन्होंने जनचेतना को जगाकर संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया और शासन के समक्ष जनबल की ताकत को खड़ा किया। रालोद सदैव उनके विचारों को अपना पथप्रदर्शक मानता आया है और आगे भी लोकतांत्रिक मर्यादाओं की रक्षा में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा। आपातकाल का वह दौर भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय था, जब नागरिक स्वतंत्रताओं को कुचला गया, प्रेस पर सेंसरशिप लगी और हजारों राजनीतिक कार्यकर्ताओं को जेलों में ठूंस दिया गया। ऐसे समय में जेपी ने सम्पूर्ण विपक्ष को एकजुट कर लोकतंत्र की लौ बुझने नहीं दी। उनके इसी संघर्ष से प्रेरणा लेकर राष्ट्रीय लोकदल आज भी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा को सर्वोपरि मानता है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने इस अवसर पर कहा कि जयप्रकाश नारायण का आंदोलन केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन का प्रतीक था। उनके संघर्ष ने देश को बताया कि जब संवैधानिक संस्थाएं कमजोर पड़ने लगें, तो जनता का प्रतिरोध ही लोकतंत्र का सबसे मजबूत आधार बनता है। अनिल दुबे ने जोर देकर कहा कि रालोद हर उस विचार और व्यवस्था के खिलाफ खड़ा रहेगा जो संविधान की भावना और जनहित के विरुद्ध हो। प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव विजय श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष आदित्य विक्रम सिंह, प्रदेश महासचिव रजनीकांत मिश्रा एवं राघवेंद्र प्रताप सिंह, प्रोफेशनल मंच के प्रदेश अध्यक्ष अंबुज पटेल, तराई क्षेत्र अध्यक्ष पी. के. पाठक, किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रजेश शर्मा एवं महामंत्री दिवेश कुमार सिंह, शमीम अहमद अल्वी सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे और सभी ने जयप्रकाश जी के योगदान को याद किया। राष्ट्रीय लोकदल ने इस दिन को लोकतंत्र-संरक्षण के संकल्प दिवस के रूप में मनाते हुए अपने कार्यकर्ताओं से आ]वान किया कि वे जनता के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा हेतु सदैव सजग और सक्रिय रहें।

पूर्वांचल युवा महोत्सव का 24 से 26 अक्टूबर तक होगा रंगारंग आयोजन: दिनेश

जौनपुर। पूर्वांचल युवा महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ दिनेश कुमार तिवारी ने कहा है कि पूर्वांचल की प्रतिभाओं को मंच देने वाला बहुप्रतीक्षित पूर्वांचल युवा महोत्सव इस वर्ष 24, 25 व 26 अक्टूबर को नव दुर्गा मंदिर, विसर्जन घाट पर भव्य रूप में आयोजित किया जाएगा। डॉ दिनेश कुमार तिवारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इसकी घोषणा आज नगर के एक होटल में आयोजित संरक्षक मंडल एवं पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक में की गई। बैठक में संरक्षक मंडल के सदस्य टी-डी- कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो-समर बहादुर सिंह, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो- मनोज मिश्र और शिक्षा संकाय के डीन प्रो-अजय कुमार दुबे की उपस्थिति में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ- विनोद कुमार सिंह ने आयोजन की सराहना करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव युवाओं को रचनात्मक दिशा देने वाला एक सशक्त मंच है। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ- दिनेश कुमार तिवारी ने बताया कि इस बार न केवल जनपद बल्कि पूरे पूर्वांचल के नवोदित कलाकारों को मौका दिया जाएगा। साथ ही कविता, गायन, नृत्य, वादन, मिमिक्री और फिल्म जगत से जुड़ी नामचीन हस्तियां भी महोत्सव की शोभा बढ़ाएंगी। उन्होंने यह भी बताया कि केवल दो वर्षों में ही पूर्वांचल युवा महोत्सव ने जनपद के कलाकारों के बीच अपनी एक विशेष पहचान बना ली है और इस आयोजन का अब हर साल बेसब्री से इंतजार किया जाता है। बैठक में पूर्व शिक्षक संघ अध्यक्ष डॉ- विजय कुमार सिंह, संजय सिंह, सभासद मिुंटू पाठक, उपेंद्र कुमार मिश्र, बिट्टू किन्नर ,चंद्रमणि मिश्र, श्यामिनी सिंह, श्रीमती राखी सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक का संचालन अविनाश दुबे ने किया जबकि आभार आयोजन समिति की महामंत्री निवेदिता राय ने व्यक्त किया।

सांसद निधि से कराए जा रहे कार्यो की जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अन्तर्गत जनपद सीतापुर में सांसद निधि से कराए जा रहे विभिन्न विकास कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में की गई। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद द्वारा विभिन्न विभागों के द्वारा सांसद निधि से प्रस्तावित एवं प्रगति पर चल रहे कार्यो की विस्तृत जानकारी ली गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए, जिससे जनसामान्य को शीघ्र लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने विशेष रूप से प्राथमिकता वाली परियोजनाओं पर तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि कई योजनाएं क्रियान्वयन की अंतिम अवस्था में हैं और आगामी सप्ताहों में पूर्ण कर जनता को समर्पित की जाएंगी। बैठक में कलेक्ट्रेट एवं सीएमआईएस पोर्टल पर फीड की गई समस्त परियोजनाओं की बिंद. ुवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि सभी परियोजनाएं तय समय सीमा में पूर्ण हों तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने पोर्टल पर नियमित रूप से अद्यतन जानकारी अपलोड करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि सस्मय सभी लम्बित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करें, अन्यथा की स्थिति में कठोर कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि लंबित परियोजनाओं की गति में तेजी लाते हुए पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य पूर्ण करें। समीक्षा के दौरान उन परियोजनाओं की भी गहन पड़ताल की गई जो प्रारंभिक चरण में हैं या जिनकी निविदा प्रक्रिया जारी है। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद है।

आपातकाल कांग्रेस की लोकतंत्र विरोधी सोच का परिणाम: मयंकेश्वर

शाह टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। देश में 25 जून 1975 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल को भारतीय जनता पार्टी व लोकतंत्र प्रेमी हर वर्ष काले दिवस के रूप में मनाते हैं । इसी के तहत आपातकाल के काले दिवस की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह व भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री अवध क्षेत्र के प्रभारी संजय राय द्वारा प्रेसवार्ता की गई। इस मौके पर प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने बताया कि 25 जून 1975 को कांग्रेस की सरकार की अतिवादी नीति के तहत लगाई गई इमरजेंसी कांग्रेस की लोकतंत्र विरोधी सोच का परिणाम थी । जिससे देशवा. सियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा थाम देश के बड़े नेताओं को जेल में डाल दिया गया था। यहां तक की प्रेस की स्वतंत्रता का भी हनन किया गया था। जो कि सर्वथा अनुचित था और कांग्रेस आज भी अपने लोकतंत्र विरोधी चेहरे के कारण जानी जा रही है।

जिस कांग्रेस पार्टी ने इमरजेंसी लगाकर लोकतंत्र की हत्या की थी वही आज संविधान की बातें करती हैं या उलट बासी है । प्रेस वार्ता प्रदेश महामंत्री संजय राय ने बताया कि आज आपातकाल के 50 वर्ष पूरे हो गए हैं और इन 50 वर्षों में अगर कुछ नहीं बदला है तो वह है कांग्रेस का चरित्र। कांग्रेस आज भी लोकतंत्र के सम्मान के साथ खिलवाड़ करती देखी जाती है। उन्होंने बताया कि मैं दावे से कहता हूं कि राहुल गांधी ने ना तो संविधान पढ़ा है और ना ही संविधान की मर्यादा को वह समझते हैं। इसीलिए वह विदेश में जाकर देश की खिलाफत करने से भी नहीं बाज आते हैं। राहुल गांधी केवल संविधान के साथ खिलवाड़ करके राजनीति करते देखे जाते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लो. कतंत्र के मूल्य में विश्वास करती है और भारत के लोकतंत्र के साथ वह निरंतर खड़ी है।

'आप' ने संगठन निर्माण के लिए उतारे स्पेशल 101

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी नगर पंचायत चुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी (आप) 11 जुलाई से हर घर संपर्क अभियान का आगाज करेगी जिसके तहत पार्टी के चुलनदा 101 कार्यकर्ता हर विधानसभा में जाकर पार्टी का संदेश घर घर पहुंचायेंगे।

इस सिलसिले में पार्टी के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि उनकी पार्टी प्रदेश में अपने संघर्ष और सेवा के कार्यक्रम के साथ ही कार्यकर्ता सम्मेलन और संकल्प शिविर (प्रशिक्षण शिविर) का कार्यक्रम भी चला रही है। अभी तक विभिन्न प्रांतो में कार्यकर्ता सम्मेलन और संकल्प शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया और अब पूर्वांचल प्रांत और बुंद. लखंड प्रांत का संकल्प शिविर होना बाकी है। उन्होने कहा कि इन सभी सम्मेलनों में एक आवाहन किया कि प्रदेश में पार्टी के संगठन को गांव-गांव तक पहुंचाना है, उत्तर प्रदेश में जिला पंचायत का चुनाव हमारा पहला लक्ष्य है, उसको ध्यान में रखकर अपने संगठन का निर्माण गांव गांव तक पहुंचाना है, जिसका नाम हमने 'हर घर संपर्क अभियान' दिया है। श्री सिंह ने कहा कि जुलाई की 11 तारीख से पूरे उत्तर प्रदेश के अंदर 'हर घर संपर्क अभियान' चलाकर आम आदमी पार्टी अपने संगठन का विस्तार करेगी और पार्टी के संदेश को घर-घर में पहुंचाने का काम करेगी।

परिषद की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाकर करें मजबूत

राभद्रप की समीक्षा बैठक में संगठन का किया विस्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

सम्भल। राष्ट्रीय भ्रष्टाचार दमन परिशद भारत की समीक्षा बैठक मेंसंगठन के विस्तार के चयन प्रक्रिया को पूरा किया गया।

परिषद के हल्लू सराय स्थित प्रशासनिक कार्यालय पर आयोजित बैठक में परिशद के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. के. मिश्र की संस्तुति पर, गोठना गुन्नौर निवासी गौरव यादव को, परिशद का जिलाध्यक्ष, मोहम्मद अली को जिला महासचि. चव, मोहम्मद बिलाल को जिला उपाध्यक्ष संभल एवं निशा यादव को जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, पूजा यादव को जिला महासचिव महिला प्रकोष्ठ, रामप्रकाश शर्मा को मण्डल उपाध्यक्ष, विपिन कुमार शर्मा को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। इस अवसर पर के. के. मिश्र ने नए पदाधिकारियों को परिशद की रचनात्मक ब जनहित संबंधी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने व परिशद को मजबूत करने का आवाहन किया। साथ ही तीस दिन के अंदर, नई कार्यकारिणी का गठन करने का निर्देश दिया।

राभद्रप के कार्यालय पर बैठक को सम्बोधित करते के के मिश्र।

बैठक में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष बृजेश यादव, मीडिया प्रभारी होराम सिंह, मोहम्मद अली, सत्यवीर यादव, योगेश मिश्रा, शिवकुमार शर्मा, विपिन कुमार शर्मा, निशा यादव, पूजा यादव, प्रभा मिश्रा ,मोहम्मद बिलाल, नितिन यादव, वीरेंद्र कौशिक, शाहनवाज संभली, राकेश कुमार आदि कार्यकर्ता एवं पदाधिक. ारीगण उपस्थित रहे। बैठक का संचालन डी.पी. शर्मा जी ने किया।

आपातकाल को दर्शाने के लिए लगाई प्रदर्शनी

शाह टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। शहर के राजकीय इंटर कालेज परिसर में पौधारोपण भी किया।

यह पौधा रोपण एक पेड़ अपनी मां के नाम अभियान के तहत किया गया। पौधा रोकने के साथ उसके रखरखाव पर भी चर्चा की गई। इस दौरान राजकीय इंटर कालेज में आपातकाल से संबंधित प्रदर्शनी आयोजित की गई। जिसका अवलोकन प्रभारी मंत्री मयकेश्वर शरण सिंह, प्रदेश महामंत्री संजय राय, जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला, जिला प्रभारी नीरज सिंह द्वारा किया गया। साथ ही एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें जिले भर के लोकतंत्र संग्राम सेनानियों को सम्मानित किया गया । इस दौरान लोकतंत्र संग्राम सेनानियों ने 1975 में लगाई गई इमरजेंसी के अनुभवों को भी साझा किया।

जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया इमरजेंसी से देश में बड़े नकारात्मक बदलाव हुए उस समय के हालात देखकर लोगों का लोकतंत्र से विश्वास समाप्त होने लगा। जिससे देश को काफी नुकसान का सामना करना पड़ा ।लेकिन लोकतंत्र संग्राम सेनानियों ने इस संग्राम को जीत कर भारत माता के गौरव को पुन: वापस दिलाया । उन्होंने सभी लोकतंत्र संग्राम सेनानियों को भारत की धरोहर बताया। और उनके सम्मान को पुण्य का विषय बताया स जिला प्रभारी नीरज सिंह ने इमरजेंसी के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के निष्ठुर एवं अलोकतांत्रिक नीतियों के विषय में बताया और इस आपातकाल के विरोध में उतरे नेताओं के संघर्ष के विषय में भी विस्तार से बताया।

संगोष्ठी को एमएलसी सभापति प्रशासनिक वित्तीय विलंबित समिति पवन सिंह चौहान ने भी संबोधित किया उन्होंने आपातकाल के दौरान के भारत और लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष के विषय में विस्तार से बात की। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष उमाकांत मिश्रा, अजय गुप्ता, राम नरेश मिश्रा, निवर्तमान जिला अध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष खानाबाद ब्लाक प्रमुख अजय विश्वकर्मा, युवा मोर्चा के जिला महामंत्री अनूप विश्वकर्मा, संजय मिश्रा , सुधाकर शुक्ला, विश्राम सागर राठौर, नैमिष रत्न तिवारी, सुनील मिश्रा, राजेश्वर रस्तोगी, जयप्रकाश पांडेय, उदित वाजपेई, करुणा शंकर त्रिपाठी, अमन विक्रम सिंह, सागर गुप्ता, तरुण शुक्ला, कंचन प्रभा पांडेय, संतोष शुक्ला, अनीत मिश्रा, रोहित सिंह आदि मौजूद रहे।

109 यात्रियों से वसूला गया 67910 रुपये का जुर्माना

शाह टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर सघन टिकट अभियान चलाकर टिकट रहित, अनियमित यात्रा, अवैध वेंलडग, गंदगी फैलाने वालों, धूम्रपान एवं अंबुक्ड लगेज वालों से 67910 रूपए जुर्माना वसूल किए गए। आधिकारिक सूत्रो ने बताया कि प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर जांच अभियान मे गाधी संख्या 13201(पटना- मुंबई एलटीटी) मुंबई एलटीटी जनता एक्सप्रेस , गाड़ी संख्या 09025(वलसाड से दानापुर) दानापुर स्पेशल की सघन जांच की गई।

जांच अभियान में टिकट रहित, अनियमित यात्रा, अवैध वेंडिंग, गंदगी फैलाने वालों, धूम्रपान एवं अंबुक्ड लगेज वालों पर जुर्माना लगाया गया। उन्होंने बताया कि जांच अभियान में कुल 109 यात्रियों से 67910 रूपए जुर्माना वसूल किया गया, जिसमें बिना टिकट यात्रा करने वाले 108 यात्रियों से 67710 रूपए तथा गंदगी फैलाने वाले एक यात्री से 200रूपये वसूल किए गए। उन्होंने बताया कि रेल प्रशासन अपने सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि रेलगाधे तथा रेल परिसर में गन्दगी न/न फैलाएं, कूघ कूछेदान में ही डाले तथा वैध टिकट के साथ यात्रा करें। रेलवे अपने सभी यात्रियों का सम्मान करती है और उनकी सुखद यात्रा की कामना करती है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा०, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	ई-निविदा सूचना सं0	1179-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ दिनांक 24.06.2025
2.	कार्य का नाम	लखनऊ डिवीजन में विभिन्न स्थानों पर स्थापित 22 नम्बर एलिवेटरों (लिफ्टों) के लिए तीन वर्षों के लिए व्यापक रखरखाव अनुबंध।
3.	अनुमानित लागत	रू 1,03,17,439.44/- (एक करोड़ तीन लाख सत्रह हजार चार सौ उनतालिस रूपये और चवालिस पैसे मात्र)
4.	बयाना राशि	रु. 2,01,800/- (दो लाख एक हजार छः सौ रुपये मात्र)
5.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	36 माह
6.	ई-निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 17.07.2025 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:30 बजे वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता /सा० उत्तर रेलवे, हजरतगंज लखनऊ के कार्यालय में।
7.	प्रस्ताव की वैधता	ई-निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
8.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लेक की जा सकती है।

सूचना सं0-1179-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ दिनांक 24.06.2025 1907/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उघैती में बल्ब निकालते समय लगा करंट, पिता की मौत, बेटा घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

उघैती । नवनिर्मित मकान की छत पर रोशनी के लिए लगाए गए बल्ब को निकलते समय करंट लगने से पिता की मौत हो गई।हादसे में बेटा बाल बाल बच गया।घटना की जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन ने आनन फानन युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत्य घोषित कर दिया। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।उघैती थाना क्षेत्र गांव ईखखेड़ा निवासी मुंशीलाल (49) पुत्र मानसिंह अपने बेटे ओमपाल के साथ नवनिर्मित मकान बाउंड्री की चिनाई करा रहे थे।इसी दौरान रोशनी के लिए छत पर एक बल्ब लगा दिया था।चिनाई के दौरान छत पर लगे बल्ब को निकलते समय अचानक बल्ब के होल्डर में हाथ छूने से जोरदार करंट लगा। करंट लगने से मुंशीलाल झटके के साथ गिर पड़े और उनकी मौत हो गई।घटना के समय उनका 26 बर्षीय बेटा ओमपाल पास में मौजूद था और उसने जैसे ही पिता को गिरते देखा उन्हें बचाने के लिए दौड़ पड़ा।करंट की चपेट में आने से बेटा की हालत गंभीर बनी हुई है।जिसे परिजनों ने निजी चिकित्सा के यहां चंदौसी में भर्ती कराया है।घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।परिजनों ने आनन फानन में युवक को रूदायन के समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने युवक को मृत्यु घोषित कर दिया।युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।वही घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं।

चार दिनों से खराब ट्रांसफार्मर नहीं गया बदला

शाह टाइम्स संवाददाता

नरौनी। विद्युत उपखंड उघैती के गांव नगला वन शरह बरोलिया में 4 दिन से ट्रांसफार्मर खराब पड़ा हुआ है जो बिजली विभाग की मनमानी के चलते अभी तक नहीं बदल गया है। खराब पड़े ट्रांसफार्मर से आठ उपभोक्ताओं को बिजली की सप्लाई जाती है।आपको बता दें यह ट्रांसफार्मर नलकूपों को संचा. लित करता है। भीषण गर्मी में खराब पड़े ट्रांसफार्मर से आठों उपभोक्ताओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गांव निवासी मोहित सिंह ने बताया की बिजली विभाग की लापरवाही के चलते 4 दिन से ट्रांसफार्मर खराब पड़ा हुआ है जिसकी जानकारी उघैती बिजली घर को दी गई । लेकिन अभी तक ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया है और बिजली घर के उच्चाधिकारी फोन नहीं उठा रहे हैं। ऐसे में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पुलिस ने 40 लाख की अवैध अफीम के साथ तस्कर को गिरफ्तार कर भेजा जेल

शाह टाइम्स संवाददाता

वजीरगंज। बदायूं एसएसपी के नेतृत्व मे,एवं प्रभारी निरीक्षक थाना वजीरगंज की अध्यक्षता मे चलाये जा रहे अभियान अबैध मादक पदार्थो की बरामदगी के अन्तर्गत थाना वजीरगंज पुलिस द्वारा एक तस्कर जुगेन्द्र सिंह पुत्र सुरेन्द्र पाल सिंह निवासी ग्राम इटौआ थाना वजीरगंज जिला बदायूँ को 1.963 किलो ग्राम अफीम (अन्तर्राष्ट्रीय कीमत 40 लाख रूपये) के साथ गिरफ्तार किया गया। हम आपको बता दें कि वजीरगंज क्षेत्र में मंगलवार पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया। युवक से एक किलो नौ सौ छठ ग्राम अफीम बरामद हुई। प्रभारी निरीक्षक वजीरगंज जितेन्द्र सिंह ने बताया कि मंगलवार को शासन की मंशा के अनुरूप मादक

पदार्थ ब्रिकी एवं तस्करी के विरूध चलाये जा रहे सतत अभियान के क्रम में मुखबिर की सूचना पर संदिग्ध व्यक्ति को वाहन के दौरान मेन सड़क करेंगी वगरैन रोड के पास से जा रहे युवक से तलाशी में उनके पास से एक थैले में 1.963 किलो ग्राम अफीम बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम जुगेन्द्र सिंह पु त्र सुरेन्द्र पाल सिंह गांव इटौआ थाना वजीरगंज के रूप में वताया। वह काफी समय से तस्करी कर रहे थे, पुलिस ने तस्कर पर मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

बिसौली में ट्रैफिक पुलिस ने चलाया विशेष अभियान, काटे चालान

शाह टाइम्स संवाददाता

बिसौली। बुधवार को यातायात पुलिस द्वारा दो पहिया वाहन पर तीन सवारी, बिना हेलमेट वाहन चलाना, सड़कों के किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटवाना आदि के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। साथ ही यातायात सब इंस्पेक्टर सुरेश त्यागी ने नियमों का पालन करने के लिए लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की वह यातायात नियमों का पालन करें, ताकि स्वयं और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इस दौरान यातायात सब इंस्पेक्टर सुरेश त्यागी, ट्रैफिक कांस्टेबल सचिन, सत्येंद्र आदि उपस्थित रहे।

71 वर्षीय वृद्ध का सगा भाई बना प्रॉपर्टी के लालच में दुश्मन

आतिफ निसार जैनू, शाह टाइम्स

सहसवान। एक 71 वर्षीय बृद्ध व्यक्ति का सगा भाई और उसका परिवार ही बना संपत्ति के लालच जान का दुश्मन अविवाहित वृद्ध के हिस्से के लालच में अपने ही बन गए हैं दुश्मन पिछले 3 वर्षों में दर्जनों शिकायतों के बावजूद भी सगा भाई नहीं है मानने को तैयार सगे भाई, उसकी पत्नी, उसके पुत्र व पुत्री द्वारा लगातार किया जा रहा है प्रताड़ित मजलूम ने लिया पुलिस का सहारा दी पुलिस को तहरीर शाहिद पुत्र मरहूम दिलशाद (उम्र 71 वर्ष) निवासी मोहल्ला नसरूल्लागंज थाना सहसवान जनपद बदायूँ का रहने वाला है शाहिद का एक भाई फिरोज पुत्र दिलशाद निवासी मौहल्ला नसरूल्लागंज थाना सहसवान बदायूँ जो कि बेहद शातिर व सरकश किस्म का अपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है जिसकी नजर शाहिद की हिस्से की सम्पत्ति पर बराबर बनी हुई है और

फिरोज एवं उसका पुत्र फैसल पत्नी रोशन जहां लगातार प्रार्थी के साथ मारपीट व गाली गलौज करते रहते हैं जिसकी शिकायत पिछले कई साल से प्रार्थी लगातार कर रहा है ये आरोपी पुलिस के आने पर फैसला कर लेते हैं उसके बाद फिर शाहिद को प्रताड़ित करते रहते हैं आरोपी अपने घर की महिलाओं को आगे करके प्रार्थी से झगड़ा करता है जिससे उसके विरुद्ध कोई झूठा मुकदमा दर्ज करके, फंसाकर उसकी संपत्ति हड़प सके। प्रार्थी के आगे पीछे कोई नहीं है न ही शाहिद का विवाह हुआ है इसी का लाभ उठाकर ये शाहिद को मारता पीटता है। इससे पूर्व भी आरोपी एक मकान बेचकर प्रार्थी के हिस्से की धनराशि हड़प चुका है। अब आरोपी प्रार्थी के शेष भाग जिसमें प्रार्थी अपने पिता के जीवनकाल से रह रहा है व उसपर काबिज है। आरोपी कुछ लोगों के साथ मिलकर उसपर भी कब्जा करना चाहता है शाहिद ने अपना हिस्सा छिन जाने के डर से अपना भाग विक्रय कर दिया जिसकी रजिस्ट्री प्रार्थी द्वारा क्रेता को दिनांक 23/06/2025 को कर दी गई है जैसे ही आरोपी को रजिस्ट्री के बारे में ज्ञात हुआ उसने शाहिद के हिस्से का दरवाजा तोड़ने की कोशिश की और प्रार्थी के साथ मारपीट की और अपने पुत्र फैसल को दिल्ली फोन करके उसे आकर प्रार्थी के मकान पर पूर्ण कब्जा करने की बात कही आरोपी की धमकी से डर कर शाहिद ने यू०पी० डायल 112 पर सूचना भी दी थी पुलिस द्वारा शाहिद और आरोपी को थाने बुलाया गया किन्तु कुछ भले लोगों द्वारा शाहिद को रिश्ते का हवाला देकर समझाया गया उसके बाद जब शाहिद घर पहुंचा तो फिरोज और उसके परिवार द्वारा प्रार्थी के घर का दरवाजा तोड़ दिया जब शाहिद ने अपने संदूक को देखा तो उसका ताला टूटा हुआ था और सारे जरूरी काग. जात गायब थे जब शाहिद ने इस बाबत पूछा तो फिरोज ने फिर से गाली गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी भी दीशाहिद का भाई शातिर और सरकश व्यक्ति है और आपराधिक प्रवर्ति के लोगों से मिलता जुलता है प्रार्थी को आरोपी एवं उसके पुत्र से जान का भी खतरा है।

हज-2026 के लिए तैयार रखें अन्तर्राष्ट्रीय पासपोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी प्रणव कुमार पाठक ने जानकारी दी है कि उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति लखनऊ द्वारा अवगत कराया गया है कि हज कमेटी ऑफ इण्डिया मुम्बई द्वारा हज- 2026 (1447 हि0) के सम्बन्ध में सकुर्लर जारी किया है जिसके माध्यम से हज- 2026 की तैयारियाँ जल्द आरम्भ होने की सूचना दी गयी है। उन्होंने हज-2026 हेतु इच्छुक आवेदकों को सूचित किया है कि हज- 2026 की घोषणा जुलाई 2025 में सम्भावित है। हज-2026 हेतु पासपोर्ट मशीन पठित होना आवश्यक है। हस्तलिखित पासपोर्ट मान्य नहीं होगा। हज-2026 के आवेदन हेतु पासपोर्ट की वैद्यता 31 दिसम्बर 2026 तक होना आवश्यक है। जो इच्छुक आवेदक हज-2026 की यात्रा हेतु नये पासपोर्ट का आवेदन कर रहे हैं । उनको सलाह दी जाती है कि नुसुक पोर्टल की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने पासपोर्ट में सरनेम या लास्ट नेम का कॉलम खाली न छोड़े।

एक नजर

लोकेशन पर नहीं बैठेते संचालक

आतिफ निसार जैनू,शाह टाइम्स

एसबीआई ग्राहक सेवा केंद्र संचालकों को दिया नोटिस

सहसवान। एसबीआई ग्राहक सेवा केंद्र संचालकों को एफ आई मैनेजर

दिलीप कुमार टंडन ने सहसवान स्टेट बैंक रोड एसबीआई ग्राहक सेवा केंद्र संचालकों को नोटिस देकर कड़े निर्देशों में कहा की जो एसबीआई ग्राहक सेवा केंद्र चला रहे हैं, वह संचालक अपनी लोकेशन पर ही जाकर ग्राहक सेवा केंद्र को खोलें अन्यथा की स्थिति में कड़ी कार्रवाई को तैयार रहे। वही एफ आई मैनेजर ने ऐसे संचालकों को नोटिस देकर तत्काल ग्राहक सेवा केंद्र बंद करने को कहा है, और अपनी लोकेशन पर जाकर बैठने को कहा लेकिन कुछ संचालक उसके बावजूद भी लोकेशन से अलग हटकर एसबीआई ग्राहक सेवा केंद्र चला रहे हैं। अब सवाल यह भी उठता है, कि एक अधिकारी द्वारा नोटिस देने के बावजूद भी कुछ संच. ालक अपनी लोकेशन पर जाकर नहीं बैठे आखिर ऐसे संचालकों को किसका अभय दान प्राप्त है। यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

20 जुलाई तक कृषि उद्यमी स्वावलम्बन योजना में करें आवेदन

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। उप कृषि निदेशक मनोज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वाबलम्बन योजना के अन्तर्गत जनपद में निवास करने वाले कृषि स्नातक बेरा. जगार व कृषि व्यवसाय प्रबंधन स्नातक व स्नातक, जो कृषि एवं सहबद्ध विषयों यथा-उद्यान, पशुपालन, वानिकी दुग्ध, पशु चिकित्सा, मुर्गी पालन आदि को प्रशिक्षित कर उन्हें योजना के निर्धारित प्राविधानों से लाभान्वित कराकर रोजगार सजृन कराने एवं क्षेत्रीय कृषकों को उन्नत कृषि निवेशों की उपलब्धता तथा तकनीकी सहयोग प्रदान कराने हेतु योजना उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि केन्द्र स्थापना अधिकतम आयु 40 वर्ष, अनुसूचित जाति, जनजाति व महिलाओं को अधिकतम 05 वर्ष की छूट, यह योजना मा0 मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में से एक है। इस योजना का उद्देश्य किसानों को उनके फसल उत्पादकों के लिये हर ब्लॉक में कृषि केन्द्र (एग्री जंक्शन) वन स्टाप शॉप समस्त सुविधायें उच्च गुणवत्तायुक्त बीज, उर्वरक, जैव उर्वरक, सूक्ष्म तत्व, वर्मी कम्पोस्ट, कीटनाशक कृषि यंत्रों आदि की सेवायें किसानों को उपलब्ध कराने हेतु योजना में प्राविधानिक अनुदान की सुविधा भी दी जायेगी। उन्होंने बताया कि जनपद के समस्त डिग्रीधारी स्नातक बेरोजगार इच्छुक आवेदन कर्ताओं से अपील है कि वह अपना आवे. दन कृषि विभाग की विभागीय वेबसाइट https% @ @agridarshan-up-gov-in अथवा http% @ @agriculture-up-gov-पद पर दिये गए लिंक के माध्यम से आनॅलाइन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जुलाई 2025 निर्धारित की गयी है। अधिक जानकारी के लिये उप कृषि निदेशक कार्यालय बदायूँ में संपर्क कर सकते है।

बिल्सी में डेढ़ करोड़ से बनेगा बारातघर विधायक ने किया भूमि पूजन

शाह टाइम्स संवाददाता

बिल्सी। विधायक हरीश शाक्य ने बुधवार को नगर के गांधी पार्क में बनने जा रहे बरातघर की भूमि का पूजन कर शिलान्यास किया। विधायक हरीश शाक्य ने कहा कि मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में करीब डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से इस बरातघर को बनाया जाएगा। जिससे नगर के गरीब लोगों को काफी लाभ होगा।

इसके बाद विधायक ने नगर पालिका परिषद द्वारा कराए गए विकास कार्यों का लोकार्पण किया। विधायक ने प्रदेश और केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इससे पहले पूर्व चौयरमेन ओमप्रकाश सागर समेत भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक का फूलमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इससे पहले विधायक ने नगर के मुख्य बाजार स्थित मां अन्नपूर्णा रसोई पर भंडारे का प्रसाद लोगों को वितरित किया। इस मौके पर चेयरमैन ज्ञानदेवी सागर, नवनीत शाक्य, आदित्य माहेश्वरी, अजय प्रताप सिंह, लवकुमार वार्ष्णेय, मोहित गुप्ता, शेखर सक्सेना, तेजस्वी सागर, अजीत गुर्जर, प्रखर माहेश्वरी, सुरेश बाबू वार्ष्णेय, नवरत्न वार्ष्णेय, सूर्यप्रकाश देवल आदि मौजूद रहे।

डीएम ने किया बाढ़ की परियोजनाओं एवं संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। जिलाधिकारी अवनीश राय ने तहसील दातागंज के अन्तर्गत रामगंगा नदी के दायें किनारे पर स्थित ग्राम समूह बिहारीपुर, मकरन्दपुर, नगरिया खनू एवं हजरतपुर आदि एवं उसहैत तटबंध के किमी0 8.500 पर ग्राम भुण्डी के समीप बाढ़ की परियोजनाओं एवं बाढ से संवे. दनशील स्थलों का निरीक्षण कर बाढ़ खण्ड के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होने पर सभी अधिकारी परस्पर समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि आमजन को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जनपद मुख्यालय के कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है कोई भी आमजन कंट्रोल रूम पर कॉल करके अपनी

समस्याएं दर्ज करवा सकते हैं ताकि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता पर निस्तारण कराया जा सके। अधिशासी अभियंता बाढ खंड उमेश चंद्र ने बताया कि बाढ़ परियोजनाओं के कार्य पूर्ण कर लिये गये हैं। उन्होंने बताया कि जनपद की तहसील दातागंज, सहसवान व बदायूं में बाढ़ की रोकथाम के लिए विभिन्न सुरक्षात्मक कार्य कराए गए हैं। निरीक्षण के समय वैभव शर्मा, अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०), उमेश चन्द्र, अधिशासी अभियन्ता, बाढ़ खण्ड, बदायूँ, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी दातागंज, नेश पाल, सहायक अभियन्ता, अनुज मिश्रा, सहायक अभियन्ता, बाढ़ खण्ड, बदायूँ एवं अधिकारीगण लोक निर्माण, यूपीडा एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

एक दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण अभ्यास वर्ग संपन्न

भगवान दास,शाह टाइम्स

बदायूं। विद्या भारती विद्यालय द्रौपदी देवी सरस्वती शिशु मंदिर चंदौसी मार्ग स्थित बुधवार को एक दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ। अभ्यास वर्ग में नवीन शिक्षा नीति 2020 के अनुसार गणित, अंग्रेजी एवं विज्ञान विषयों की क्रिया आधारित नवीन शिक्षण तकनीकी का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती के चित्र के समक्ष मुख्य अतिथि राम किशोर श्रीवास्तव(प्रांत शिशु वाटिका प्रमुख ब्रज प्रांत), विशिष्ट अतिथि मनीष सिंघल(मंत्री,बा.क.स.बदायूं) राम सिंह राजपूत(प्रधानाचार्य द्रौपदी देवी स. वि.मंदिर) ने दीप जलाकर तथा संकुल प्रमुख सतीश कुमार गंगवार ने पुष्प अर्पित कर किया। मुख्य अतिथि राम किशोर श्रीवास्तव ने कहा- शिक्षा संस्कृति का संरक्षण,संवर्धन एवं हस्तांतरण करती है।

बैंक व राजस्व विभाग की संयुक्त कार्यवाही, बकायादारों की भूमि कुर्क

शाह टाइम्स संवाददाता

बिसौली। बुधवार को सरकारी बैंकों के बड़े बकाएदारों के खिलाफ वसूली अभियान चलाया गया। बैंक व राजस्व विभाग की टीम की भनक लगते ही बकाएदारों में हड़कप मच गया।

बैंक व राजस्व विभाग के संयुक्त अभियान के दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया की बकाया राशि जमा न करने पर सख्त कदम उठाए जाएंगे, जिसमें दोषियों को जेल भेजना भी शामिल है। भारतीय स्टेट बैंक शाखा मुड़िया धुरेकी, पीएनबी शाखा, ओबीसी बिसौली द्वारा ग्राम ढ़िलवारी के लगभग 11 लाख के बकायादार हरिओम पुत्र साधुराम, घासीराम पुत्र नत्थू लाल बकायादार लगभग 6 लाख, ग्राम गंगोली के बकायादार लगभग 10 लाख रुपए की भूमि कुर्क की गई। कुर्की के समय नायब तहसीलदार गिरिजा शंकर यादव, मैनेजर अभिनव गुप्ता, फील्ड आफिसर संदीप मलिक, अमीन वीरेंद्र सिंह, अवधेश यादव, अनिल कुमार, आराम सिंह आदि स्टाफ उपस्थित रहा।

विज्ञापन के लिए संपर्क करें
कामिल खान ब्यूरो चीफ
दैनिक शाह टाइम्स समाचार पत्र बदायूं ब्रांच ऑफिस फैजगंज बेहटा वार्ड नंबर हेड ऑफिस रजी चौक ब्रह्मपुर बराबर रेक्स दवाखाना बदायूं खबरें व विज्ञापन के लिए संपर्क करें।
संपर्क सूत्र - 7500110219, 9411827221
Email: mkkhan 741@gmail-com

जायंट्स ग्रुप महिला समृद्धि ने आयोजित समर कैंप का रंगारंग समापन किया

शाह टाइम्स संवाददाता

बिसौली। जायंट्स ग्रुप ऑफ महिला समृद्धि की ओर से आयोजित दस दिवसीय समर कैंप का समापन हो गया। समापन अवसर पर प्रतिभा करने वाले बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। नगर के आर. किंडर होम में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने डांस परफॉर्मेंस किया और दस दिनों में जो एक्टिविटी सीखी उसे करके भी दिखाया। जायंट्स ग्रुप के यूनिट डायरेक्टर अनुपम वार्ष्णेय ने कहा कि महिला समृद्धि ने समर कैंप लगा कर बहुत अच्छा कार्य किया है। जिसमें बच्चों ने अलग अलग एक्टिविटी सीखी है। ग्रुप की अध्यक्ष अंजलि अग्रवाल ने कहा कि समर कैंप के माध्यम से बच्चों में कलात्मक व रचनात्मक प्रवृत्ति का विकास होता है। ग्रुप के माध्यम से इस तरह के प्रयास जारी रहेंगे। अंजलि अग्रवाल ने ग्रुप की सदस्य रूपम गुप्ता, कंचन सक्सेना, सचिव आंचल वार्ष्णेय तथा कोषाध्यक्ष ऋतु साहनी का धन्यवाद दिया जिन्होंने समर कैंप के आयोजन में अपना सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर ग्रुप की अध्यक्ष अंजलि अग्रवाल, सचिव आंचल वार्ष्णेय, कोषाध्यक्ष ऋतु साहनी, रूपम गुप्ता, पारुल अग्रवाल, पिंकी वार्ष्णेय, सरिता वार्ष्णेय, राखी वार्ष्णेय, स्वाति गुप्ता, रोजी अग्रवाल, मानसी गर्ग, शिवानी अग्रवाल, रूबी अग्रवाल, अंशिका गर्ग, ममता यादव, स्मिता यादव, रुचि वार्ष्णेय, सपना वार्ष्णेय, प्रीति वार्ष्णेय, रोचन अग्रवाल, कंचन सक्सेना, रेनू अग्रवाल, सिम्मी साहनी, राधिका अग्रवाल आदि सदस्य उपस्थित रहे।

आपातकाल का 50वां वर्ष पूर्ण होने पर मेडिकल कॉलेज में हुआ कार्यक्रम आयोजित

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। आपातकाल के 50वां वर्ष पूर्ण होने एवं आपातकाल दिवस के अवसर पर जिला गोष्ठी व लोकतंत्र सैनानियों का सम्मान समारोह राजकीय मेडिकल कॉलेज बदायूं में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री गुलाब देवी ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गोष्ठी से पहले प्रभारी मंत्री गुलाब देवी व अन्य जनप्रतिनिधियों ने राजकीय मेडिकल कॉलेज परिसर में एक पेड़ मां के नाम लगाकर वृक्षारोपण किया। प्रभारी मंत्री गुलाब देवी ने कहा स्वाधीनता आंदोलन के नायक अटल बिहारी वाजपेई, लालकृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी आदि नेता जेल में थे। स्वतंत्र भारत के इतिहास में 1975-77 भयाभय था। आपातकाल लोकतंत्र विरोधी मानसिकता का परिचायक था। जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने कहा 25 जून 1975 को लगे आपातकाल में देशवासियों ने जो पीड़ा सही, उसे नई पीढ़ी जान सके, इसी उद्देश्य से मोदी सरकार ने इस दिन को मनाया जा रहा है।

80 वाहनों का हुआ चेकअप, 10 को किए चश्मे वितरण

शाह टाइम्स संवाददाता

सिलहरी। थाना सिविल लाइन क्षेत्र के दातागंज तिराहा स्थित एकेसी वर्ल्ड बजाज की ओर से एक स्वस्थ वाहन स्वस्थ चालक कैंप का आयोजन किया गया जिसका संचालन योगेश श्रीवास्तव ने किया मुख्य अतिथि सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता उपस्थित रहे विशिष्ट अथिति सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी जनपद बदायूं उपस्थित रहे , एकेसी वर्ल्ड के प्रबंध निदेशक अल्पित अग्रवाल ने बताया कि स्वस्थ वाहन स्वस्थ चालक हम ग्राहकों के वाहन के साथ साथ चालकों के स्वास्थ को ध्यान में रखते हुए करते हैं जिस प्रकार वाहन का स्वस्थ ठीक हो उसी प्रकार चालक का स्वास्थ को ध्यान में रखते हुए चालक का ब्लड प्रेशर चेकअप तथा आंखों का परीक्षण भी कराया जाता है,

और उन्होंने बताया कि इस तरह के सर्विस कैंप हम समय-समय पर करते हैं और उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद सभी ग्रह को एवं चालकों को बताया की शहर के अंदर यातायात के नियमों का पालन अवश्य करें, सदर विधायक महेश चंद गुप्ता ने शहर के ऑटो चाल. कों को यातायात के नियमों का पालन करने की सलाह दी साथ साथ उनके वाहन का स्वास्थ्य एवं चालक के स्वास्थ्य के प्रति वह सजग रहने की सलाह दी, साथ ही गुप्ता ने स्वस्थ चालक कैंप की सराहना की। साथी उपस्थित रहे ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर ललित कुमार ने ऑटो चालकों को सुझाव दिया कि शहर में जाम लगने की स्थिति पैदा न होने दें साथ ही यातायात के नियमों का पालन करें शराब पीकर वाहन न चलाएं, और अपने बहन का बीमा अवश्य करें, कार्यक्रम में 80 वाहनों का चेकअप किया गया तथा 90 लोगों का नेत्र परीक्षण तथा ब्लड प्रेशर परीक्षण किया गया नेत्र परीक्षण के दौरान 10 चालकों को चश्मा वितरण किया गया। कार्यक्रम में जितेंद्र त्रिपाठी, दीपक चौहान , प्रवेश राठौर बरिष्ठ संवाददाता योगेश श्रीवास्तव,अमित यादव, संदीप कुमार, शिवांग मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे ।

गौ-तस्कर जुबैर के अवैध मकान पर चला बुलडोजर

■ एसपी सिटी की अगुवाई में बीडीए ने की बड़ी कार्रवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। गौ-तस्करी के मामलों में वांछित चल रहे जुबैर के अवैध निर्माण पर बुधवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) की टीम ने भारी पुलिस बल और एसपी सिटी के नेतृत्व में सैटेलाइट-शहामतगंज मार्ग स्थित मकान पर बुलडोजर चलवाया। जुबैर अपने पूरे परिवार समेत फरार है।

जानकारी के मुताबिक, आरा. पी जुबैर के खिलाफ गौ-तस्करी के कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश में है। इसी क्रम में जब उसकी संपत्ति की जांच की गई तो सामने आया कि उसने बिना नक्शा पास कराए अवैध तरीके से मकान का निर्माण कराया है।

बीडीए ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जुबैर को नोटिस जारी किया, लेकिन तय समय सीमा में कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद बुधवार दोपहर बीडीए की टीम एसपी सिटी और भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची, और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। बुलडोजर जैसे ही चला, इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोग छतों और गलियों से कार्रवाई को देखते रहे। बता दें कि जिस स्थान पर निर्माण हुआ था, वह एक प्रेस के पीछे है। मकान की भव्यता और विवादित पृष्ठ भूमि पहले से चर्चा में थी। जुबैर की गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी हैं। बरेली में तस्करों पर प्रशासन की यह कोई पहली कार्रवाई नहीं है। फतेहगंज पश्चिमी समेत जिले के कई क्षेत्रों में मादक पदार्थ और पशु तस्करी से जुड़े आरोपियों की करोड़ों की अवैध संपत्तियां अब तक जमींदोज की जा चुकी हैं।

प्रशासन का स्पष्ट संदेश है कि अवैध कारोबार और निर्माण किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। कानून तोड़ने वालों को अब सिर्फ जेल नहीं, बुलडोजर का सामना भी करना होगा।

दिव्यांगों को वितरित किए गए उपकरण

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। लेखपाल ट्रेनिंग सेन्टर सभागार में आयोजित सामा. जिक अधिकारिता शिविर में बुधवार को तहसील क्षेत्र के 362 दिव्यांगों को उपकरण वितरित किए गए। प्रदेश के कानपुर की एक कम्पनी द्वारा एक माह पहले तहसील में लगाए गए पंजीकरण शिविर में 60 साल से ऊपर के दिव्यांगजनों को चिन्हित किया गया था, जिन्हें बुधवार को लेखपाल ट्रेनिंग सेन्टर सभागार में विधायक डॉक्टर एमपी आर्य, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर एके गंगवार, भदपुरा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रवि शंकर गंगवार, एसडीएम उदित पवार, तहसीलदार दुष्यन्त प्रताप सिंह ने इन्हें उपकरण वितरित किए। आयोजन में भाजपा नेता राजीव गंगवार के साथ ही कम्पनी के प्रतिनिधि हिमांशु शर्मा मौजूद रहे। विधायक डॉक्टर एमपी आर्य ने कहा जो कि दिव्यांग उपकरण मिलने से वंचित रह गए हैं, उन्हें भी जल्द उपकरण वितरित किए जाएंगे। तहसीलदार दुष्यन्त प्रताप सिंह ने आयोजन में आए अतिथियों का स्वागत किया।

पुलिस को मिला नया डम्पिंग यार्ड एसएसपी ने किया उद्घाटन

■ थानों से हटेंगे लावा. रिस और सीज वाहन, अब एक ही जगह होंगे सुरक्षित

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। शहर की पुलिस को अब थानों में जाम लगाते लावा. रिस और मुकदमों में जब्त वाहनों से छुटकारा मिलने वाला है। एसएसपी अनुराग आर्य ने थाना इज्जतनगर क्षेत्र में बने आधुनिक डम्पिंग यार्ड का विधिवत उद्घाटन किया। इस यार्ड में अब तक थानों में धूल खा रहे हजारों वाहनों को एक छत के नीचे लाकर सुरक्षित रखा जाएगा।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि यह यार्ड न केवल पुलिस के कार्य को आसान बनाएगा, बल्कि थानों में जगह की कमी की समस्या से भी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस यार्ड में वाहनों की सुरक्षा से

लेकर उनके रिकॉर्ड और नीलामी प्रक्रिया तक सबकुछ व्यवस्थित होगा। उन्होंने पारदर्शिता और जवाबदेही की बात दोहराते हुए कहा कि समय-समय पर उच्च अधिकारियों की निगरानी भी सुनिश्चित की जाएगी।

एसएसपी ने कहा कि इस यार्ड से शहर की सफाई और व्यवस्थापन में भी मदद मिलेगी। बेकार खड़े वाहनों की वजह से न तो थानों की छवि खराब होगी, और न ही आम जनता को किसी तरह की परेशानी होगी।

उद्घाटन कार्यक्रम में एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी देहात उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्र, एसपी ट्रैफिक यातायात मोहम्मद अकमल खान, सीओ नगर प्रथम आशुतोष शिवम, सीओ नगर तृतीय पंकज श्रीवास्तव, सीओ हाईवे नीलेश मिश्र सहित थाना इज्जतनगर के प्रभारी निरीक्षक व अन्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

स्मैक के साथ तस्कर दबोचा, भेजा जेल

शाह टाइम्स संवाददाता

फतेहगंज पश्चिमी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर स्मैक तस्कर को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया।उसके पास से पुलिस ने 11 ग्राम स्मैक बरामद की है।

मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर रहपुरा अंडरपास से राधा कृष्ण मन्दिर को जाने वाली सर्विस रोड से मो अयान पुत्र इजाज हुसैन उम्र 19 बर्ष निवासी मोहल्ला सराय कस्बा व थाना फतेहगंज पश्चिमी के पास स्मैक बरामद की गई। थाना लाकर पूछताछ करने पर आरोपी ने बताया कि साहब एक व्यक्ति कस्बा फतेहगंज पश्चिमी से आता है और यह माल देकर चला जाता है जिसको मैं कुछ बढ़ाकर रुपए में बेच देता हूं जिससे कुछ रुपए कमा लेता हूं आरोपी से कस्बे से आने वाले व्यक्ति का नाम पता पूंछा तो कहने लगा कि साहब नाम मुझे नहीं पता। पुलिस ने स्मैक में गिरफ्तार आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्र पाल सिंह, एसआई पुनीत मेहरा, हेड कांस्टेबल मोहित कुमार,कांस्टेबल लवी कुमार शामिल रहे।

थाना प्रभारी ने कोटेदारों के साथ की मीटिंग

शाह टाइम्स संवाददाता

देवरनियां। कोतवाली देवरनियां में बुधवार को आगामी मुहर्रम व सावन में कांवड़ यात्रा को लेकर क्षेत्र के कोटेदारों के साथ एक मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें थाना प्रभारी आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि कोटेदार गांव की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसका जुड़ाव जनता से अधिकतर रहता है। उन्होंने समस्त कोटेदारों से आगामी आने वाले त्यौहारों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि आप सभी का सहयोग शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिये महत्वपूर्ण है।

मात्र चौदह दिन में थाना प्रभारी ने बनाई अपनी अलग पहचान

थाना शेरगढ़ से तबादला होकर आए थाना प्रभारी आशुतोष द्विवेदी को देवरनियां थाने का चार्ज लिए मात्र चौदह दिन हुए हैं, मगर इतने कम समय में ही उन्होंने अपनी अच्छी कार्य कुशलता के चलते जनता के बीच एक अलग पहचान बना ली है। थाने पर फरियाद लेकर आए सभी पीड़ितों की बात बड़े ध्यान से सुनकर उसका निराकरण कराना उनके कार्य करने का एक प्रमुख तरीका है।

उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करेंगे, अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। अपराधियों व उन्हें शरण देने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए कार्रवाई करेंगे।

मोहर्रम के पर्व का व्यवस्था बनाए रखने को लेकर डीएम-एसएसपी ने किया निरीक्षण

■ बैठक के बाद डीएम व एसएसपी ने लाव लशकर के साथ किया फ्लैग मार्च

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। डीएम अविनाश सिंह की अध्यक्षता में तथा एसएसपी अनुराग आर्य की उपस्थिति में बुधवार को मोहर्रम के पर्व पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के सम्बंध में पीस कमेटी की बैठक पुलिस लाइन स्थित रविन्द्रालय सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक में ताजियादारों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में जानकारी दी, जिसपर डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निस्तारण करने के निर्देश दिये।

बैठक में डीएम ने कहा कि बहुत अधिक हाईट के ताजियों और अलम (झंडे) विद्युत के सम्पर्क में आने पर कई जनपदों में दुर्घटनाएं हुई हैं, इसलिए सभी ताजियादार इस पर विशेष ध्यान दें यह आप सभी की सुरक्षा के लिए है। उन्होंने निर्देश दिए कि डीजे भी बहुत बड़े साइज या तीव्र ध्वनि के नहीं होने चाहिये, क्योंकि निर्धारित ध्वनि के आदेश पूर्व से पारित हैं, किसी बड़े-बुजुर्ग बीमार को कोई दिक्कत न हो। उन्होंने कहा कि मैं नहीं हम बन कर कार्य करें तो कोई समस्या नहीं आयेगी।

डीएम ने निर्देश दिए कि मोहर्रम में कोई भी नई परम्परा न डाली जाए, तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जुलूस के

मार्गों पर साफ-सफाई आदि की व्यवस्था को दुरुस्त रखा जाए। उन्होंने कहा कि आपकी प्रत्येक समस्या पर कार्यवाही की जायेगी, आप भी अपना सहयोग बनाये रखें।

बैठक में एसएसपी ने विकास कार्यों की रैंकिंग में जनपद के नम्बर वन पर आने पर डीएम को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कानून व्यवस्था को लेकर जीरो टालरेन्स को नीति है। कानून व्यवस्था बिगड़ने का सीधा असर गरीब आदमी पर पड़ता है।

ताजिया जहां रखे जाते हैं, वहीं पर रखे जायें तथा जिस रास्ते से ताजिया ले जाया जाता रहा है, उसी रास्ते से लेकर जायें व कोई नयी परम्परा न डाली जाए। उन्होंने कहा कि ऐसा देखा जाता है कि जुलूस अचानक दूसरे रास्ते की ओर निकल पड़ता है ऐसा नहीं होना चाहिए।

बैठक में निर्देश दिए गए कि निर्धारित मानक से बड़े डीजे न लगाए जायें, डीजे का साइज 12x16 से ज्यादा नहीं होना चाहिये, बड़े डीजे पर लोग उसके ऊपर चढ़कर बैठ जाते हैं तो दुर्घटना की सम्भावना बनी रहती है। ताजियों के साथ अलम (झंडे) भी होते हैं जो काफी ऊंचे हो सकते हैं, इसपर विशेष ध्यान रखें कि कहीं विद्युत तार आदि के सम्पर्क में न आयें। उन्होंने कहा कि जिसने भी खुराफात करने की कोशिश की उसे पुलिस व प्रशासन की सख्ती से निपटेगा। उन्होंने कहा कि कोई समस्या हो तो अवगत कराएं, समस्या का निस्तारण किया जाएगा।

बैठक में नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक, पुलिस अधीक्षक देहात, पुलिस अधीक्षक दक्षिणी, पीस कमेटी के सदस्य सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक के बाद डीएम व एसएसपी ने पूरे दल बल के साथ मीरा की पैठ, जगतपुर, कांकर टोला, शाही नूरी मस्जिद होते हुए जोगी नवादा स्थित वनखंडी नाथ मंदिर तक फ्लैग मार्च किया।

एक नजर

मुहर्रम की आमद से पहले शियां समुदाय में तैयारियां जोरों पर

शाह टाइम्स संवाददाता

इमामबाड़ों में रंग-रोगन का अंतिम दौर, चांद दिखते ही शुरू होगा मजलिसों का सिलसिला

बरेली। शियां समुदाय में इस्लामी साल के पहले माह मुहर्रम उल हराम के इस्तकबाल की तैयारियां अपने चरम पर हैं। नवासा-ए-रसूल हजरत इमाम हुसैन अ.स. और कर्बला के शहीदों की याद में मनाए जाने वाले इस माह में गम और अजादारी का माहौल रहता है।

शहर के प्रमुख इमामबाड़ों-मोहम्मद शाह, हकीम आगा साहब, वसी हैदर, छिद्दी मोहम्मद, मेहबूब हुसैन, मुबारक महल, दीवान खाना, कबीर हसन, बरिस्टर साहब, मरकजी इमामबाड़ा फतेह अली शाह (काला इमामबाड़ा), लीची बाग, किला छावनी और पुराना शहर में रंगाई-पुताई और सजावट का अंतिम दौर चल रहा है।

चांद के दीदार के साथ ही शियां समुदाय में मजलिसों का सिलसिला शुरू हो जाएगा। हर इमामबाड़े में मजलिसों को खिताब करने के लिए उलेमा और जाकिरीन की नियुक्ति पहले ही कर दी गई है। मातमी अंजुमनें भी ताजिए और जुलूसों को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए पूरी तरह से कमर कस चुकी हैं।

अंजुमन गुलदस्ता-ए-हैदरी के मीडिया प्रभारी कघजी रिजवान अहमद ने बताया कि मुहर्रम का चांद गुरुवार को दिखाई देने की संभावना है। चाँद नजर आते ही शियां समुदाय दो माह आठ दिन तक काले लिबास में गम मनाते हैं और हर रोज मजलिसों का आयोजन होता है।

अधिवक्ता प्रदीप सूरी बने सुशासन विभाग के जिला संयोजक

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रदीप सूरी को सुशासन विभाग का जिला संयोजक बनाया गया है। भाजपा के लखनऊ कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित किया गया।

संगठन के प्रदेश संयोजक/पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉक्टर सूर्य कुमार ने कस्बे के प्रदीप सूरी को संगठन का जिला संयोजक नियुक्त किया है। उनकी इस नियुक्ति पर विधायक डॉक्टर एमपी आर्य, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष रवींद्र सिंह राठौर, भाजपा नेता राजकुमार गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि नीरेंद्र सिंह राठौर, विनोद गुप्ता, सुरेश चंद शुक्ला, प्रिया शंकर आदि ने श्री सूरी की नियुक्ति पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

फैक्टरी में करंट लगने से कर्मचारी की मौत

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। बिशारतगंज थाना क्षेत्र के गांव अखा निवासी युवक आकाश की बुधवार सुबह काम के दौरान करंट लगने से मौत हो गई। घटना उस समय हुई, जब आकाश बुखारा मोड़ के पास स्थित एक फर्टिलाइजर जिंक फैक्टरी में ड्यूटी पर था।

मृतक के भाई कमल ने बताया कि फैक्टरी के सुपरवाइजर रचित सक्सेना ने उसे लोहे की जाली स्टोर में रखने के लिए भेजा था। स्टोर के पास तीन फेस की लाइन पहले से ही शॉर्ट थी, जिसमें जाली के छूते ही आकाश करंट की चपेट में आ गया और बेहोश होकर गिर पड़ा।

मौके पर मौजूद अन्य कर्मचारियों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जैसे ही यह खबर मृतक के परिजनों तक पहुंची, घर में कोहराम मच गया। आकाश की पत्नी कुमकुम और मां मुन्नी देवी का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

आकाश की शादी एक साल पहले थाना इज्जतनगर क्षेत्र के मालगोटिया निवासी कुमकुम से हुई थी। आकाश तीन भाईयों में सबसे बड़ा था। वह फैक्टरी में काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। परिवार वालों ने फैक्टरी प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया है।

टॉप-10 अपराधियों और गैंगस्टरों पर करें सख्त कार्रवाई: डीआईजी

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। डीआईजी रेंज अजय कुमार साहनी ने मंगलवार को रेंज के चारों एसएसपी और एसपी के साथ आगामी त्योहारों को लेकर कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। उन्होंने रेंज के टॉप-10 अपराधियों और गैंगस्टरों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने मुख्यमंत्री स्तर पर हुई समीक्षा बैठक के बिंदुओं पर जिलों की स्थिति जानी। उन्होंने माफिया के खिलाफ की गई कार्रवाई, लंबित विवेचनाओं, इनामी और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी की प्रगति देखी और एससी-एसटी एक्ट, महिला उत्पीड़न, दहेज हत्या, बलात्कार, पॉक्सो जैसे गंभीर मामलों पर सख्त रवैया अपनाने को कहा। उन्होंने कहा कि महिला अपराधों में तेजी से कार्रवाई हो और दोषियों को जेल भेजा जाए। मिशन शक्ति अभियान को पूरी ताकत के साथ चलाया जाए। डीआईजी ने साइबर थानों और अन्य थानों पर साइबर अपराधों की विवेचना की समीक्षा करते हुए कहा कि इन मामलों को हल्के में न लें। इन पर गंभीरता से काम करें और तकनीकी टीमों को मजबूत करें। इसके अलावा बैठक में पुलिसकर्मियों की पेंशन, लंबित भुगतान और मृतक आश्रितों की नियुक्तियों की देरी के सभी मामलों को प्राथमिकता में रखकर निस्तारण के आदेश दिए। उन्होंने ब्लैक स्पॉट की पहचान, सड़क हादसों के आंकड़ों की समीक्षा और इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस में अपडेट की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था चुस्त हो और हादसों पर रोक लगे। डीआईजी साहनी ने दो टूक कहा कि हर जिले में एसएसपी और एसपी खुद मॉनिटरिंग करें और छोटी से छोटी सूचना पर तुरंत एक्शन लें।

बाहर वाली महिला से बात करने पर पति-पत्नी में विवाद

■ चार माह की पुत्री को छीन पत्नी को मारपीट कर निकाला, कप्तान के आदेशों पर रिपोर्ट

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। तेरी हत्या कर दूसरी शादी करूंगा, ताकि तू बाधा न बने, पति की इस धमकी से विवाहिता ने परेशान होकर पति और सास, ननद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

घटना कस्बे से सटे गांव रिछोला किफायतुल्ला की है। गांव की एक महिला की शादी गांव के राहुल गुप्ता से हुई थी। दोनों से एक चार माह की पुत्री है। आरोप है कि विवा. हिता का पति राहुल गुप्ता किसी अन्य महिला से बात कर रहा था, जिसके बारे में पत्नी ने पूछ लिया, पूछना उसके लिए जी का जंजाल बन गया, और पति ने साफ साफ कह दिया कि तुझे छोड़कर किसी दूसरी महिला से शादी करूंगा।

आरोप है कि पति ने कहा तेरी हत्या कर मैं दूसरी शादी करूंगा, जिससे तू बाधा न बने। आरोप है कि उसके पति राहुल गुप्ता को सास चिन्ता देवी और ननद पूनम गुप्ता उकसाने का का काम करती हैं। गुजरी 21 जून को सभी ने मिलकर विवाहिता को बुरी तरह से मारा पीटा, और चार माह की पुत्री को छीनकर घर से निकाल दिया। विवा. हिता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज कराए जाने की गुहार लगाई थी, जिसपर पुलिस ने कप्तान के आदेशों पर सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

व्यापारी नेता की पिटाई का वीडियो वायरल होने के बाद एक और वीडियो वायरल

■ वायरल करने वालों के खिलाफ पुलिस को दी तहरीर

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। कस्बे के एक व्यापारी नेता राजीव गुप्ता की पिटाई का वीडियो वायरल होने के बाद बुधवार को दो युवकों की पिटाई का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।

मालूम हो एक माह पहले क्षेत्र के गांव खामपुर उर्फ गंगापुर के रहने वाले रजनीश गंगवार और उनके एक साथी की कस्बे के अंबेडकर पार्क के निकट दूसरी ओर से आ रहे कार चालक से विवाद हो गया था, जिसपर दबंगों ने उनकी पिटाई कर दी थी।

इस मामले में रजनीश गंगवार द्वारा पिता पुत्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

उस समय तो मामला ठंडा पड़ गया था, लेकिन जैसे ही व्यापारी नेता राजीव गुप्ता की पिटाई का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद बुधवार को रजनीश गंगवार की पिटाई का वीडियो वायरल कर डाला।

वीडियो वायरल होने के बाद वुधवार को रजनीश गंगवार द्वारा वीडियो वायरल करने वालों के खिलाफ

पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। रजनीश गंगवार ने बताया कि उन्होंने जब वीडियो वायरल करने वाले से बात की तो उसने उल्टे उसे धमकी दे डाली।

सबसे ज्यादा शिकायतें आने वाले गांवों का भ्रमण करें अधिकारी: डीएम

■ डीएम ने आईजीआरएस की समीक्षा बैठक की

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को आईजीआरएस की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता में से एक है, जिसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि जिन गांव से सबसे अधिक शिकायतें प्राप्त हो रही हैं उस गांव का भ्रमण कर शिकायतों का

निस्तारण अतिशीघ्र किया जाए।

बैठक में पाया कि खण्ड विकास अधिकारी मीरगंज की एक शिकायत पर फीडबैक लिया गया जोकि असंतुष्ट फीडबैक में प्राप्त हुआ, जिसपर नाराजगी व्यक्त करते हुये शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिये। समस्त अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि यदि शिकायतकर्ता शिकायत के निस्तारण से असंतुष्ट है तो उसकी असंतुष्ट फीडबैक के साथ उसकी फोटो भी लगाई जाये।

बैठक में पाया कि दमखोदा में आवारा पशुओं की शिकायतें अधिक आ रही हैं, जिसपर खण्ड विकास अधिकारी दमखोदा को शीघ्र शिकायत का निस्तारण करने के निर्देश दिये। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह सहित समस्त सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत जसाई नागर विकासखण्ड बहेड़ी (बरेली)

निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत जसाई नागर विकासखण्ड बहेड़ी (बरेली) में वित्तीय वर्ष 2025-2026 की कार्य योजना के अनुसार पंचम राज्य वित्त आयोग, पन्द्रहवां केंद्रीय वित्त आयोग, मनरेगा, एस एल डब्ल्यू एम, ओ.एस.आर. फण्ड आदि की धनराशि से कराये जाने वाले कार्य यथा, नाली, खड़ंजा, सीसी रोड, इंटरलॉकिंग, पुलिया ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन वर्षा ऋतु जल संचयन मल्टीपल हैण्डवॉशिंग, रनिंग वाटर प्राथमिक विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में कायाकल्प, खेल मैदान, पार्क और ओपन जिम, टायलीकरण, स्कूल की बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य, बाउन्ड्रीवाल स्टेशनरी क्रय, ह्यूम पाइप क्रय, ठेलियां क्रय/मरम्मत, मेडिकल उपकरण क्रय, दवा, छिड़काव, गौशाला पर व्यय, स्ट्रीट लाइट, सोलर लाइट, समर्सिबल, हैण्डपम्प रिबोर/मरम्मत, वॉलपेंटिंग, डस्टविन एवं सूचना बोर्ड की स्थापना आदि कार्य कराये जाने हेतु प्रथम श्रेणी की ईंट, सीमेन्ट, महीन रेता, मौरंग, बजरी ईंट, रोड़ा सरिया, इन्टरलॉकिंग टाइल्स, ह्यूम पाइप, टंकी, समर्सिबल पम्प, टाइल्स, पाइप, टोंटी, पेंट, विद्युत उपकरण फर्नीचर आदि के क्रय हेतु सीलबन्द निविदायें टेंडर प्रकाशन की तिथि से दिनांक 30.06.2025 को समय दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जिन्हें दिनांक 30.06.2025 को अपरान्ह 3:00 बजे निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष कार्यालय ग्राम पंचायत पर खोला जायेगा।

निविदा को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। कार्य योजना/कार्यों का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

(प्रधान) (सचिव)

शाह टाइम्स आपके साथ....

हमें बताएं अपने इलाके की समस्या

प्रिय पाठक, शहर में यदि आपके घर के आसपास या इलाके में सड़क टूटी होने, कूड़ा न उठने जैसी कोई ऐसी समस्या है जो तमाम लोगों को परेशान कर रही है तो फोटो के साथ हमें लिख भेजें। हम आपकी समस्या को प्रमुखता से अपने अगले अंक में प्रकाशित करेंगे। शाह टाइम्स के व्हाट्सएप नंबर 9720775874 पर अपनी समस्या आप हमें भेज सकते हैं।

राज्य महिला आयोग की सदस्य ने की महिला जनसुनवाई

■ योजना का व्यापक प्रचार प्रसार कर पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ दिलायें

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता सैनी ने विकास भवन सभागार में महिला जनसुनवाई की। सदस्य ने जनसुनवाई के दौरान पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारी एवं थाना प्रभारी से दूरभाष पर वार्ता कर प्रकरण की जांच कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि सरकार की मंशानुरूप उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग महिला उत्पीड़न की रोकथाम तथा पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित प्रकरण संज्ञान में आने पर तत्काल जांच कराकर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

महिला जनसुनवाई में 09 पीड़ित महिलाओं ने सदस्य को प्रार्थना पत्र देकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। जनसुनवाई में अधिकतर मामले वृद्धा पेंशन, भूमि विवाद, घरेलू हिंसा, आवास की समस्या व तीन तलाक से सम्बन्धित रहे। सदस्य ने अधिकारियों से विभिन्न विभागों द्वारा चलायी जा रही महिलाओं के उत्थान से सम्बन्धित कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले गरीब लोगों में योजनाओं से जुड़ी जानकारी का व्यापक प्रचार प्रसार करायें, जिससे पात्र को योजना का लाभ दिलाया जा सके। इस अवसर पर परियोजना निदेशक (डीआरडीए) दिग्विजय नाथ तिवारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी जितेन्द्र जायसवाल, समाज कल्याण अधिकारी सूरज कुमारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी प्रतिभा पाल, महिला थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सांसद से स्वार सीएचसी में अल्ट्रासाउंड मशीन लगवाने के लिए उठाई मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

स्वार। बुधवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर व तहसील अध्यक्ष अनवर अली की दुकान पर सांसद मोहिबुल्लाह नदवी पहुंचे नगर अध्यक्ष अनवर अली ने सांसद को सरकारी अस्पताल स्वार में अल्ट्रासाउंड मशीन तथा सर्जन डॉक्टर ना होने की कमी को लेकर एक पत्र सांसद को सौंपा।

इस दौरान उन्होंने ने सरकारी अस्पताल स्वार का निरीक्षण किया। नगर अध्यक्ष अनवर अली ने उनसे मांग करते हुए कहा कि सरकारी अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन और सर्जन डॉक्टर की तैनाती हो जाती है तो स्वार की जनता का भला हो सकता है।

सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने आश्वासन दिया की सरकारी अस्पताल में जो भी कमियां हैं उनको जल्द से जल्द दूर कराया जाएगा। इस मौके पर चिकित्सा प्रभारी डॉ अजीम अहमद, अध्यक्ष अनवर अली, अजीज मियां, हाशिम शान, मुशर्रफ अली, फुरकान अली, इरफान अली, रईस, रेहान अली रेहान, शकिर, आलम अहमद, अंजार अहमद, गुड्डू, हाफिज आदि पदाधिकारी व व्यापारी तथा सम्मानित जनता मौजूद रही।

पत्नी ने ससुराल पहुंचकर पति के घर में की तोड़फोड़

शाह टाइम्स संवाददाता

पटवाई/रामपुर। पति पत्नी के विवाद में पत्नी बुधवार सुबह ससुराल पहुंची और घर में घुसकर तोड़फोड़ कर दी। पति आकाश ने आरोप लगाया है कि पत्नी के साथ कुछ आदमी भी थे। जिन्होंने कार का शीशा तोड़ दिया। पति आकाश ने बताया कि पति पत्नी का विवाद हम दोनो में चल रहा है। जिसका मुकदमा रामपुर कोर्ट में चल रहा है। कोर्ट में मुकदमा चलने के बाद भी पत्नी मेरे पीछे आई और घर में घुसकर तोड़फोड़ करके चली गई। पति आकाश ने कहा कि मैं अपनी पत्नी को रखना चाहता हूं। लेकिन साथ में आए लोगों ने कार का शीशा तोड़ा घर में घुसकर तोड़फोड़ की। पति आकाश ने बुधवार को पटवाई थाने पहुंचकर पत्नी सहित दो के खिलाफ शिकायत पत्र दिया है। और पुलिस कोर्ट के आदेश अनुसार पत्नी को रखना चाहता है।

वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद, दी तहरीर

क्रिकेट मैच खेलने में कहासुनी होने पर सात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

शहजादनगर/रामपुर। मामला शहजादनगर थाना क्षेत्र के खजुरिया गांव से जुड़ा है। गांव निवासी भूरा पुत्र गुलाम हुसैन ने शहजादनगर पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाते हुए कहा है कि बीते तीन दिन पूर्व भूरा का भतीजा सलमान पुत्र रईस गांव में ही कुछ लड़कों के साथ मैच खेलने गया था। इस दौरान उसकी कहासुनी रोहित, मोहित पुत्र महेंद्र यादव व विकास, रवि यादव, अशोक और अंकित से हो गई। जिसके बाद बात इतनी बढ़ गई की नौबत मारपीट तक पहुंच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह मामले को शांत कराया तो आरोप लगाया है कि महेंद्र यादव अपने कुछ साथियों को लेकर और लाइसेंसी रिवॉल्वर के साथ रईस के घर में घुस पहुंच गया और जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट शुरू कर दी। जिससे मारपीट में रईस के दांत भी टूट गए। जिसके चलते गांव में शोर शराबा होता देख आरोपी मौके से रिवॉल्वर लहराते हुए फरार हो गए। जिसके बाद पुलिस ने तहरीर के आधार पर रोहित, मोहित पुत्र महेंद्र यादव, विकास, रवि यादव पुत्र होते लाल, अशोक, अंकित पुत्र पप्पू के साथ नौ अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की कार्यवाही की है। साथ ही पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सैफनी नगरी बनीं पावन धाम

चारों ओर से आम जनमानस को प्राप्त होता है ईश्वर का आशीर्वाद

शाह टाइम्स संवाददाता

सैफनी/रामपुर। नगरी एक पवित्र तीर्थ स्थान के रूप में भी संपूर्ण भारत में जानी जाती है कहा जाता हैं कि नगर में स्थित महाभारत कालीन प्राचीन माता बेला भवानी शक्ति पीठ धाम की चर्चा संपूर्ण भारत में की जाती है।कहा जाता है कि शक्ति पीठ धाम महाभारत के समय से स्थित है बताया जाता है कि जिस समय कुरुक्षेत्र में कौरवों और पांडवों के बीच महाभारत हुई थी।

वहीं कौरवों की तरफ से राजा भूरिश्रवा ने युद्ध लड़ा उनके दादा का नाम बहलिका और पिता का नाम सोमदत्त था भूरिश्रवा बहलिका राज्य में स्थित एक छोटे से क्षेत्र का राजकुमार था भूरिश्रवा के दादा बहलिका राजा शांतनु के बड़े भाई थे इस कारण भूरिश्रवा कुरुवंशी थे कहा जाता है कि राजा भूरिश्रवा के पास एक भूरी नाम की हथनी पालता था जिस बह सवारी भी किया करता था। भूरी हथनी के नाम पर राजा का नाम भूरिश्रवा पड़ा कहते है कि माता बेला भवानी का अनन्य भक्तों में से एक भक्त माना जाता है कहते है माता बेला भवानी ने राजा भूरिश्रवा को साक्षात दर्शन दिए और कहा कि राजन तुम्हें में तुम्हारी भक्ति से प्रसन्न होकर तुम्हें वरदान देती है कि तुमने जिस दिन मेरे दर्शन नहीं किए उसी दिन तुम्हारी मृत्यु हो जाएगी। तब से कुरुक्षेत्र से बह रोजाना माता बेला भवानी के दर्शन करने सैफनी शक्ति पीठ धाम पर अपनी हथनी पर बैठकर आकर दर्शन का वापिस लौट जाया करता था। राजा भूरिश्रवा इंद्र के समान पराक्रमी योद्धा था एक दिन ऐसा ही हुआ कि युद्ध के दौरान वह माता बेला भवानी सिद्ध शक्ति पीठ सैफनी ना आ सका और युद्ध में

मारा गया। माता बेला भवानी के दर पर जो मन्नतें लेकर आता है उसकी मन्नत अवश्य पूरी होती है। शक्ति पीठ धाम पर चौत्र नवरात्रि व क्वार की नवरात्रि पर बहुत भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिलती है तथा श्रद्धालु भंडारों का भी आयोजन भी चलता रहता है। सैफनी नगर के चारों दिशाओं में देवी देवताओं का वास है पूर्व दिशा में गुरुवाला सिद्ध समाधि तथा पश्चिम दिशा में माता बेला भवानी सिद्ध शक्ति पीठ धाम उत्तर दिशा में माता गंगा दक्षिण दिशा में बाबा भूरेशाह मियां की ज्यारत बनी हुई है।

इस नगर की जनता पर इन सभी का आशीर्वाद बना हुआ है इसीलिए यह नगरी खुशहाल तथा आम जनता को ज्यादा परेशानियां नहीं उठानी पड़ती है। इसी तरह मातारानी का आशीर्वाद सदा बना रहे।

किसान के मकान में नकब लगाकर लाखों की चोरी

शाह टाइम्स संवाददाता

शहजादनगर/रामपुर। थाना क्षेत्र में जैसे ही मौसम ने करवट ली वैसे ही चोरों उचक्के भी सक्रिय होते नजर आ रहे हैं। जिसके चलते बीते दिन रात्रि में एक किसान के घर को निशाना बना लिया और लाखों की माल पर हाथ साफ कर दिया। जिसकी सूचना ग्रामीण ने चौकी पुलिस को दे दी है। घटना थाना क्षेत्र के पैगंबरपुर गांव की है। गांव निवासी विजयपाल पुत्र छोटेलाल गांव में ही मेहनत मजदूरी कर अपनी गुजर बशर करता है। विजयपाल ने बताया कि बीते दिन मंगलवार की देर शाम वह अपने परिवार के साथ गर्मियों के चलते घर के बाहर आंगन में अपने परिवार के साथ सोया था। जिसके चलते चोरों ने रात्रि का फायदा उठाते हुए घर के पीछे की दीवार में नकब

लगा दिया और घर में रखें कुछ नगदी समय सोने चांदी के आभूषणों पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। जब रात्रि में किसी समय विजयपाल की आंख खुली तो दीवार में कोमल लगा देख उसके होश उड़ गए। जिसके बाद गांव में भी लोग जग गए। देखते ही देखते मौके पर तमाम ग्रामीण भी एकत्र हो गए। विजय पाल ने बताया कि धान की खेती में लगाने के लिए उसने 80 हजार रुपए की रकम रखी थी।

बच्चों के कुछ सोने व चांदी के आभूषण भी रखे थे। जोकि चोर चोरी कर ले गए। पीड़ित ने मामले की जानकारी धमोरा चौकी पुलिस को तहरीर के आधार पर दे दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

डिप्टी सीएम का केक काटकर मनाया जन्मदिन

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। बुधवार को राष्ट्रीय जागरूक हिंदू महासंघ की ओर से उप मुख्यमंत्री आदरणीय ब्रजेश पाठक के जन्मदिन के अवसर पर नगर अध्यक्ष दीपा गुप्ता (पत्नी भारत भूषण गुप्ता वरिष्ठ भाजपा नेता) के निवास पर पूरे उत्साह के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता दीप गुप्ता ने की साथ ही उप मुख्यमंत्री के लिये प्रार्थना की गई की ईश्वर हमेशा उनको स्वस्थ और दीर्घायु बनाये।

राष्ट्रीय जागरूक के सभी पदाधिकारियों ने केक काटकर उन्हें बधाई दी। और उनकी लम्बी आयु की कामना की।

साथ नवनिर्वाचित पदाधिकारी राष्ट्रीय सचिव विशाल शर्मा का

पटका पहना कर मंडल प्रभारी विशाल गुप्ता और जिला अध्यक्ष संजय शर्मा ने स्वागत किया। कार्यक्रम की प्रभारी राष्ट्रीय सचिव कंचन सक्सेना रही संचालन वीरांगना मांगलिक और सीमा शर्मा ने किया एड. सुधीर शर्मा एड. अंकुश सक्सेना, वेद प्रकाश आहूजा, जयदीप, विनय दीक्षित, तेजपाल, खुशी वर्मा उपस्थित रहे।

देश का सबसे काला अध्याय आपातकाल: अशोक कटारिया

बोले कटारिया- कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल को यह देश कभी भूल नहीं सकता

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। जनपद में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करने, उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार (सदस्य विधान परिषद) अशोक कटारिया, जिला सहकारी बैंक, रामपुर के सभागार गृह पहुंचे, और उपस्थित प्रेस के बंधुओ को संबोधित किया। प्रेस वार्ता में पूर्व राज्य मंत्री शिव बहादुर सक्सेना, जिला प्रभारी चौधरी राजा वर्मा, पिछड़ा राज आयोग के उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल, जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष ख्यालीराम लोधी, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष मोहनलाल सैनी, जिला मीडिया प्रभारी अर्जुन रस्तोगी, नगर पालिका अध्यक्ष चित्रक मित्तल, ब्लॉक प्रमुख जगपाल यादव, कुलवंत औलख, यूसुफ अली, मोहित सैनी, आदि जन प्रतिनिधि और पदाधिकारी मौजूद रहे। अशोक कटारिया ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा, 25 जून 1975 की आधी रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने श्आंतरिक

अशांतिश का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोप दिया। यह निर्णय किसी युद्ध या विद्रोह के कारण नहीं, बल्कि अपने चुनाव को रद्द किए जाने और सत्ता बचाने की हताशा में लिया गया था। कांग्रेस पार्टी ने इस काले अध्याय में न केवल लोकतांत्रिक संस्थाओं को रौंदा, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कुचलकर यह स्पष्ट कर दिया कि जब-जब उनकी सत्ता संकट में होती है, वे संविधान और देश की आत्मा को ताक पर रखने से पीछे नहीं हटते। आज 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है, आज भी सिर्फ तरीकों का बदलाव हुआ है, नीयत आज भी वैसी ही तानाशाही वाली है।

मार्च 1971 में लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीतने के बावजूद इंदिरा गांधी की वैधानिकता को चुनौती मिली। उनके विपक्षी उम्मीदवार राज नारायण ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनाव को भ्रष्ट आचरण और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आधार पर चुनौती दी। देश की अर्थव्यवस्था मंदी के दौर से गुजर रही थी, जिससे जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा था। देश पहले से ही आर्थिक

बदहाली, महंगाई और खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था। बिहार और गुजरात में छात्रों के नेतृत्व में नव निर्माण आंदोलन खड़ा हो चुका था। 8 मई 1974 को जॉर्ज फर्नांडिस के नेतृत्व में ऐतिहासिक रेल हड़ताल ने पूरे देश को जकड़ लिया।

इस आंदोलन को रोकने के लिए 1974 में गुजरात में इंदिरा गांधी ने राष्ट्रपति शासन लगा दिया। यही राष्ट्रपति शासन 1975 में लगने वाले आपातकाल की एक शुरुआत थाध। इसके साथ ही बिहार में कांग्रेस सरकार के खिलाफ असंतोष बढ़ने लगा और 1975 में हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। 12 जून 1975 को कोर्ट ने इंदिरा गांधी को चुनाव में दोषी ठहराया और उन्हें 6 वर्षों तक किसी भी निर्वाचित पद पर रहने से अयोग्य करार दिया। इसके बाद राजनीतिक अस्थिरता तेजी से बढ़ी, जिससे घबराकर इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को श्आंतरिक अशांतिश का हवाला देकर राष्ट्रपति से आपातकाल लगा दिया। रातोंरात प्रेस की बिजली काटी गई, नेताओं को बंदी बनाया गया और 26 जून की सुबह देश को तानाशाही की सूचना रेडियो के माध्यम से दी गई।

कृष्ण जन्मभूमि मथुरा से दर्शन कर लौटे कार्यकर्ताओं का किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक/रामपुर। अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल के सातवें स्थापना दिवस के अवसर पर मिलक से श्री कृष्ण जन्मभूमि मथुरा तक पैदल यात्रा करके लौटे राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला उपाध्यक्ष सर्वराज सिंह यादव एवं विकास खण्ड चमरौआ के अध्यक्ष विक्की यादव का कार्यालय पर जोरदार स्वागत किया गया। जिला अध्यक्ष आदेश शंखधार ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण जन्मभूमि अति शीघ्र कब्जा मुक्त हो, और अयोध्या की तरह मथुरा में भी भव्य मॉदिर का निर्माण किया जाए इसी कामना को लेकर हमारे संगठन के पदाधिकारी मिलक से मथुरा लगभग 220 किमी की पैदल यात्रा पर गए थे। हमें अपने न्यायालय पर पूर्ण विश्वास है कि अति शीघ्र भगवान श्री कृष्ण की जन्मभूमि कब्जा मुक्त होगी और भव्य मॉदिर का निर्माण होकर भक्तगणों को सुगमता पूर्वक दर्शन प्राप्त हो सकेंगे। स्वागत करने वालों में नगर अध्यक्ष ब्रह्माशंकर पाण्डेय, विमल सिंघल, प्रमोद गुप्ता, पुष्पेंद्र गंगवार, आदि लोग मौजूद रहे।

दुकान के सामने खड़ी बाईक में लगी आग

शाह टाइम्स संवाददाता

सैफनी/रामपुर। नगर में बुधवार को छितौनी मार्ग पर स्थित नौशाद मेडिकल के सामने एक बीज भंडार की दुकान के सामने सुबह लगभग ग्यारह बजे एक बाईक सवार ने कुछ सामान खरीदने के लिए अपनी बाईक को स्टेंड पर खड़ी कर समान खरीदने लगा। जब वह सामान खरीदकर वापिस जाने के लिए बाईक को स्टार्ट की तभी बाईक में आग लग गई देखते ही देखते आग ने विशाल रूप धारण कर लिया। आग लगी देख आसपास के दुकानदारों ने दुकानों में रखे वाटर कूलरों का पानी आग बुझाने के लिए डालने लगे काफी भारी मशक्कत करने के उपरांत आग पर काबू पाया। बाईक सवार का नाम अंसार निवासी हिदन खां का मझरा का बताया गया है। गनीमत रही कि बाईक सवार के शरीर को कोई नुकसान नहीं हुआ।

नकली खाद बीज दवा सामने आई,तो जिला प्रशासन होगा जिम्मेदार: वीरेश शर्मा

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। मंगलवार को भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक जिला अध्यक्ष वीरेश शर्मा के नेतृत्व मे माधव भवन संघ कार्यालय रामपुर पर सम्पन्न हुई। जिला अध्यक्ष वीरेश शर्मा ने किसानों की समस्याओं से अवगत कराकर पाँच सूत्रीय ज्ञापन मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के नाम जिलाधिकारी के प्रतिरूप मे उपजिलाधिकारी हर्षवर्धन जी को दिया गया। जिले मे नकली खाद बीज पेस्टिसाइड दवाइयां किसानो के उपयोग मे आने बाली बंद की जाए। जिससे दुकानदारों द्वारा किसानों से धोखाधड़ी करने पर प्रतिबंध लगाया जाए।

जनपद के सभी तहसीलों मे हल्का लेखपाल अपने हल्के के गाँवों मे बैठने का एक दिन सुनिश्चित करें जिससे किसानो को कृषि कार्य हेतू समस्या नही आये।

बिलासपुर मे फिलोरा होटल से नानकपुरी होते हुए बहेड़ी को जाने वाला मार्ग एक साल मे पूरी तरह ध्वस्त हो गया रोड की जाँच कराकर पड्ना जनहित मे बहुत आवश्यक है। बिलासपुर के ग्राम पिपलिया गोपाल से शमशान होते हुए मंडी समिति को जाने बाला रास्ता बिल्कुल कच्चा है किसानों को अपनी फसल बेचने जाने मे बहुत समस्या होती है। इन सभी विषय पर चर्चा हुई बैठक मे जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र गंगवार, मथुरा प्रसाद दिवाकर, अरविंद कुमार, सिमरजीत सिंह, राम बहादुर भगत, आशीष चंद्र, मिंटू तिवारी, दिलजोत बाजवा, मोर सिंह सैनी, सचिन शर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अज्ञात चोरों ने घर मे घुसकर लाखों का माल समेटा

शाह टाइम्स संवाददाता

स्वार। क्षेत्र के गांव खरदिया में बीती रात्रि अज्ञात चोर मित्रपाल के घर की दीवार फांद कर घर में घुस गए और लाखों का जेवरात व सामान चोरी कर ले गए। क्षेत्र के गांव खरदिया में बीती रात्रि चोरों ने मित्रपाल के मकान में दीवार फांद कर घुस गए।जबकि परिवार घर की छत पर सोता रहा। सुबह जागने पर परिवार वालों ने सेफ व बक्से का सामान बिखरा देख उनके होश उड़ गए। चोरों ने उनकी सेफ व बॉक्स में सोना चाँदी के जेवरात व कीमती कपड़े व 25 किलो मेंथा के तेल की केन व सैफ में रखी नकदी चोरी करके ले गए। सूचना कोतवाली पुलिस को दी वह भी मौके पर पहुंच जाच में जुट गई है।

जनता पॉली क्लीनिक हॉस्पिटल पर पति पत्नी के विवाद में हंगामा

शाह टाइम्स संवाददाता

पटवाई/रामपुर। पटवाई मिलक रोड स्थित जनता पॉली क्लिनिक हॉस्पिटल पर आठ दिन पूर्व नबावगंज गांव की एक महिला ने नोर्मल डिलिवरी दौरान बेटे को जन्म दिया था। पीड़ित महिला फरीन डिलेवरी होने के बाद अपने घर चली गई थीं। लेकिन बुधवार को पीड़ित महिला फरीन की तबियत खराब होने के कारण महिला ब नवजात शिशु को जनता पॉली क्लिनिक हॉस्पिटल में उपचार चल रहा था। बुधवार शाम के टाईम जनता पॉली क्लिनिक हॉस्पिटल पर डायल 112 की गाड़ी और पुरुष महिलाओं की काफी भीड़ भाड़ दिखाई दी। और जनता पॉली क्लिनिक हॉस्पिटल पर जमकर हंगामा महिलाएं काट रही थीं। पीड़ित महिला फरीन द्वारा बताया गया कि। मेरी शादी भागुरुआ थाना कुंदरकी से थाना पटवाई के नवाबगंज गांव निवासी कासिम के यहां हुई थीं। आठ दिन पूर्व फरीन ने मिलक रोड स्थित जनता पॉली क्लिनिक हॉस्पिटल में नॉर्मल डिलेवरी हुई थी। लेकिन महिला का स्वास्थ खराब होने के कारण परिजनों ने उपचार के लिए हॉस्पिटल में एडमिट कर दिया था। लेकिन बुधवार को पीड़ित महिला ने अपने परिजनों को फोन कर दिया

परिजन बुधवार दोपहर तक पटवाई आ गए। पीड़ित महिला फरीन द्वारा बताया गया की ससुराल वाले मुझे तंग रखते हैं मारते पीटते हैं। मिलक रोड जनता पॉलीक्लिन अस्पताल में चल रहे उपचार वहीं पर मायके और ससुराल वाले पहुंच गए। पति-पत्नी के विवाद को लेकर। जनता पॉलीक्लिनिक हॉस्पिटल पर दोनों पक्ष जमकर हंगामा काटने लगे एक पक्ष की तरफ से डायल 112 को फोन कर दिया गया। घटनास्थल अस्पताल पर डायल 112 पुलिस पहुंची। दोनों पक्षों को पुलिस द्वारा समझाया गया। दोनों पक्ष राजी ना होने पर पुलिस दोनों पक्षों को पटवाई थाने ले आई।

वार्षिक उत्सव 28 को

नकुड़। भारतीय किसान यूनियन नई क्रांति का द्वितीय वार्षिक उत्सव आगामी 28 जून शनिवार को ग्राम सलारपुरा (गंगोह) स्थित संगठन के राष्ट्रीय मुख्यालय पर आयोजित किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए संगठन की कोर कमेटी के आयोजक कुलबीर सिंह ने बताया कि समारोह की शुरुआत सुबह 8 बजे हवन से होगी। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे किया जाएगा।

चोरों ने किया कूमल लगाकर चोरी का प्रयास

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक/ रामपुर। बीती रात्रि में अज्ञात चोरों ने कूमल कर चोरी का प्रयास किया कोतवाली क्षेत्र के ग्राम निस्बी निवासी संजीव मौर्य पुत्र जोगराज ने बताया कि 24 जून और 25 की रात्रि लगभग 1:30 बजे दीवार की तरफ से खटखट की आवाज आ रही थी। पहले मैं यह समझा कि कोई आवारा पशु दीवार में टक्कर मार रहा होगा। जब मैं छत के ऊपर पहुंचा तो देखा की लगभग चोरों की संख्या सात आठ लोग दिखाई दे रहे थे। यह लोग दीवार की ईट निकाल रहे थे। मैंने ऊपर से उठाकर इनके ऊपर ईट का टुकड़ा फेंका तब तक यह यह लोग मेरे मुंह पर टॉर्च मार रहे थे जब मैने चीखना चिल्लाना शुरु किया तो चोर जंगल की ओर भाग गए और मेरे परिजन तथा आसपास के पड़ोसी लोग भी आ गए सूचना पर पुलिस की घटना स्थल पहुंच गई।

पांच मुकदमों का निस्तारण

शाह टाइम्स संवाददाता

मसवासी/रामपुर। नगर के सर्वहितकारी इंटर कॉलेज में ग्रामीण न्यायालय का आयोजन किया गया जिसमें न्यायाधीश ने पांच मुकदमों का निस्तारण किया। बुधवार को नगर के सर्वहितकारी इंटर कॉलेज में ग्रामीण न्यायालय में पांच मुक. दमों का निस्तारण किया गया। जनपद न्यायाधीश प्रवीण कुमार यादव ने मुक. दमों का निस्तारण किया। इस मौके पर उपनिरीक्षक मनोज कुमार मिश्रा समेत तमाम लोग शामिल रहे।

चोरों ने तीन घरों से लाखों का माल उड़ाया

सैदनगली में नहीं थम रहा चोरों का आतंक, रिपोर्ट दर्ज कराने को दी गई तहरीर

शाह टाइम्स संवाददाता

सैदनगली। रात के अँधेरे में गांव के तीन घरों में अज्ञात चोरों द्वारा लाखों रुपये की चोरी कर ली। पुलिस ने कांबिंग कर चोरों का पता लगाने का प्रयास किया। लेकिन कामयाबी हासिल नहीं हो सकी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बुधवार की रात्रि सैदनगली थाना क्षेत्र के गांव ईसापुर शर्की निवासी जवेंद्र पुत्र जसराज के घर में पीछे से कूमल लगाकर अज्ञात चोरों द्वारा कमरे के अंदर लॉकर में रखी भैंस बेचकर इकट्ठा की गई एक लाख दस हजार की नगदी एवं सोने चांदी के गहनों समेत करीब 7 लाख के माल पर हाथ साफ कर दिया। गांव के ही बीरबल पुत्र हरलाल के घर से कमरे का ताला तोड़कर 1500 रूपए की नकदी एवं नए कपड़े तथा गांव निवासी पप्पू पुत्र लखपत के घर से एक मंगलसूत्र और नये कपड़े आदि चोरी कर लिए तथा चुपचाप वहां से निकल गये। इसके बाद चोरों ने गांव के ही जयपाल पुत्र बड्डन के घर पर कूमल लगा दिया। जहां कूमल की आवाज सुनकर घर में जगा हो गई। शोर मचाने पर चोर मौके से फरार हो गये। सूचना पर पहुंची सैदनगली थाना पुलिस ने ग्रामीणों के साथ कांबिंग करते हुए चोरों का पता लगाने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस को कामयाबी नहीं मिल सकी। इसके बाद ग्रामीणों में बढ़ती चोरियों की घटनाओं से आक्रोश बना हुआ है।

सैनगली थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। वहीं ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। फिलहाल पुलिस मामले की अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है।

घर के बाहर खड़ा ई-रिक्शा चोरी

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। नगर के मौहल्ला होली वाला हिरन वाला निवासी जीशान पुत्र कलुआ ई रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण करता है। प्रतिदिन की भांति मंगलवार की रात्रि उसने ई रिक्शा लाकर अपने घर के बाहर खड़ी कर दी जो देर रात्रि अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई। सुबह होने पर जब पता चला तो पीड़ित ने पुलिस को अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर देकर ई रिक्शा बरामद करने की मांग की। पीड़ित का कहना है कि घर के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में चोरी की घटना कैद हो गई है। कस्बा इंचार्ज संदीप पवार द्वारा बताया गया तहरीर प्राप्त हुई है जांच कर कार्रवाई की जायेगी।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पारिवारिक कलेह में उठाया कदम

शाह टाइम्स संवाददाता जोया। परिवारिक विवाद से परेशान होकर युवक ने आत्मघाती कदम उठा किया। फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मंगलवार शाम जंगल में उसका शव रस्सी से पेड़ पर लटका मिला। कोहराम के बीच परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना आनन-फानन में शव का अंतिम संस्कार कर दिया है।

घटना डिडौली कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की है। यहां रहने वाले एक किसान के परिवार में बीते कुछ दिनों से आपसी कलह चल रही थी। जिसे लेकर किसान का 22 वर्षीय बेटा काफी तनाव में था। इसी पारिवा. रिक कलह से तंग होकर किसान के बेटे ने अचानक ही अपनी जिंदगी खत्म करने का फैसला ले लिया। तनाव के बीच गुमसुम हालत में घर से निकलने के बाद वह जंगल की ओर चला गया। वहां उसने पेड़ पर रस्सी का फंदा लगाकर फांसी लगा ली। शाम में खेतों से चारा लेने गए ग्रामीणों की नजर पेड़ पर लटके युवक के शव पर पड़ी तो उनके होश उड़ गए। ग्रामीणों ने तुरंत गांव पहुंचकर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों ने युवक के शव को नीचे उतारा। मामले की सूचना पुलिस को देने के बजाय आपसी सहमति से बिना किसी कानूनी कार्रवाई शव का अंतिम संस्कार कर दिया

मन्दिर में शादी रचाकर कोतवाली पहुंचा प्रेमी जोड़ा

पुलिस ने नाबालिग दुल्हन को भेजा वन स्टेप सैंटर, प्रेमी को भेजा जेल

शाह टाइम्स संवाददाता जोया। मंदिर में शादी करने के बाद प्रेमीयुगल कोतवाली पहुंच गया। प्रेमिका ने खुद को बालिग बताते हुए अपनी इच्छा से शादी करने की बात कही। परिजनों से जान का खतरा जताते हुए सुरक्षा देने की मांग की लेकिन मार्कशीट में अंकित जन्मतिथि में दुल्हन नाबालिग निकली। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। युवती को वन स्टॉप सेंटर भेजने के बाद मामले में आरोपी युवक का चालान कर दिया गया है।

अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती का प्रेम प्रसंग डिडौली कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले अपने रिश्ते के ममेरे भाई से चल रहा था। मंगलवार सुबह घर से फरार हुए प्रेमीयुगल ने किसी मंदिर में जाकर चुपचाप शादी कर ली। शादी करने के बाद प्रेमी युगल दोपहर में डिडौली कोतवाली पहुंच गया तथा पुलिस से सुरक्षा देने की मांग की। डिडौली पुलिस ने इसकी सूचना तुरंत अमरोहा देहात पुलिस को दे दी क्योंकि युवती उसी थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। इसके बाद देहात थाने से पुलिस टीम डिडौली कोतवाली पहुंच गई। वहीं, पुलिस की सूचना पर युवती के परिजन भी कोतवाली आ गए तथा हंगामा करने लगे। मार्कशीट में दर्ज जन्मतिथि के आधार पर युवती नाबालिग निकली। लिहाजा, पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया। इसके बाद परिजन अमरोहा देहात थाने पहुंचे और युवक के खिलाफ बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस ने आरोपी युवक का चालान कर दिया है जबकि युवती को वन स्टॉप सेंटर में रखा गया है। पुलिस अब गुरुवार को कोर्ट में युवती के बयान दर्ज कराएगी।

सपा नेता समेत छह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

विजिलेंस टीम को धमकी देने में फंसे

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। चैकिंग के दौरान सपा नेता व पूर्व सभासद ने बिजली विभाग व बिजिलेंस टीम के साथ बीच सड़क गाली गलौच व खींचतान की तथा जान से मारने की धमकी दी। मामले में सपा नेता समेत छह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी गयी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है।

गुलड़िया बिजलीघर के जेई साकिब व विजिलेंस टीम प्रभारी सुनील कुमार की संयुक्त टीम दो दिन पूर्व मोहल्ला सराय कोहना में चेकिंग कर रही थी। टीम द्वार बकाया बिल पर कनेक्शन भी काटे जा रहे थे। चेकिंग करते हुए टीम जब मोहल्ले में रहने वाले सपा नेता सादिक नबी व उनके भाई पूर्व सभासद नूर नबी के घर पहुंची तो इनके कनेक्शन पर भी बिल बकाया चल रहा था। लिहा. जा, जेई के निर्देश कर बिजली कर्मी लाइन काटने के लिए खंभे पर चढ़ गए। आरोप है कि सादिक नबी और नूर नबी ने बेटे मुदस्सिर, नवेद, ओवैस और आसिफ के साथ मिलकर टीम को घेर लिया आरोपी कनेक्शन काटने का विरोध करने लगे। टीम ने बकाया भुगतान को जमा करने के लिए कहा तो मारपीट शुरू कर दी। बीच सड़क जमकर खींचतान चलती रही। आरोपियों ने धमकी दी कि यहां पहले भी पुलिस वालों को पीटा गया है। दोबारा चेकिंग करने अगर मोहल्ले में आए तो तुम्हें जान से मार देंगे। भीड़ जमा होने पर टीम को वहां से भागना पड़ा। मामले में विजिलेंस टीम प्रभारी ने शहर कोतवाली में तहरीर दी थी। प्रभारी निरीक्षक पंकज तोमर ने बताया कि मामले में नूर नबी, उनके भाई सादिक नबी, नूर नबी के बेटे मुदस्सिर, नवेद, ओवैस और सादिक नबी के बेटे आसिफ के खिलाफ मारपीट, गाली -गलौज, सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के अलावा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों को जल्दी गिरफ्तार कर चालान किया जाएगा।

विवेचक, प्रबंधक व प्रधानाचार्य के खिलाफ रिपोर्ट के आदेश

नाबालिग की फर्जी टीसी बनवाने के मामले में फंसे

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। फर्जी टीसी बनाने में कोर्ट ने स्कूल प्रबंधक, प्रधानाचार्य व विवेचक समेत छह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिये हैं।

मामला सैदनगली थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां एक किसान का परिवार रहता है। उनकी पत्नी का आरोप है कि क्षेत्र के गांव सब्दलपुर की मढैया में रहने वाले आकाश अपने पिता ब्रह्मपाल व मां अर्चना की मदद से 26 जनवरी 2025 को उनकी नाबालिग बेटी को भगाकर ले गया था। मामले में किसान की पत्नी ने सैदनगली थाने में शिकायत की लेकिन पुलिस ने उनकी कोई सुनवाई नहीं की। 26 फरवरी को एसपी के निर्देश पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। विवेचना थाने में तैनात दरोगा सुनील कुमार शर्मा को मिली। आरोप है कि विवेचक सुनील कुमार शर्मा आरोपी पक्ष से हमसाज हो गए। उन्होंने आरोपी आकाश, ब्रह्मपाल और अर्चना को किशोरी को बालिग दर्शाने के लिए उसकी फर्जी टीसी बनवाने की सलाह दी। इसके बाद आरोपियों ने नौगावां सादात क्षेत्र में संचालित गांधी जूनियर हाईस्कूल पीलाकुंड हाफिजपुर के प्रबंधक और प्रधानाचार्य से फर्जी टीसी हासिल कर ली। जिसमें किशोरी का जन्म 1 जनवरी 2006 का दिखाया गया जबकि किसान की पत्नी ने सीताराम इंटर कॉलेज शब्दलपुर शर्की की टीसी पुलिस को दी थी। जिसमें किशोरी की जन्मतिथि 2 दिसंबर 2008 थी। विवेचक सुनील कुमार शर्मा ने असली टीसी को नजरंदाज कर फर्जी टीसी को सही माना। उसके आधार पर किशोरी को बाल कल्याण समिति के सामने पेश कर दिया। समिति ने विवेचक की रिपोर्ट के आधार पर उनकी नाबालिग बेटी को बालिग माना। इसके बाद विवेचक ने कोर्ट में बयान दर्ज कराने के बाद 6 फरवरी को उनकी नाबालिग बेटी को आरोपी ब्रह्मपाल सिंह व अर्चना देवी की सुपुर्दगी में दे दिया। फाइनल रिपोर्ट लगाकर मुकदमा खत्म कर दिया। मामले में किसान की पत्नी ने कोर्ट की शरण ली थी। जिसे गंभीरता से लेकर अपर सत्र न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट प्रथम ने आरोपी आकाश, उसके पिता ब्रह्मपाल सिंह, माता अर्चना, गांधी जूनियर हाई स्कूल पीलाकुंड हाफिजपुर के प्रबंधक के अलावा प्रधानाचार्य रेखा गुप्ता तथा विवेचक सुनील कुमार शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिया। प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र कुमार ने मामले में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू करने की बात कही।

एक नजर

कांग्रेसी पहुंचे दौलतपुर, दिया मदद का भरोसा

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। कांग्रेसियों ने गांव दौलतपुर पहुंच पीड़ित इब्ने हसन को हरसंभव मद्द का भरोसा दिया। बताते चलें कि 18 जून को बाइक- कार की भिड़ंत के दौरान यहां साम्प्रदायिक हिंसा हो गयी थी। आज कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल गांव पहुंचा तथा पीड़ित इब्ने हसन को न्याय का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता उनके साथ है तथा जो भी इस मामले में दोषी है उन्हें हर हाल में सजा दिलाकर रहेंगे।उन्होने कहा कि दिनदहाड़े घरों में आग लगायी गयी है जबकि पीड़ित परिवार को भी बुरी तरह पीटा गया। प्रतिनिधि मंडल में जिलाध्यक्ष ओमकार कटारिया, सुखराज सिंह, शाहिद सिद्दीकी, राजकुमार अरूण, मेराजुल जफर, इकबाल अंसारी, चन्द्रपाल सिंह, तालिब इदरीसी आदि शामिल थे।

माता प्रसाद पाण्डेय पर हमले की निंदा

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष नवनीत कुमार गोला ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय पर गोरखपुर में हुआ हमला लोकतंत्र व कानून व्यवस्था की पोल खोलता है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में गुंडागर्दी का आलम यह है कि विपक्षी पार्टी के नेताओं पर खुलेआम हमले किये जा रहे हैं। उन्होने पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठाते कहा कि जिस समय माता प्रसाद पाण्डेय पर हमला हुआ पुलिस कर्मी मूकदर्शक बने खड़े थे। यह हमला साबित करता है कि प्रदेश में कानून नहीं गुंडों का राज है।

भागवत कथा सुनने से दूर होंते हैं कष्टः राजेन्द्र

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। तहसील क्षेत्र के गांव सूबरा में ग्रामीणों के द्वारा सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन कराया जा रहा है। जिसका शुभारंभ मंगलवार की देर रात्रि गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी द्वारा फीता काट कर एवं व्यास पीठ का विधि विधान से पूजन कर किया गया। ब्लॉक प्रमुख के गांव पहुंचते ही ग्रामीणों द्वारा पुष्प माला पहनकर उनका स्वागत किया गया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए ब्लाक प्रमुख राजेंद्र खड़गवंशी द्वारा कहा गया कि धार्मिक आयोजनों से हमारी नई पीढ़ी में सनातन धर्म के प्रति आस्था बढ़ती है। और जिस जगह श्रीमद् भागवत कथा कही जाती है महाशय भगवान वास करते हैं। इस मौके पर क्षेत्र पंचायत सदस्य मानसिंह राणा दौली सिंह, महिपाल सिंह, भोला सिंह, वीरपाल सिंह डीलर, मंगलसेन मास्टर, रोहतास, जबर सिंह, विजयपाल सिंह, डॉक्टर रामौतार, रामचंद्र मास्टर, उपदेश, मुंशी, रामगोपाल, प्रसादी सहित समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे।

समस्याओं का प्राथमिकता पर करें समाधानः मनीष

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं का प्राथमिकता पर समाधान किया जाए। जिलाधिकारी श्री बंसल आज कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला व्यापार बंधु की बैठक को सम्बोधित कर रही थे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बाजार कक्कड़ गंज में साफ सफाई के साथ पेयजल की उचित व्यवस्था करने के निर्देश नगर निगम को दिए। इसके साथ निगम क्षेत्र में खराब होने वाली स्ट्रीट लाइट्स को समयबद्धता के साथ ठीक कराने के निर्देश दिए। आईएमए से लेकर हकीकत नगर रामलीला मैदान एवं पुलिस लाइन से लेकर कलेक्ट्रेट तक सड़क निर्माण कार्य को 10 जुलाई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

लोकतंत्र सेनानी किए गए सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। लोकतंत्र सेनानी शीतल प्रसाद अग्रवाल व अमरोहा से आए विनोद कांत जैन को अतिथियों द्वारा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया गया। दोनों लोकतंत्र सेनानियों ने आपातकाल के दौरान सही गईं यातनाओं के बारे में भी बताया।

महिला की मौत पर अस्पताल की ओटी सीज

ससुराल व मायके वालों में हुआ विवाद

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। जच्चा महिला की उपचार के दौरान मौत होने से परिवार में कोहराम मच गया। नवजात बालिका सही सलामत है। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल की ओटी को सील कर दिया है। ससुराल एवं मायके पक्ष के बीच विवाद होने के कारण देर शाम तक महिला के शव का अंतिम संस्कार नहीं हुआ था।

कोतवाली क्षेत्र के गांव गुलामपुर निवासी अमित ने अपनी पत्नी रोमिका को प्रसव पीड़ा होने पर रविवार को नगर के बाईपास मार्ग स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया था। रोमिका ने एक बेटी को जन्म दे दिया। लेकिन जच्चा महिला की हालत दिखाई गई। अस्पताल के संचालक ने महिला को मेरठ में भर्ती कर दिया था। लेकिन बुधवार की सुबह जच्चा महिला रो. मिका की मौत हो गई। जैसे यह खबर गुलामपुर पहुंची तो परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने स्वास्थ विभाग के उच्च अधिकारी को फोन किया तो नोडल अधिकारी शरद कुमार ने अस्पताल पहुंचकर अस्पताल की ओटी को सील कर दिया। नोडल अधिकारी डाक्टर शरद कुमार ने बताया अस्पताल की ओटी को सील किया गया है। संच. ालक से ऑपरेशन करने वाले चिकित्सक के अभिलेख मांगे गये है। कोतवाल वरुण कुमार ने बताया सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। लेकिन वहां उन्हें कुछ नहीं मिला। वहीं सूचना मिलने पर रोमिका के मायके वाले भी उसकी सुसराल पहुंच गये थे। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों में विवाद हो गया जिसके चलते देर शाम तक रोमिका के शव का अंतिम संस्कार नहीं हो सका था।

लाखों की ठगी करने वाले नटवरलाल को बनाया बंधक

बिजली बिल सही कराने के नाम पर की लाखों की ठगी

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। बिजली के बिल ठीक करने के नाम पर नटवरलाल ने दर्जनों लोगों से लाखों रुपये की ठगी कर ली। नटवरलाल को पीड़ितों ने बुलाकर बंधक बना लिया। बिजली विभाग ने ठगी करने वाले को पहच. ानने से इनकार कर दिया।

क्षेत्र की जनता बिजली बिल अधिक आने के कारण पहले से ही परेशान थी। ऊपर से एक नटवरलाल ने बिजली उपभोक्ताओं से बिजली बिल ठीक कराने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी कर ली। बुधवार को नगर के बाईपास से सटी धोबीयान कॉलोनी में सनी अग्रवाल को कई लोगों ने बुलाकर उसे पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि वह बिजली उपभोक्ता है। पकड़े गये सनी अग्रवाल ने उनसे बिजली ठीक करवाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी की है। पीड़ित काशी ने बताया

कि सनी ने उनसे बिजली बिल ठीक करने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी की है। वह पैसा लेने के बाद हसनपुर नहीं आ रहा था। लेकिन जब उन्होंने उससे कहा कि पीडी करानी है 50 हजार देंगे। तो वह पैसों के लालच में आ गया। सूचना मिलते ही बिजली विभाग के जेई अजय कुमार भी मौके पर पहुंच गये। नटवरलाल को पकड़ने के बाद भीड़ ने वहां पर हंगामा काटना शुरु कर दिया। नटवरलाल ने बताया कि वह बिजली बिल ठीक करवाने व पीडी बनवाने के नाम पर बिजली उपभोक्ताओं से पैसा लेता था। नटवरलाल ने बताया कि सैदगली में एक संविदा कर्मचारी से सांठ गांठ के चलते इस काम को अंजाम दे रहा था। समाचार लिखें जाने तक बिजली उपभोक्ताओं ने पकड़े गये नटवरलाल को बंधक बनाया हुआ था।

भाजपा ने किया संविधान हत्या दिवस का आयोजन

आपातकाल लागू करना देश का सबसे बड़ा काला अध्याय

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। वर्ष 1975 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए भाजपा ने इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया। जनपद के प्रभारी मंत्री केपी मलिक व प्रदेश मंत्री चन्द्रमोहन ने कहा कि यह आपातकाल कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने अपनी पार्टी को बचाने के लिये लगाया था और पूरे देश के लोगों को यातनाओं का सामना करना पड़ा। बुधवार को नगर के धनौरा मार्ग स्थित वेंकट हॉल में आयोजित सेमिनार में जनपद के प्रभारी मंत्री केपी मलिक ने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने किसी राष्ट्रीय आवश्यकता नहीं बल्कि अपनी पार्टी के अस्तित्व को बचाने के लिये पूरे देश को आपातकाल की आग में झोंका और पूरे देश ने यातना सही। कहा कि भाजपा की

डबल इंजन सरकार ने हमेशा देश को आगे बढ़ाने, इंसानियत को बचाने का काम किया है। प्रदेश मंत्री चन्द्रमोहन ने कहा कि पचास साल पहले हुई आपातकाल की घटना को याद करके आज भी लोग झेली गईं यातनाओं को याद करके कांप उठते हैं। कहा कि भाजपा ने सबका साथ, सबका विश्वास की नीति पर चलते हुए देश व प्रदेश को आगे बढ़ाने का काम किया है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय मंत्री कविता, सांसद चौ. कंवर सिंह तंवर, धनौरा विधायक राजीव तरारा, हसनपुर विधायक महेन्द्र सिंह खड़गवंशी, जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, गजरौला ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी, हसनपुर प्रमुख ममता गुर्जर, अमरोहा ब्लॉक प्रमुख सरदार गुरेन्द्र सिंह ढिल्लो, हसनपुर चेयरमैन राजपाल सैनी, गजरौला से नगर स्वच्छता प्रेरक/पूर्व विधायक हरपाल सिंह, धनौरा चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल, चंद्रभान भाटी, पूरन सिंह सैनी, अभिनव कौशिक, राकेश वर्मा, डॉ.सोरन सिंह, महेश प्रधान, गिरीश त्यागी, ऋषिपाल नागर, रामरतन सिंह जाटव, मयंक अग्रवाल, शरद गर्ग, सुनील गुप्ता, अंकुर नागर, डॉ.राजीव शुक्ल, महेन्द्र प्रजापति, डॉ.उत्तम प्रजापति, अंकुश पाल, निहार त्यागी, सचिन त्यागी आदि मौजूद रहे। संयोजन जिला उपाध्यक्ष अतुल चौधरी व सह संयोजन जिला मंत्री राजीव चौहान का रहा।

धूमधाम से निकाली गई श्री साई शोभायात्रा

साई बाबा की पालकी रहीं आकर्षण का केन्द्र

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। श्री साईं सेवा समिति के तत्वाधान में साई बाबा मंदिर के 23 वें स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य रूप से साई पालकी शोभा यात्रा निकाली गई। साई पालकी शोभा यात्रा नगर स्थित मां चामुंडा मंदिर से प्रारंभ होकर मोहल्ला कायस्थान, मोहल्ला होली वाला, वंश प्लाजा, पुराना डाकघर, जामा मस्जिद, दरबार, जनकपुरी, पंसारा बाजार, मोहल्ला महल, मोहल्ला कायस्थान होते हुए चामुंडा मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई, नगर में कई स्थानों पर शोभा यात्रा का भक्तों द्वारा पुष्प वर्षा कर एवं जलपान कराकर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में सबसे आगे बाबा का

ठेला, उसके बाद साई बाबा की झांकी और अंत में बाबा की पालकी कंधों पर लेकर भक्त चल रहे थे। शोभायात्रा में अनुराग अग्रवाल, विकास अग्रवाल, महेंद्र चावला, संदीप अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, संदीप रस्तोगी, शशि रस्तोगी, अरविंद अग्रवाल आदि भक्त मौजूद रहे।

इंग्लैंड ने भारत को पांच विकेट से हराया

बेन डकेट ने 149, जैक क्रॉली ने 65 और जो रूट ने नाबाद 53 रनों की पारी खेली

लीड्स, वार्ता। बेन डकेट (149) की शतकीय, जैक क्रॉली (65) और जो रूट (नाबाद 53) की अर्द्धशतकीय पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच के पांचवें एवं आखिरी दिन भारत को पांच विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ इंग्लैंड ने टेस्ट श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है। भोजनकाल के बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड को पहला झटका प्रसिद्ध कृष्णा ने जैक क्रॉली (65) को आउटकर दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए पहली पारी के शतकवीर ऑली पोप (आठ) को भी प्रसिद्ध कृष्णा ने बोल्ड कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई।

इसके बाद शार्दुल ठाकुर ने बेन डकेट को नीतीश कुमार रेड्डी के हाथों कैच आउट कराकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। बेन डकेट ने 170 गेंदों में 21 चौकों और एक छक्के की मदद से (149) रनों की पारी खेली। इसी ओवर में उन्होंने हैरी ब्रूक (शून्य) को भी आउट कर पवेलियन भेज दिया। प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर (दो-दो विकेट) के झटको को झेलते हुए इंग्लैंड ने मैदान गिला होने के कारण खेल रोके जाने के समय चायकाल तक चार विकेट पर 269 रन बना लिये थे। चायकाल के बाद रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (33) को आउट कर भारत पांचवीं सफलता दिलाई।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आए जेमी स्मिथ ने जो रूट के साथ पारी को संभाला और धैर्य के साथ बल्लबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत की ओर ले गए। इंग्लैंड ने 82 ओवर में पांच विकेट पर 373 रन बनाकर पांच विकेट से मुकाबला जीत लिया। जो रूट (53) और जेमी स्मिथ (44) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की हार कारण खराब क्षेत्ररक्षण रहा। भारतीय खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े जिसका खामियाजा हार के रूप में सामने आया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर ने दो-दो विकेट लिये। रवींद्र जडेजा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां इंग्लैंड ने सुबह के सत्र में कल के 21 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। जैक क्रॉली और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने संयम का परिचय देते हुए भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का सामना किया और रन भी बटोरे। भोजनकाल तक इंग्लैंड ने 30 ओवरों में बिना कोई विकेट खोए 117 रन बना लिये और टीम के मैच जीतने की उम्मीद जगाई।

उल्लेखनीय है कि भारत ने पहली पारी में यशस्वी जायसवाल, कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत की शतकीय पारियों की बदौलत 471 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके बाद इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 465 रन का स्कोर बनाया था। भारत ने दूसरी पारी में 364 रन का स्कोर बनाया था और उसके पहली पार में सात रन की बढ़त मिली थी।

ऋषभ पंत ने हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग

- आईसीसी ने ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी की, गिल की शीर्ष-20 में एंट्री, टेस्ट ऑलराउंडर्स में जडेजा शीर्ष पर

दुबई, वार्ता। आईसीसी ने बुधवार को ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी कर दी है। भारत के आक्रामक विकेटकीपर ऋषभ पंत बल्लेबाजों की नवीनतम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में दोनों पारियों में दो शतक लगाए थे।

इसके अलावा शुभमन गिल की भी शीर्ष-20 बल्लेबाजों में एंट्री हो गई है। टीम इंडिया को लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। 371 रन के लक्ष्य को इंग्लैंड ने बैजबाल अंदाज में 82 ओवर में हासिल कर लिया। आईसीसी ने ताजा रैंकिंग इसके बाद ही जारी की है। लीड्स टेस्ट में दो पारियों में दो शतक लगाने वाले दूसरे विकेटकीपर बने पंत टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में एक पायदान ऊपर चढ़ गए। 27 वर्षीय पंत से पहले जिम्बाब्वे के एंडी फ्लावर एक ही टेस्ट मैच में दो शतक लगाने वाले एकमात्र विकेटकीपर थे। पंत ने लीड्स टेस्ट में 134 और 118 रन बनाए। वहीं, शुभमन गिल ने भी पांच स्थान की छलांग लगाई और शीर्ष 20 में पहुंच गए। वह 20वें स्थान पर हैं। गिल ने लीड्स टेस्ट की पहली पारी में शतक लगाया था। शीर्ष 20 टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में भारत के केवल तीन बल्लेबाज हैं। पंत और गिल के अलावा यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर काबिज हैं। यशस्वी ने भी लीड्स टेस्ट की पहली पारी में शतक जमाया था। टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हेडिंग्ले टेस्ट में 14वीं बार पांच विकेट चटकाने के बाद शीर्ष स्थान पर अपना दबदबा कायम रखा है। 62 और 149 रन की पारी खेलने और इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले बेन डकेट को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वह टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पांच पायदान ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गए। डकेट के साथी ओली पोप तीन पायदान ऊपर 19वें स्थान पर और जेमी स्मिथ आठवें पायदान ऊपर 27वें स्थान पर पहुंच गए।

हमें कैच छोड़ना महंगा पड़ा: कप्तान शुभमन गिल

- हमने पहली पारी में खराब प्रदर्शन के बारे में बात की, हमें आगे बढ़ते हुए इसमें सुधार करना होगा

लीड्स, वार्ता। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि हमारे पास टेस्ट जीतने का मौका था, लेकिन कैच छोड़ना हमें महंगा पड़ा।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पांच विकेट से मिली हार के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि टेस्ट मैच शानदार रहा। हम इंग्लैंड की टीम को 430 रनों का लक्ष्य देने के बारे में सोच रहे थे, लेकिन हमने 31 रन जोड़कर अपने आखिरी पांच विकेट गवां दिए। उन्होंने कहा कि हमारे पास मैच जीतने का मौका था। कैच छोड़ना हमें महंगा पड़ा। उन्होंने कहा कि आज भी, मुझे लगा कि पहले विकेट के बाद हमारे पास मौके थे। हमने पहली पारी में खराब प्रदर्शन के बारे में बात की, हमें आगे बढ़ते हुए इसमें सुधार करना होगा। इस तरह के विकेट पर मौके आसानी से नहीं मिलते, लेकिन हमारी टीम युवा है, टीम में सीखने का जज्बा है।

उम्मीद है कि इसमें सुधार होगा। उन्होंने कहा कि पहले सत्र में हमने शानदार गेंदबाजी की और रनों पर अंकुश लगाया, लेकिन एक बार गेंद पुरानी हो जाने के बाद रन रोकना मुश्किल होता है। जब गेंद नरम हो जाए तो विकेट लेते रहना चाहिए। जाडेजा ने शानदार गेंदबाजी की, उन्होंने मौके बनाए।

टंग की गेंदबाजी, जैक क्रॉली व बेन डकेट की पारी ने मैच का रुख बदला: बेन स्टोक्स

लीड्स, वार्ता। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि तेज गेंदबाज जॉश टंग के स्पैल के बाद जैक क्रॉली और बेन डकेट की धैर्यपूर्ण पारी ने मैच का रुख बदल दिया।

पहले टेस्ट मैच में मंगलवार रात भारत को पांच विकेट से हराने के बाद कप्तान स्टोक्स ने कहा कि हमारे पास यहां इस मैदान को लेकर कुछ अच्छी यादें हैं, एक और इजाफा करना अच्छा रहा है। आखिरी दिन बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए एक अच्छे टेस्ट का हिस्सा बनना शानदार रहा है। वैसे टंग के स्पेल ने भी खेल का रुख बदला दिया था। इसके बाद डकेट और क्रॉली की अविश्वसनीय बल्लेबाजी ने लक्ष्य का पीछा करना आसान बना दिया। क्रॉली और डकेट की साझेदारी शानदार रही। जिस तरह से क्रॉली ने संयम के साथ 60 रन बनाए वह भी महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने कहा कि आप नहीं जानते कि गेंद फेंके जाने से पहले क्या होगा आप वहीं चुनते हैं जो आपको सबसे अच्छा लगता है। हमने सोचा कि गेंदबाजी करने का फैसला करते समय हमें जीतने का सबसे अच्छा मौका क्या देगा। विरोधी टीम को

- हमारे पास यहां इस मैदान को लेकर कुछ अच्छी यादें है, एक और इजाफा करना अच्छा रहा

अच्छा खेलने की अनुमति है हमने पहले सत्र में अच्छी गेंदबाजी की फिर भी भारत ने भी पहले दिन अविश्वसनीय प्रदर्शन किया। मुझे नहीं लगता कि कभी भी अलग फैसला लेना चाहिए था। उन्होंने कहा कि लक्ष्य का पीछा करना आपको आत्मविश्वास देता है। इस सीरीज की शानदार शुरुआत रही। जीत में बहुत सारे कौशल का योगदान रहा है हम लंबे समय से मैदान में हैं, लेकिन हम प्रत्येक सत्र में इस दृष्टिकोण के साथ आए कि हम मैच को पूरी तरह से बदल देंगे। प्लेयर ऑफ द मैच बेन डकेट ने कहा कि यह एक अविश्वसनीय मैच था, भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। पांचवें दिन की शुरुआत में जिस तरह से हमने मैच को खत्म किया वह अविश्वसनीय था। हम बिना विकेट खोए कल शाम खेलना चाहते थे। आज सुबह यह स्पष्ट था अगर हम रुककर बल्लेबाजी करते हैं, तो हम जीत जाएंगे। ड्रेसिंग रूम के लोगों का मानना है हमने पूरे दिन परिपक्वता दिखाई और जता दिया कि जीतना कितना मायने रखता है। कई बार हम इस मैच में पीछे रह गए। हमारे गेंदबाजों को बहुत बड़ा श्रेय जाता है, जिन्होंने कम समय में पुछल्ले बल्लेबाजों को जल्दी आउट कर दिया। वरना अगर वह लक्ष्य में 50 से 60 रन और जोड़ देते तो मैच अलग होता। हमने क्रॉली को पिछले मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते देखा, वह शांत रहकर अच्छा खेला था। अच्छी गेंदों का सम्मान किया और खराब गेंदों को उचित स्थान पर पहुंचाया। उन्होंने कहा कि बुमराह विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं, उन्होंने पहली पारी में शानदार प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त खेल समाचार

निशानेबाजी लीग के पहले संस्करण के लिए 400 पंजीकरण

नई दिल्ली, वार्ता। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा शुरू की गई शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) के पहले संस्करण में भाग लेने के लिए दुनियाभर के 400 से अधिक निशानेबाजों ने पंजीकरण कराया है। इस लीग का आयोजन 20 नवंबर से दो दिसंबर तक आयोजित किया जायेगा। इसके लिए भारत, कजाकिस्तान, रूस, ईरान, हंगरी, क्रोएशिया, अजरबैजान, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, ग्रेनेडा, इटली, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, सर्बिया, अमेरिका, स्पेन, थाईलैंड, जर्मनी, चेक गणराज्य, नॉर्वे, सैन मैरिनो और रोमानिया के 400 से अधिक एथलीट पंजीकरण करा चुके हैं और यह संख्या बढ़ती जा रही है। पंजीकरण प्रक्रिया जुलाई 2025 के मध्य तक चलेगी। लीग में (10 मीटर, 25 मीटर) पिस्टल, (10 मीटर, 50 मीटर थ्री पोजीशन) राइफल व (ट्रैप और स्कीट) शॉटगन में मिश्रित टीम स्पर्धाएं होंगी।

खडसे ने अगरतला में साई द्वारा संचालित खेल प्रशिक्षण केंद्र का किया दौरा

अगरतला, वार्ता। केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) द्वारा संचालित खेल प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया। बिना बताये खेल प्रशिक्षण केन्द्र पहुंची केंद्रीय मंत्री ने प्रशिक्षण सुविधाओं की गहन समीक्षा की, प्रशिक्षकों के समर्पित कार्य और एथलीटों की प्रगति तथा एसटीसी केंद्र की आधुनिक सुविधाओं की समग्र तैयारी का भी निरीक्षण किया। त्रिपुरा में अपने प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री ने खेल, युवा नीति, शिक्षा और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परियोजनाओं सहित विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर व्यापक चर्चा की।

कलिंगा ब्लैक टाइगर्स व हैदराबाद ने जीत दर्ज की

- दिन के पहले मुकाबले में कलिंगा ने मुंबई पर 33-5 से जीत दर्ज की

मुंबई, वार्ता। जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग सीजन वन के मुकाबलों में कलिंगा ब्लैक टाइगर्स और हैदराबाद हीरोज ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। यहां शाहाजी राजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) में खेले गए मुकाबले में टाइगर्स ने मुंबई ड्रीमर्स को हराया।

वहीं हैदराबाद हीरोज ने चेन्नई बुल्स पर जीत हासिल की। दिलचस्प बात यह रही कि हीरोज और बुल्स दोनों ही टीमें सोमवार को नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई कर चुकी थीं। दिन के पहले मुकाबले में कलिंगा ब्लैक टाइगर्स ने मुंबई ड्रीमर्स के खिलाफ शानदार और प्रभावशाली खेल दिखाते हुए उन्हें 33-5 से पराजित किया। कलिंगा ब्लैक टाइगर्स ने शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया और मुंबई ड्रीमर्स को दबाव में रखा। पहले क्वार्टर के अंत से ठीक पहले पेरी बेकर ने एक शानदार ट्राई की, जिसे मॉरिस लॉन्गबॉटम ने आसानी से कन्वर्ट कर लिया। थोड़ी ही देर में बेकर ने एक और ट्राई की और इस बार ईथन टर्नर ने सफलतापूर्वक किक को कन्वर्ट किया। हाफ टाइम तक कललगा ब्लैक टाइगर्स 14-0 की बढ़त ले चुके थे। ब्रेक के बाद भी टाइगर्स का दबदबा कायम रहा और इस बार ईथन टर्नर ने खुद एक ट्राई किया। दूसरी ओर, डीमर्ज ने आखिरकार स्कोर बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराया जब एलियास हैनकॉक ने ट्राई की। ड्रीमर्ज की वापसी की उम्मीदों पर टाइगर्स ने पानी फेर दिया, जब लुकास लैकेम्प ने दो त्वरित ट्राई किए और लॉन्गबॉटम ने दोनों कन्वर्जन को सफलता से पूरा किया। दिन के दूसरे मुकाबले में हैदराबाद हीरोज और चेन्नई बुल्स के बीच शानदार मुकाबला देखने को मिला, जिसमें हीरोज ने जीत दर्ज की। हीरोज ने 17-0 से मुकाबला अपने नाम किया और यह टूर्नामेंट में दूसरी बार हुआ जब कोई टीम एक भी अंक नहीं बना सकी। हैदराबाद हीरोज ने मुकाबले की शुरुआत में ही केविन वेकेसा और टेरियो तमानी की ट्राई की बदौलत बढ़त बना ली।

श्रीलंकाई गेंदबाजों ने बांग्लादेश पर कसा शिकंजा

- श्रीलंका ने टेस्ट के पहले दिन बांग्लादेश के 220 रन पर 8 विकेट लिए

कोलंबो, वार्ता। असिता फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो और सोनल दिनुशा (दो-दो विकेट) के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बुधवार को बांग्लादेश के 220 रन पर आठ विकेट झटक कर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही। असिता फर्नांडो ने अनामुल हक (शून्य) को बोल्ड कर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मोमिनुल हक ने शादमान इस्लाम के साथ पारी को संभलने का प्रयास किया। धनंजय डीसिल्वा ने मोमिनुल हक (21) को आउट कर बांग्लादेश को दूसरा झटका दिया। इसके थोड़ी देर बाद ही विश्वा फर्नांडो ने कप्तान नजमुल शान्तो (आठ) को अपना शिकार बना लिया। चौथे विकेट के रूप में शादमान इस्लाम (46) को थलरडु रत्नायके ने आउट किया। मुशफिकुर रहीम और लिटन कुमार दास ने बांग्लादेश की पारी को कुछ देर संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 67 रनों की साझेदारी हुई। सोनल दिनुशा ने 48वें ओवर में लिटन कुमार दास (34) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। दिनुशा ने इस के बाद मुशफिकुर रहीम (35) को आउटकर बांग्लादेश को छठा झटका दिया। मेहदी हसन (31) को विश्वा फर्नांडो ने आउट किया।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया

बर्लिन, वार्ता। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को चार देशों के टूर्नामेंट में तीसरे और चौथे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हरा दिया। यहां खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के टोबी मैलन ने दूसरे हाफ में 40वें मिनट में मैदानी गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलायी। इसके बाद भारत के रोहित ने (45वें) मिनट में गोलकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। चौथे क्वार्टर में भारत के अजीत यादव ने (52वें) मिनट में गोल कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। पहले हाफ में दोनों टीमें के बीच संघर्षपूर्ण मुकाबला हुआ लेकिन शुरुआती दो क्वार्टर में दोनों टीमें गोल करने में विफल रही।

सिर्फ शतक नहीं जीत जरूरी: गौतम गंभीर

लीड्स, वार्ता। लीड्स टेस्ट हारने के बाद भारतीय कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि सिर्फ शतक नहीं, जीत मायने रखती है। उन्होंने यह बात पंत के शतकों के सवाल पर कही। गेंदबाजों के प्रदर्शन पर गंभीर ने कहा कि भारत के युवा गेंदबाजों को समय देना होगा।श उन्होंने शुभमन गिल की कप्तानी और जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी की तारीफ की। भारत को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 5 विकेट की हार झेलनी पड़ी थी। टीम ने आखिरी दिन 371 रन का मुश्किल टारगेट सेट किया, जिसे इंग्लिश टीम ने 5 विकेट पर हासिल कर लिया। गौतम गंभीर ने कहा कि व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा है, लेकिन जीत सबसे बड़ी चीज ऋषभ पंत के दो शतकों पर जब सवाल पूछा गया, तब गंभीर ने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में तीन और शतक भी लगे हैं। वह भी बड़े पाजिटिव हैं, लेकिन सिर्फ शतक नहीं, जीत ज्यादा मायने रखती है। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल (कप्तान के रूप में पहला टेस्ट), केएल राहुल और पंत इन पांच बल्लेबाजों के शतक पाजिटिव बात हैं। रियों में शतक लगाया था। उन्होंने पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन बनाए थे। बुम. राह 3 ही टेस्ट खेलेंगे जसप्रीत बुमराह के सवाल पर गौतम गंभीर ने साफ किया है कि तेज गेंदबाज बुमराह का पांच विकेट लेना शानदार था। हम अपनी योजना नहीं बदलेंगे। बुमराह के वर्कलोड को संभालना जरूरी है, क्योंकि आगे और भी क्रिकेट है। गंभीर ने युवा गेंदबाजों पर भरोसा जताते हुए कहा, हमने जो टीम चुनी है, वो विश्वास के साथ चुनी है, न कि उम्मीद के भरोसे। हम मानते हैं कि ये गेंदबाज बेहतर करेंगे।

अनाहत-चिनप्पा की जोड़ी स्क्वैश के सेमीफाइनल में

- अनाहत और चिनप्पा की जोड़ी ने फिलीपींस की जोड़ी को 2-0 (11-6, 11-3) से हराया

मलेशिया, वार्ता। अनाहत सिंह और जोशना चिनप्पा की भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई स्क्वैश युगल चैंपियनशिप 2025 के महिला वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। यहां एरिना एमास में खेले गए मुकाबले में अनाहत सिंह और जोशना चिनप्पा की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए फिलीपींस की जेमिका एरिबाडो और यवोन एलिसा डालिडा की जोड़ी को मात्र 12 मिनट में 2-0 (11-6, 11-3) से हराया। भारत की अन्य महिला युगल जोड़ी, पूजा अर्थी रघु और रथिका सीलन ने अपने पूल बी मैच में सिंगापुर की विक्की यू लयग लाई और ग्रेसिया चुआ रुई एन को 2-0 (11-8, 11-9) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

हालांकि, वे अपना क्वार्टर फाइनल मैच मलेशिया की आइना अमानी और यी शिन लयग से 2-0 (11-7,11-8) से हार गई और वे अब प्लेसमेंट राउंड में पांचवें से आठवें स्थान को लेकर स्पर्धा करेगी। पुरुष युगल वर्ग में गत चैंपियन अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार की जोड़ी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में कोरिया गणराज्य के लमवु ली और जूयंग ना के खिलाफ 2-1 (10-11, 11-3, 11-5) से जीत दर्ज की। दूसरी ओर, रवि दीक्षित और गुहान सेंथिलकुमार की जोड़ी को क्वार्टर फाइनल में हांगकांग चीन के चेउक नाम लाई और वैलोक टो के खिलाफ 2-0 (11-6, 11-8) से हार का सामना करना पड़ा। इस बीच, भारत की दोनों मिश्रित युगल स्क्वैश टीमों को राउंड ऑफ 12 में बाई मिली और वे क्वार्टर फाइनल में पहुँच गई, जो बुधवार को होगा। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता और शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह और अभय सिंह मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के जेमिका एरिबाडो और डेविड विलियम पेलिनो से भिड़ेंगे। जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार का मिश्रित युगल के अंतिम आठ में मलेशिया की एशियाई खेलों की पदक विजेता आइरा अजमान और जोआचिम चुआ से मुकाबला होगा।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

गुरुवार, 26 जून 2025

परमाणु कार्यक्रम पर बहस

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प व कतर के नेताओं के प्रयासों से ईरान व इजरायल के बीच संघर्ष विराम तो हो गया, लेकिन खुद अमेरिका में ही एक नई बहस छिड़ गई कि सीजफायर से एक दिन पूर्व अमेरिका ने जो ईरान के तीन परमाणु संयंत्रों पर हमला किया था, वह कितना कारगर था, जहां तक बात अमेरिकी राष्ट्रपति की है, उन्होंने इन हमलों को पूरी तरह सफल बताया और बुधवार इन हमलों की तुलना 1945 में जापान के हिरोशिमा में अमेरिका के परमाणु हमलों से कर डाली। ट्रम्प इस समय नीदरलैंड के हेग में हैं, जहां वह नाटो देशों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए पहुंचे हुए हैं।

वहीं से उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि वह हिरोशिमा और नागासाकी का उदाहरण नहीं देना चाहते, लेकिन यह मूलरूप से वही सीज थी, जिसने ईरान-इजरायल के बीच जंग खत्म की। उनका कहना था कि अगर हमने उन्हें नहीं हटाया होता तो वह लड़ रहे होते। मतलब साफ है कि अमेरिका के हमले इतने सफल थे जिस कारण सीजफायर हो पाया। तो वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी सरकार के ही खुफिया विभाग डिफेंस इंटेजिलेंस एजेंसी (डीआईए) ने अपनी रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि अमेरिकी हमले में ईरान का परमाणु कार्यक्रम बच गया है और यह पूरी तरह से तबाह नहीं हुआ है बल्कि सिर्फ कुछ महीने के लिए पीछे हो गया है।

डीआईए की यह रिपोर्ट अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स के माध्यम से सामने आई है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति इन रिपोर्टों पर भड़के हुए हैं, उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर लिखा कि सीएनएन असफल हो रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के साथ मिलकर इतिहास के सबसे सफल सैन्य अभियान को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी लिखा कि सीएनएन व न्यूयॉर्क टाइम्स को जनता ने लताड़ लगाई है। व्हाइट हाउस ने भी मीडिया रिपोर्ट को खारिज किया है। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने खारिज करते हुए कहा है कि रिपोर्ट लीक होना राष्ट्रपति ट्रम्प को बदनाम करने की साजिश है। साथ ही उन बहादुर फाइटर का क्रेडिट लेने की कोशिश है जिसने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट किया।

उन्होंने खुद ही सवाल किया कि कोई भी समझ सकता है कि जब 30 हजार पॉन्ड के 14 बम कहीं गिरते हैं, तो वहां क्या होता है। मतलब साफ है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर खुद अमेरिका में ही बहस चल रही है। जबकि ईरान ने अपनी तरफ से साफ कर दिया है कि उसके कार्यक्रम को कोई खास नुकसान नहीं हुआ है और वह अपने परमाणु कार्यक्रम से पीछे नहीं हटेगा। जबकि इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू अभी भी यह कहते नहीं थक रहे कि अगर ईरान ने परमाणु कार्यक्रम को जारी रखा तो वह उस पर हमला करने में जरा भी देर नहीं लगाएंगे। जाहिर है, यह सारा झगड़ा ही ईरानी परमाणु कार्यक्रम को लेकर है। इससे साफ हो जाता है कि भले ही सीजफायर हो गया हो, लेकिन भविष्य में कोई संघर्ष नहीं होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं ले सकता। यूं भी दोनों तरफ से धमकियों का दौर अभी थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि समय रहते विश्व के बड़े देश ऐसा रास्ता तलाशें, जिससे शांति स्थापित होने में मदद मिले।

अब अन्नदाता किसान खुशहाल है, आत्महत्या नहीं करता

पिछली सरकारों की अकर्मण्यता के कारण कृषि के क्षेत्र में जो विकास हो सकता था वो नहीं हो पाया, इससे हमारे किसान लाभ से वंचित रह गए। योजनाएं आपस में धन के बंदरबांट के लिए बनती थीं और हमारे किसानों को कोई लाभ नहीं मिल पाता था, 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी के आने के बाद देश में समग्र विकास की जो अवधारणा विकसित हुई है, उससे देश का हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है, समग्र विकास के परिणाम स्वरूप अब किसानों के जीवन में परिवर्तन आ रहा है, अब अन्नदाता किसान खुशहाल है, आत्महत्या नहीं करता है।

-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उप्र

अगर इमरजेंसी नहीं लगी होती तो...

"दुर्घटना में अमेरिकी खुफिया एजेंसी CIA का हाथ था। इस हाथ के होने की पुष्टि भी हो गई जब CIA के एक पूर्व अधिकारी रॉबर्ट क्रॉली ने स्वीकार किया कि हमें भाभा को रोकना ही पड़ा, क्योंकि वो परमाणु बम बनाने के बहुत करीब थे।

2014 से अब तक कुछ हुआ हो या न हुआ हो लेकिन एक बात तो हुई है कि संघ और उसके अनुवांशिक संगठनों द्वारा गांधी, नेहरू, पटेल, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह से लेकर गणेश को दूध और नदी नहाकर मोक्ष की प्राप्तियों के जो भी कट-पेस्ट विचार विगत 78 सालों में पूरी एक पीढ़ी के भीतर ठूंसे गए थे, वो सब पोपले साबित हुए। तथ्यात्मक बात करना और भविष्य निर्माण पर बात करना, कभी संघ को नहीं भायी।

शायद ही आपने कभी सुना हो कि संघ और उसके संगठनों ने बेहतरीन शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, ज्ञान, विज्ञान और प्रगतिशीलता से लेकर पर्यावरण के गंभीर हो चले विषयों पर कोई जनांदोलन खड़ा किया हो? इनसे धर्म और पता नहीं कौन सी संस्कृति से आगे कभी बात नहीं हुई। कुछ लोगों का भविष्य ही हर साल बे-सिर-पैर के मुद्दे उखाड़कर पीढ़ियों को बरगलाना, सामाजिक समरसता को समाप्त करना और धार्मिक उन्माद को पैदा करते हुए लोगों को पाखंड के काला सागर में फेंकते रहना यही उद्देश्य रहा है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि जिस देश में साइंस, टेक्नोलॉजी, शानदार सरकारी लैबोरेटरीज, रिसर्च सेंटरों और चीन द्वारा तबाह कर दिए गए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टरों को बचाने की बात होनी चाहिए थी, वह अतीत दिवस मनाते हैं। इनसे वर्तमान और भविष्य पर सवाल करके देखिए तो जरा आपको सीधे 1947 तक खींच ले जाएंगे। इनका झूठ हर पल मजबूत और इतना भयावह है कि यह आपसे एक वृक्ष मां के नाम पर लगाने को कहेंगे और दूसरी ओर हजारों हेक्टेयर जंगल साफ करवा देंगे। यह इतने खतरनाक हैं कि यह आपको राम के पदचिन्हों पर डाक्यूमेंट्री दिखाएंगे और दंडकारण्य क्षेत्र के ही जंगल निपटा देंगे।

आज यह फिर एक मरी हुई लाश यानी 1975 की इमरजेंसी निकाल कर लाए हैं। हर साल लाते हैं और आगे भी लाएंगे। कांग्रेसियों का लंबे समय तक सत्ता शासन रहा, लेकिन वो कभी आम जनता के बीच अपने विरोध के खिलाफ तथ्यों को लेकर सामने नहीं आए। वह यह बता ही नहीं पाए कि देश में यदि 25 जून, 1975 को इमरजेंसी न लगती तो CIA एक समूचे राष्ट्र को ही निपटाने की तैयारी कर चुका था। बात शुरू करते हैं पूज्य होमी जहांगीर भाभा से। यह महान आत्मा चाहती थी कि भारत 1980 तक एक स्वतंत्र परमाणु शक्ति बन कर उभरे। दुर्भाग्यपूर्ण यह रहा कि दिनांक 24 जनवरी, 1966 को एक विमान दुर्घटना हुई और तमाम रहस्यों में उलझी हुई उनकी मृत्यु हो गई। यह ऐसी विमान दुर्घटना थी जिसका न तो मलबा मिला, न कोई शव मिला, न विमान का ब्लैक बॉक्स मिला। इसके बाद पता चला कि इस दुर्घटना में अमेरिकी खुफिया एजेंसी CIA का हाथ था। वही अमेरिका जिसके लिए तथाकथित राष्ट्रवादी लोग अपना अंगोछा बिछाए रहते हैं। इस हाथ के होने की पुष्टि भी हो गई जब CIA के एक पूर्व अधिकारी रॉबर्ट क्रॉली ने स्वीकार किया कि हमें भाभा को रोकना ही पड़ा, क्योंकि वो परमाणु बम बनाने के बहुत करीब थे। अमेरिका भारत की औद्योगिक, स्पेस साइंस, चिकित्सा और विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति का कभी भी पोषक नहीं रहा। आज भी इससे खतरनाक और धूर्त देश दुनिया में दूसरा नहीं है। सीआईए की इस हरकत से भारत का परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम बुरी तरह से प्रभावित हो गया, लेकिन तत्कालीन सत्ता नेतृत्व नहीं टूटा और न उसकी हिम्मत टूटी। विक्रम साराभाई को परमाणु ऊर्जा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया और उन्होंने भाभा के अधूरे कार्यों को पूरा किया। पूज्य भाभा जी के निधन के बाद, परमाणु

पवन सिंह

परीक्षणों में कुछ देरी हुई, लेकिन 1974 में पोखरण में पहला परमाणु परीक्षण किया गया, जो भाभा के दृष्टिकोण का परिणाम था। आगे बढ़ते हैं, होमी जहांगीर भाभा जी की हत्या के बाद CIA अपने मानस पुत्रों के जरिए भारत में सत्ता परिवर्तन की योजना में लगा। वर्ष, 1970 के दशक में CIA ने भारत में अपने मानस पुत्रों की जबरदस्त मदद की ताकि भारत को युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि विचारों के मैदान में निपटा दिया जाए। यहीं से, CIA का Soft Regime Change मॉडल सामने आया। तमाम अमेरिकी फाउंडेशनों के जरिए और अमेरिकी गुट के देशों की यूनिवर्सिटीज के जरिए भारत के तथाकथित पत्रकारों, बुद्धिजीवियों और छात्रों पर जबरदस्त वैचारिक नियंत्रण का अभियान शुरू हुआ और अंततः यह एक बहुत बड़े छात्र आंदोलनों के रूप में दिखा और फिर इसे एक जनक्रांति का रूप दे दिया गया। इसके बाद न्यापालिका के जरिए खेल शुरू हुए और कुछ फैसले ऐसे कराए गए जिससे देश में राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो। इसी बीच जेपी आंदोलन शुरू हुआ और वह वैचारिकता से आगे हिंसक होता चला गया। रेलें रोकी जाने लगीं, सरकारी संपत्तियां जलाई जाने लगीं, सरकारी अफसरों को घेरा जाने लगा। खतरा तब और बढ़ा जब जेपी साहेब ने सार्वजनिक रूप से सेना और पुलिस से आह्वान किया कि वे सरकार के आदेश को अस्वीकार कर आंदोलन से जुड़ें। CIA का रचा खेल अब अंतिम रंग बिखेरने वाला था। इंदिरा गांधी की नजर इस पूरे मामले पर थी। कहते हैं कि सोवियत रूस ने भी इंदिरा गांधी जी को कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं से अवगत करा दिया था और कहा था कि अब समय नहीं है। अगर आपने कोई बड़ा कदम नहीं उठाया तो पूरा देश अराजकता की भेंट चढ़ जाएगा। अंततः 25 जून 1975 को इंदिरा गांधी ने संविधान के अनुच्छेद 352 का प्रयोग किया और आंतरिक संकट के मद्देनजर आपातकाल लागू कर दिया। CIA की पूरी की पूरी योजना एक झटके में निपट गई। मैं इंदिरा गांधी को तब तानाशाह मानता जब वह दोबारा विधिवत लोकसभा का चुनाव न करातीं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। तानाशाह मतदान नहीं कराता है। CIA का गेम बजाने के बाद इंदिरा गांधी ने 1977 में आपातकाल हटाया और निष्पक्ष चुनाव कराकर खुद चुनाव हार भी गईं लेकिन इसी देश की जनता ने पांच साल उन्हें दोबारा चुना। CIA ने होमी जहांगीर भाभा की कथित हत्या के बाद जिस भारतीय मीडिया, अदालतों और छात्र आंदोलनों के मोर्चे खोले थे वे सब ध्वस्त हो गए। भारत अमेरिकी गंध का शिकार होने से बच गया। इंदिरा गांधी ने असली वाला आपरेशन सिंदूर किया और सीआईए को मात दी। वह नहीं झुकीं और न राष्ट्र को झुकने दिया। इंदिरा गांधी तक भी नहीं झुकीं जब भारत को सख्त नापसंद करने वाला व भारतीयों से लगभग घृणा करने वाला अमेरिका पाकिस्तान की ओर से भारत के खिलाफ लड़ने को तैयार हो गया था।

वैसे मानस पुत्रों का इतिहास रहा है यह मुगलों की बात तो करते हैं लेकिन गोरी चमड़ी वालों का कभी विरोध नहीं करते। अंग्रेजों ने भारत पर लगभग 200 वर्षों तक शासन किया। 1757 में प्लासी की लड़ाई के बाद, अंग्रेजों ने भारत में अपना प्रभुत्व स्थापित करना शुरू कर दिया और 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने तक, ब्रिटिश क्राउन का शासन रहा। इस बीच हमारे पूर्वजों के साथ कैसी भयावह नृशंसता हुई। कैसे अंग्रेजी हुकूमत ने आम जनता तक के घरों से जेवर लूटे और विक्टोरिया के खजाने भरे। उस पर यह हमेशा खामोश रहे हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। अधिकांश लोगों में गलत धारणाएं विद्यमान हैं कि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है।

युवा सोच पर नशे का ग्रहण, चिंता का सबब

विश्व के अनेक देशों में लोगों में और खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशीली दवाओं के दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए ही हर साल 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस मनाया जाता है। जहां तक भारत की बात है, चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है।

ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिए लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। वास्तव में मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं।

कोकीन हो या ऐसे ही अन्य मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ए तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं। युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं।

मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं। देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंता. जनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है। युवा जिस कदर मादक पदार्थों के शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके।

-योगेश कुमार गोयल

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

देश की एकता व अखंडता के लिए खतरनाक है भाषाई विवाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों नई दिल्ली में एक पूर्व आईएएस अधिकारी द्वारा लिखित एक पुस्तक का विमोचन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक वाक्य बोलकर राष्ट्रीय स्तर पर भाषाई विवाद को जन्म दे दिया। गृह मंत्री ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक अमित शाह के इस बयान की काफी तीखी आलोचना हुई। कुछ लोगों ने अंग्रेजी को रोजगार परक भाषा बताया तो कुछ का मानना था कि आत्मविश्वास के लिए अंग्रेजी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है, जबकि कुछ नेताओं ने इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता को कमजोर करने और हिंदी थोपने के प्रयास की नजरों से देखा। आश्चर्य की बात तो यह है कि भारत सरकार के ही अनेक मंत्री ऐसे हैं जो धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलते हैं। कई प्रमुख मंत्री हैं तो ऐसे भी हैं जो अंग्रेजी में प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए ही जाने जाते हैं।

उदाहरण के तौर पर वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण अंग्रेजी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं। वे जेएनयू से अर्थशास्त्र की डिग्री धारक हैं। वित्तीय नीतियों पर वैश्विक मंचों जैसे जी 20 पर उनके भाषण उनके अंग्रेजी बोलने के कौशल को दर्शाते हैं। इसी तरह विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर, जो पूर्व राजनयिक भी रहे हैं, अंग्रेजी में असाधारण रूप से धाराप्रवाह हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय मंचों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और कूटनीतिक चर्चाओं में प्रायः अंग्रेजी का व्यापक उपयोग करते हैं। इसी प्रकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन

गडकरी अंग्रेजी बड़े ही आत्मविश्वास के साथ बोलते हैं, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और निवेश से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में उनकी धारा प्रवाह अंग्रेजी उनकी काबलियत में चार चांद लगाती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यह भी पूर्व राजनयिक हैं तथा अंग्रेजी में उत्कृष्ट संवाद का कौशल रखते हैं। वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर अंग्रेजी भाषा के माध्यम से ही भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसी तरह नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जोकि हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड से शिक्षित हैं अंग्रेजी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं और संसद व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर इसका उपयोग करते हैं। अमेरिका में शिक्षित और प्रशिक्षित चिकित्सक ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ। पेम्मासानी, जो हैं, अंग्रेजी में पूरी तरह से पारंगत हैं। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं विशेषकर दक्षिण भारत के अधिकांश सांसद व मंत्री अंग्रेजी में संवाद करते हैं।

ऐसे में अमित शाह का यह कहना कि ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी, इसका अर्थ निकालना व इसका विश्लेषण करना बेहद जरूरी है। क्यों शर्म आएगी अंग्रेजी बोलने वालों को? स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जब विदेश जाते हैं तो प्रॉम्प्टर पर ही सही परन्तु अंग्रेजी में ही भाषण देकर भारत का पक्ष रखते हैं? कश्मीर से कन्याकुमारी तक आप कहीं भी चले जाइए, यदि आप क्षेत्रीय भाषा बोल पाने में असमर्थ हैं तो अंग्रेजी ही ऐसी भाषा है जो एक दूसरे राज्य के लोगों के मध्य संवाद स्थापित करने का सुगम माध्यम बनती है। देश ही नहीं लगभग पूरे विश्व में अंग्रेजी भाषा विभिन्न देशों के लोगों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करती है। आज गृह मंत्री अमित शाह के दर्जनों मंत्रिमंडलीय सहयोगियों,सांसदों व अधिका. रियों व राज्य स्तरीय भाजपा नेताओं की संतानें अमे. रिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य कई देशों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। जाहिर है राष्ट्रवादियों की यह संतानें वहां संस्कृत या हिंदी माध्यम से पढ़ने के लिए नहीं गई हैं। बल्कि यह वहां पढ़कर अंग्रेजी भाषा में ही पारंगत होंगी। तो क्या आने वाले कल को इन्हें भी अंग्रेजी बोलने में शर्म आएगी?

इसमें कोई संदेह नहीं कि क्षेत्रीय भारतीय भाषाएं भारतीय संस्कृति के आभूषण के समान हैं, परन्तु अदालत से लेकर संसद व दूतावासों तक व मेडिकल व विज्ञान शिक्षा में खासकर प्रयुक्त होने वाली अंग्रेजी भाषा को श्शर्म श् वाली भाषा तो हरगिज नहीं कहा जा सकता। गृह मंत्री के अनुसार यदि शर्म ही आने की संभावना है तो कम से कम अपनी सरकारी योजनाओं का मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसा अंग्रेजी नाम तो न रखते? इस सम्बन्ध में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेजी सीखना आर्थिक रूप से उपयोगी है और इससे रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। राहुल गांधी ने शाह के इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता पर हमला बताया। कांग्रेस ने तो इसे सांस्कृतिक आतंकवाद का हिस्सा बताया और कहा कि अंग्रेजी वैश्विक संदर्भ में भारत के युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके ने भी शाह के बयान को हिंदी थोपने की एक और कोशिश के रूप में देखा है। डीएमके ने तर्क दिया कि अंग्रेजी भारत की भाषाई विविधता को जोड़ने वाली कड़ी है और इसे कमजोर करना देश की एकता के लिए हानिकारक हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम ने अन्नादुरै का हवाला देते हुए कहा कि हिंदी को जबरन थोपना स्वीकार्य नहीं है। इसी तरह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेताओं ने शाह की टिप्पणी को उनकी संकीर्ण राजनीति का परिचायक बताया और कहा कि अधिक भाषाएं सीखने से ज्ञान में वृद्धि होती है, न कि शर्मिंदगी। भारत में लोग अपनी पसंद की भाषा बोलने के लिए स्वतंत्र हैं। अंग्रेजी वैश्विक अर्थव्यवस्था

निर्मल रानी

में भारत को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण सेतु है। यह न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करती है, बल्कि नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके विपरीत अंग्रेजी को हटाने या कम करने से भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए कहा जा सकता है कि अमित शाह का बयान अदूरदर्शी होने के साथ-साथ पूर्वाग्रह पूर्ण भी है जोकि भारत की भाषाई विविधता को नजरअंदाज करता है। वैसे भी हमारे समाज में अंग्रेजी बोलने वालों को हमेशा इज्जत की नजर से देखा जाता है, इसलिए भी यह बयान सामाजिक समानता के विरुद्ध है। रहा सवाल अंग्रेजी को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ने की मानसिकता को औपनिवेशिक सोच से जोड़ने का परिणाम बताना तो हमारा पहनावा, उपयोग की वस्तुएं, क्रॉकरी, मकानों की बनावट वैज्ञानिक सामग्रियों पर बढ़ती निर्भरता यह सब भी पश्चिमी प्रभाव का ही परिणाम है। हम किन किन चीजों को पश्चिमी कहकर ठुकराते रहेंगे? इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयानों से हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओं का

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

खामोशी के बाद फिर बोले डोनाल्ड ट्रम्प

फिर शुरू हुआ परमाणु प्रोग्राम तो ईरान की खैर नहीं

22 जून को अमेरिकी हमले के बाद इजरायली एजेंट्स ईरान के फोर्डो न्यूक्लियर साइट गए थे: ट्रम्प

तेहरान/तेल अवीव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को नीदरलैंड के हेग में नाटो समिट में मीडिया से बात की। इसमें उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम फिर से शुरू किया तो फिर हमला करेंगे।

ट्रम्प ने कहा कि 22 जून को अमेरिकी हमले के बाद इजरायली एजेंट्स ईरान के फोर्डो न्यूक्लियर साइट गए थे। उन्होंने ही बताया कि फोर्डो न्यूक्लियर साइट पूरी तरह तबाह हो गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ पर मीडिया रिपोर्ट्स को फर्जी करार दिया। उन्होंने लिखा कि सीएनएन और न्यूयार्क टाइम्स ने इतिहास के सबसे सफल सैन्य हमलों में से एक को बदनाम करने की कोशिश की है। इजरायल-ईरान के बीच जंग के 12वें दिन, यानी मंगलवार को सीजफायर हो गया। दोनों देशों ने इसकी पुष्टि की है और साथ ही इस जंग में अपनी जीत का दावा किया। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ इजरायल ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है, जो पीढ़ियों तक याद रखी जाएगी। उन्होंने कहा-हम शेर की तरह उठे और हमारी दहाड़ ने तेहरान को हिला दिया। दूसरी तरफ ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश न्यूक्लियर प्रोग्राम बंद नहीं करेगा। उन्होंने कहा-श्हमने इस तकनीक को हासिल करने के लिए बहुत मेहनत की है। हमारे वैज्ञानिकों ने बलिदान दिए हैं। विक्ट्री सेलिब्रेशन में कई महिलाओं ने ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई का पोस्टर लहराकर अपना समर्थन जाहिर किया। ट्रम्प ने ईरान पर किए गए ताजा हमलों की तुलना 1945 में जापान के हिरोशिमा में अमेरिका के परमाणु हमले से की है। ट्रम्प ने नाटो सम्मेलन में मीडिया से कहा कि मैं हिरोशिमा और नागासाकी का उदाहरण नहीं देना चाहता, लेकिन यह मूल रूप से वही चीज थी, जिसने ईरान और इजरायल के बीच जंग खत्म की। इसने युद्ध के साथ ही उसे (परमाणु हथियार) खत्म कर दिया।

ईरानी परमाणु स्थलों पर कार्रवाई से पहले ट्रम्प ने यूरापीय देशों को नहीं किया आगाह

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमले का फैसला यूरोपीय नेताओं को बिना बताये लिया था। एक यूरोपीय अधिकारी के अनुसार ट्रम्प ने 22 जून को ईरान के परमाणु ठिकानों पर बी-2 फाइटर जेट से हमला करने के निर्देश देने से पहले यूरोपीय सहयोगियों को सतर्क नहीं किया था। हालांकि, कनाडा में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन में ट्रम्प ने ऐसे हमले की मंशा ज़ाहिर की थी। वहीं, स्काई न्यूज ने डाउनिंग स्ट्रीट के सूत्रों के हवाले से बताया कि ब्रिटेन सरकार को इस हमले की पहले से जानकारी दी गई थी। इजरायल ने ईरान पर गुप्त सैन्य परमाणु कार्यक्रम का आरोप लगाया और 13 जून को बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया, जिससे मध्य पूर्व में हालात बिगड़ गए।

पाकिस्तान व ईरान से 1685 अफगान परिवार लौटे स्वदेश

काबुल। अफगानिस्तान के 1685 परिवारों के 7474 सदस्य मंगलवार को ईरान और पाकिस्तान से स्वदेश लौट आए। अफ़गानिस्तान के उच्चायोग ने बुधवार को यह जानकारी दी। उच्चायोग ने कहा कि शरणार्थी पूर्वी नंगरहार प्रांत में तोरखम, दक्षिणी कंधार प्रांत में स्पिन बोल्डक, पश्चिमी हेरात प्रांत में इस्लाम कला और पश्चिमी निम. रोज़ प्रांत में पुल- ए-अब्रेसहम सीमा से घर लौटे हैं। उन्होंने कहा कि उच्चायोग लौटने वाले लोगों के लिए उनके संबंधित प्रांतों में अस्थाई आश्रय, पोषण, पानी, चिकित्सा देखभाल और परिवहन सेवाएं प्रदान करता है। लगभग 70 लाख अफ़गान शरणार्थी जिनमें से अधिकांश अनिर्दिष्ट प्रवासी हैं।

झमाझम बारिश...

छत्तीसगढ़। बस्तर जिले के जगदलपुर में साइकिल चालक खुद को बारिश से बचाते हुए।

अभिनंदन को पकड़ने वाला पाकिस्तानी अफसर मारा गया

2019 में पाकिस्तानी में गिरा था विंग कमांडर का विमान, 58 घंटे बाद रिहा हुई थी

इस्लामाबाद। भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पकड़ने वाला पाकिस्तानी कमांडर मोइज अब्बास मंगलवार को एक हमले में मारा गया।

दक्षिणी वजीरिस्तान में आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने पाकिस्तानी आर्मी पर हमला किया, इसमें 2 आर्मी अफसर मारे गए। इनमें से एक मोइज अब्बास भी था। बालाकोट में एयर स्ट्राइक के अगले दिन 27 फरवरी को पाकिस्तानी वायुसेना ने भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश की थी। जवाब में भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन चलाया था। तब विंग कमांडर अभिनंदन ने मिग-21 बाइसन फाइटर जेट से पाकिस्तान के एफ-16 फाइटर जेट को मार गिराया था। हालांकि, उनका विमान पाकिस्तानी सीमा में गिर गया था। पाकिस्तानी आर्मी ने अभिनंदन को कैद कर लिया था।

संक्षिप्त समाचार

तेल टैंकर में आग लगने से चार लोगों की मौत, पांच घायल

जकार्ता। इंडोनेशिया के रियाउ द्वीप प्रांत में बटाम द्वीप पर एक शिपयार्ड में डॉक किए गए कच्चे पाम ऑयल टैंकर में आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने बुधवार को यहां यह जानकारी दी। पीड़ित लोग फेडरल। नामक जहाज पर काम कर रहे तकनीशियन थे। यह जहाज बटुआजी क्षेत्र में पीटी एएसएल शिपयार्ड इंडोनेशिया में मरम्मत के लिए जा रहा था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:15 बजे आग समय लगी जब टैंकर रखरखाव के लिए डॉक किया गया था। बटुआजी पुलिस प्रमुख राडेन बिमो द्वी लांबांग ने पुष्टि की कि दुर्घटना में नौ लोग शामिल थे।

उत्तर पश्चिमी कोलंबिया में भूस्खलन में आठ की मौत

बोगोटा। उत्तर पश्चिमी कोलंबिया में एंटिओक्विया विभाग के बेलो नगरपालिका में मंगलवार को भूस्खलन में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मेयर लोरेना गोंजालेज ने कहा कि बहुत दुख के साथ मैं आपको सूचित करती हूं कि आज सुबह करीब 3:25 बजे ग्रैनिज़ल सेक्टर में भूस्खलन हुआ। अब तक हमने आठ लोगों की मौत और पांच लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि ला नेग्रा धारा के ज्यादा प्रवाह से शुरू हुए भूस्खलन ने एल पिनार पड़ोस के 10 घरों को प्रभावित किया। एंटिओक्विया के गवर्नर एंड्रेस जूलियन ने कहा कि आपातकाल का निपटने के लिए विभाग के सभी संसाधन जुटाए गए हैं।

बीएनपी समर्थक गुटों के बीच झड़पों में नौ घायल

ढाका। बंगलादेश में ढाका साउथ सिटी कॉर्पोरेशन के मुख्यालय नगर भवन में बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) समर्थित श्रमिक-कर्मचारी यूनियन के दो गुटों में मंगलवार को झड़प के दौरान नौ लोग घायल हो गए। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना मंगलवार दोपहर करीब 12:00 बजे ढाका नगर भवन में बीएनपी समर्थित यूनियन के दो गुटों--आरिफुज्जामान प्रिंस और आरिफ चौधरी के समर्थकों के बीच झड़प हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि झगड़ा तब शुरू हुआ जब प्रिंस गुट के एक समर्थक पर इशराक हुसैन को मेयर के रूप में शपथ दिलाने की मांग के विरोधी होने के शक में हमला किया गया। इसमें नौ लोग घायल हो गए। ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पुलिस कैंप के प्रभारी मोहम्मद फारुक ने कहा कि नौ घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमेरिकी हमले में बच गया ईरान का परमाणु कार्यक्रम

अमेरिकी खुफिया विभाग डिफेंस इंटेलीजेंस एजेंसी ने रिपोर्ट में अनुमान जताया, रिपोर्ट को ट्रम्प ने बताया झूठ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन रिपोर्ट्स को झूठा बताया है, जिनमें दावा किया गया है कि अमेरिकी हवाई हमले में ईरान के परमाणु केंद्र पूरी तरह से तबाह नहीं हुए हैं।

दरअसल अमेरिकी सरकार के खुफिया विभाग डिफेंस इंटेलीजेंस एजेंसी (डीआईए) ने अपनी रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि अमेरिकी हमले में ईरान का परमाणु कार्यक्रम बच गया है और ये पूरी तरह से तबाह नहीं हुआ है बल्कि सिर्फ कुछ महीने के लिए पीछे हो गया है। डीआईए की रिपोर्ट की जानकारी अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन ने दी है। हालांकि ट्रम्प ने इसे झूठी खबर बताकर खारिज कर दिया। ट्रुथ सोशल पर लिखे एक पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रम्प ने लिखा कि झूठी खबर, सीएनएन असफल हो रहे न्यूयार्क टाइम्स के साथ मिलकर इतिहास के सबसे सफल सैन्य अभियान को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। ईरान के परमाणु केंद्र पूरी तरह से तबाह हो गए हैं। दोनों न्यूयार्क टाइम्स और सीएनएन को जनता ने लताड़ लगाई है। व्हाइट हाउस ने भी मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज किया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि खुफिया रिपोर्ट लीक होना राष्ट्रपति ट्रम्प को बदनाम करने की साजिश है। साथ ही उन बहादुर फाइटर पायलट का क्रेडिट लेने की कोशिश है।

नाटो समिट में ट्रम्प के एजेंडे का विरोध

स्पेन ने रक्षा खर्च बढ़ाने से किया इन्कार, फ्रांस, इटली और कनाडा भी एजेंडे से सहमत नहीं

हेग। नीदरलैंड के द हेग शहर में आज से नार्थ अटलांटिक ट्रीटी आर्गेनाइजेशन (नाटो) समिट का आज दूसरा दिन है और सदस्य देशों के प्रमुखों की मीटिंग होगी।

इस बार की बैठक को नाटोके इतिहास की सबसे अहम बैठकों में माना जा रहा है। यह ऐसे समय हो रही है जब मिडिल ईस्ट में ईरान-इजरायल जंग का 12 दिनों बाद सीजफायर हुआ है। इस बार की मीटिंग का एजेंडा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मांग पर यूरोपीय देशों के रक्षा खर्च में हिस्सेदारी को बढ़ाने का रखा गया है।

ट्रम्प चाहते हैं कि सभी सदस्य देश अपने जीडीपी का 5 प्रतिशत रक्षा पर खर्च करें, हालांकि वर्तमान में यूरोपीय देशों का कुल योगदान केवल 30 प्रतिशत है और जीडीपी का केवल 2 प्रतिशत है। ट्रम्प का मानना है कि अमेरिका नाटोको बहुत पैसा देता है और बाकी देश अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा रहे। हालांकि, स्पेन ने पहले ही रक्षा खर्च बढ़ाने से इन्कार कर दिया है। वहीं, फ्रांस, इटली और कनाडा भी इससे सहमत नहीं हैं। नीदरलैंड के किंग विलेम-अलेक्जेंडर और क्वीन मैक्सिमा ने मंगलवार को नाटोदेशों के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों के लिए डिनर का आयोजन किया। वहीं, इससे पहले मंगलवार को संगठन में मतभेद गहराते नजर आए। समिट में सबसे बड़ी चिंता नाटोदेशों के बीच रक्षा खर्च को लेकर आपसी मतभेद की रही। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने कहा कि संगठन यूक्रेन जैसे मुद्दों से निपट सकता है, लेकिन ट्रम्प ने नाटो की सबसे अहम संधि आर्टिकल-5 (एक-दूसरे की रक्षा का वादा) पर सीधा समर्थन देने से इन्कार कर दिया। ट्रम्प के इस कदम के बाद आज की मीटिंग में दूसरे देशों की ओर से भी कड़ी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल सकती है। वहीं, रक्षा बजट पर भी ट्रम्प के रुख से नाराज चल रहे यूरोपीय देश कोई निर्णय ले सकते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मांगों को ध्यान में रखते हुए नाटो महासचिव मार्क रूटे ने समिट का एजेंडा तय किया है।

बैठक में मुख्य जोर यूरोपीय देशों द्वारा रक्षा खर्च बढ़ाने पर है, जिसे ट्रम्प लंबे समय से मांगते आ रहे हैं। नाटोमें चल रहे मतभेदों के बीच महासचिव मार्क रूटे ने एक नया प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव के मुताबिक, सदस्य देशों को अपनी जीडीपी का 3.5 प्रतिशत सीधे सेना और हथियारों पर खर्च करना होगा और 1.5 प्रतिशत ऐसे कामों पर जो रक्षा से जुड़े हों। प्रस्ताव में 1.5 प्रतिशत खर्च की परिभाषा बहुत खुली रखी गई है। इसका मतलब यह है कि हर देश इसे अपने तरीके से समझ सकता है और किसी भी खर्च को 'रक्षा खर्च' बता सकता है।

संघर्ष विराम के अगले ही दिन तेहरान ने दिखाए तेवर

मोसाद से जुड़े तीन कैदियों को फांसी

ईरान ने इजरायल के जासूसों से निपटना शुरू किया, अब तक इजरायल से जुड़े 700 लोग गिरफ्तार

तेहरान। संघर्ष विराम के अगले ही दिन ईरान ने इजरायल के जासूसों से निपटना शुरू कर दिया। बुधवार को ईरान ने इजरायल के लिए जासूसी करने के आरोप में मोसाद से जुड़े तीन और कैदियों को फांसी दे दी। जबकि इजरायल से जुड़े 700 से अधिक लोगों को अब तक गिरफ्तार किया गया है। अब तक ईरान छह लोगों को फांसी की सजा दे चुका है। बुधवार को ईरान के पश्चिमी अजरबैजान प्रांत के उर्मिया जेल में आजाद शोजाई, एड्रिस आली और इराकी नागरिक रसूल अहमद रसूल को फांसी दी गई। ईरान की न्यायपालिका के मुताबिक इन लोगों पर देश में हत्या उपकरण लाने का आरोप था। ईरान ने इजरायल के साथ संघर्ष के दौरान करीब छह लोगों को फांसी दे दी है।

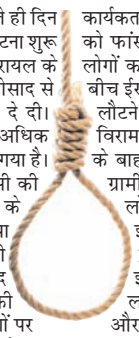

कार्यकर्ताओं को डर है कि और अधिक लोगों को फांसी दी जाएगी। वहीं अब तक 700 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस बीच ईरान में लोग अपने सामान्य जीवन में लौटने की कोशिश करने लगे हैं। संघर्ष विराम के बाद ईरान की राजधानी तेहरान के बाहर कैस्पियन सागर क्षेत्र और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भारी ट्रैफिक है, क्योंकि लोग शहर की ओर लौट रहे हैं। इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष 13 जून को शुरू हुआ था, जब इजरायल ने 'आपरेशन राइजिंग लायन' शुरू करके ईरान की परमाणु और सैन्य सुविधाओं पर बड़ा हवाई हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने 'आप. रेशन ट्रू प्रामिस 3' शुरू किया और इजरायल ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया। फिर अमेरिका ने भी दोनों के युद्ध में एंट्री ली और ईरान के तीन परमाणु ठिकानों-फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर सटीक हमले किए। मंगलवार को ट्रम्प ने ईरान और इजरायल के बीच युद्धविराम समझौते की घोषणा की। यह तब हुआ जब ईरान ने अमेरिकी हमलों के जवाब में कतर और ईरान में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमला किया था। हालांकि, ट्रम्प की घोषणा के कुछ देर बाद ही इजरायली वायु सेना (आईएएफ) ने तेहरान के उत्तर में एक ईरानी रडार ठिकाने पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने इजरायल पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

भारत के साथ बातचीत को बेताब पाक पीएम शहबाज शरीफ

सऊदी अरब के युवराज से कहा: लंबित मुद्दों के समाधान को भारत से सार्थक वार्ता को तैयार

इस्लामाबाद। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद हालात यह हैं पाकिस्तान अब वार्ता करने के लिए बेताब है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अब सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान से भारत से वार्ता कराने की बात कही है।

टेलीफोन पर बातचीत में शरीफ ने कहा कि वह लंबित मुद्दों के समाधान के लिए भारत के साथ सार्थक वार्ता करना चाहते हैं। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार प्रधानमंत्री ने बातचीत के दौरान कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर, जल, व्यापार और आतंकवाद सहित सभी लंबित मुद्दों पर भारत के साथ सार्थक बातचीत करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री शरीफ ने भारत के साथ हाल के गतिरोध के दौरान पाकिस्तान को दिए गए दृढ़ समर्थन के लिए सऊदी अरब का आभार व्यक्त किया। रेडियो पाकिस्तान ने बताया कि शरीफ और सऊदी नेता ने पश्चिम एशिया के हालात पर भी बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ईरान-इजरायल संघर्ष को तत्काल कम करने और बातचीत और कूटनीति के माध्यम से इसके शांतिपूर्ण समाधान का पूरा समर्थन करता है। क्राउन प्रिंस ने प्रधानमंत्री शरीफ को धन्यवाद दिया। साथ ही पाकिस्तान के सऊदी अरब के प्रति व्यक्त एकजुटता एवं समर्थन की सराहना की। मोहम्मद बिन सलमान ने ईरान-इजरायल संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान को बढ़ावा देने में पाकिस्तान की भूमिका की सराहना की। इससे पहले शहबाज शरीफ ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो से भारत से बातचीत करने की इच्छा जाहिर की थी।

दक्षिण कोरिया में गहराया जनसंख्या संकट, लगातार तीसरे महीने गिरावट

सियोल। दक्षिण कोरिया में जनसंख्या का संकट गहराता जा रहा है। लगातार तीसरे महीने आबादी में गिरावट और वृद्धों की बढ़ती संख्या ने देश के समक्ष गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सांख्यिकी कोरिया के आंकड़ों के अनुसार, मई में स्थानीय स्तर पर जनसंख्या में 4.9 प्रतिशत (473000 लोग) की कमी दर्ज की गई। इससे पहले मार्च में यह गिरावट 2.6 प्रतिशत और अप्रैल में 10.7 प्रतिशत थी। जनसंख्या में इस कमी के कारण रियल एस्टेट बाजार में लंबे समय से चली आ रही मंदी और गहरा गई है। एक वरिष्ठ अर्थशास्त्री ने टिप्पणी की कि यह स्थिति देश के भविष्य के लिए चिंताजनक है। यदि जन्म दर में सुधार नहीं होता है, तो सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक विकास पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। राजधानी सियोल में 3657 और दूसरे सबसे बड़े शहर बुसान में 1014 लोगों की कमी देखी गई। हालांकि, सियोल के आसपास के ग्योंगगी प्रांत में 3205 और पश्चिमी बंदरगाह शहर इंचियोन में 3,237 लोगों की शुद्ध वृद्धि दर्ज की गई।

गाजा में बख्तरबंद वाहन में विस्फोट सात इजरायली सैनिकों की मौत

यरूशलम। गाजा में मंगलवार को हुई गोलीबारी के बीच बख्तरबंद वाहन में हुए विस्फोट में सात इजरायली सैनिकों की मौत हो गई। वहीं हमास के लड़ाकों ने दक्षिणी गाजा में एक इमारत में छिपे इजरायली सैनिकों पर हमला बोला। इजरायल के एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि दक्षिणी गाजा के शहर खान यूनिस में मंगलवार को बख्तरबंद वाहन पर विस्फोटक लगा। इसमें सात इजरायली सैनिकों की मौत हो गई। वहीं गोलीबारी में एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह गाजा में इजरायल की सेना पर बड़ा हमला था।

इजरायली हमलों में 70 फलस्तीनियों की मौत

अस्पताल ने कहा: उसी स्थान से छह अतिरिक्त शवों को अन्य फील्ड अस्पतालों में स्थानांतरित दिया गया

गाजा। गाजा पट्टी में मंगलवार को इजरायली गोलीबा. री और हवाई हमलों में कम से कम 70 फलस्तीनी मारे गए। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने संवाद एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि इजरायली बलों ने दक्षिणी गाजा पट्टी में राफा के उत्तर में शाकौश क्षेत्र में एक अमेरिकी समर्थित सहायता वितरण केंद्र के पास जुटे फलस्तीनियों की भीड़ पर गोल. ीबारी की। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के एक चिकित्सा स्रोत ने एजेंसी को बताया कि शाकौश में हुई इस गोलीबारी में कम से कम 25 लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। सूत्र ने कहा कि सुरक्षा स्थितियों और क्षेत्र की दूरस्थता के कारण घायलों को पास के फील्ड अस्पतालों में ले जाने के लिए जानवरों द्वारा खींची जाने वाली गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया। इस बीच एक अन्य घटना तब हुई जब इजरायली सेना ने कथित तौर पर वाडी गाजा के दक्षिण में सलाह अल-दीन स्ट्रीट पर खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए एकत्र हुए फलस्तीनियों को निशाना बनाया। मध्य गाजा पट्टी के नुसेरात में अल-अवदा अस्पताल ने एक प्रेस बयान में कहा कि उसे 19 शव और 146 घायल व्यक्ति मिले हैं जिनमें से 62 की हालत गंभीर है। अस्पताल ने कहा कि उसी स्थान से छह अतिरिक्त शवों को अन्य फील्ड अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया। इस बीच इज़रायली सेना ने किसी भी घटना के बारे में तत्काल कोई बयान जारी नहीं किया है। हमास संचालित गाजा सरकार के मीडिया कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 27 मई से गाजा में खाद्य वितरण केंद्रों तक पहुँचने की कोशिश करते समय 500 से ज़्यादा फ़लस्तीनी मारे गए हैं। इस बीच गाजा में नागरिक सुरक्षा अधिका. रियों ने 24 जून को एक प्रेस बयान में कहा कि गाजा शहर के दक्षिण में अल-सबरा पड़ोस में एक रिहायशी घर को निशाना बनाकर किए गए इज़रायली हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित 10 लोग मारे गए।